जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 21 नवम्बर, 2026

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

10 लाख का डिस्काउंट

सिर्फ 10 दिन बाकी

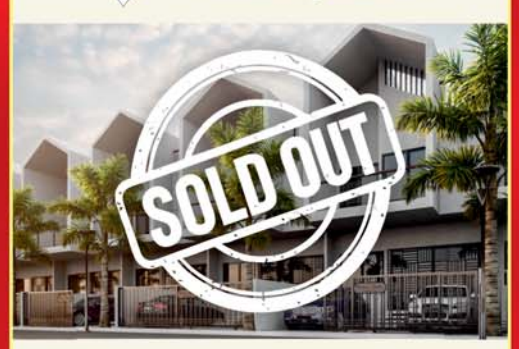
KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर



FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ



KOTHI STARTS ~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA



SHOP ~~30 Lacs~~ @20 Lacs | KOTHI STARTS ~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR , JAIPUR
RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS



2BHK ~~37 Lacs~~ @27 Lacs | 3BHK ~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

KEDIA™ Pavitra

अपनों को पवित्र खिलायें

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

आटा, सूजी, दलिया, बेसन, सत्तू, गेहूँ



दाल, चावल, पोहा



क्रायोजेनिक ग्राइंडेड मसाले



काजू, बादाम, खजूर, पिस्ता, मखाने



सिलीगुड़ी चाय



कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल,
ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल



आपके नजदीकी सुपरमार्केट

RTO OFFICE GALI, SIKAR AANIYA MEGA MART 7568126879	CHOUDHARY TREDING CO., SIKAR ANU SUPER MARKET 9116630333	RAMESHVRAM REDIJENCY, SIKAR BALAJI KIRANA STORE 9660056164	PIPRALI ROAD, SIKAR D K SUPER MART 8890320970	DEVIPURA, JAIPUR ROAD, SIKAR GALAXY MEGA MART 7599990002	JAIPUR JHUNJHUNU BY PASS GL-CART SUPERMART 9636990455	FATEHPUR ROAD, SIKAR GURUKRIPA JUNRAL STORE 9571201260	DASA KI DHANI, SIKAR KANHA MEGA MART 9829474198
RADHAKISHANPURA, SIKAR KRISHANA D MART 8003762242	RADHAKISHANPURA, SIKAR MANGLAM KIRANA STORE 9772705428	BALAJI NAGAR, SIKAR OM MANGLAM DIPARTMENTAL 9828777983	HOUSEING BOARD, SIKAR S S SUPER MART 7427007046	GOKULPURA TIRAHA, SIKAR SANGAM D MART 8946855141	NEAR MANAV CITY, SIKAR SATYAM TREDING COMPANY 8233657001	JAIPUR JHUHJHUNU ROAD SHITAL MART 9672732981	BALAJI NAGAR, SIKAR VINAYAK MART 8432687093
MURJA ROAD, CHOMU JHALANI SUPER MARKET 9828296381	VIRATNAGAR SAINI SUPER MART 7378211738	NEW SABJI MANDI, UDAIPURWATI SANJAY SUPER MARKET 7737786634	PIPRALI ROAD, SIKAR SHRI BALAJI MART 8290594766	PIPRALI ROAD, SIKAR SHRI VINAYAK MEGA MART 8619754053	CHAVNI CHOURAHA, TONK APAN MART 8690032859	JHILAI ROAD, NIWAI SAGAR DEPARTMENT STORE 9928305250	JHUNJHUNU BAIPASS PATWARI DIPARTMENTAL STORE 7891038660

नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर:

JALSU NAVYA ENTERPRISES 9785303011	NEEM-KA-THANA MAHAWA ENTERPRISES 9983290290	(NIWAI)TONK MODI TRADING COMPANY 9887792746	SIKAR SANGAM DISTRIBUTORS 9929638328	SRIMADHOPUR DR AMBEDKAR SECURITY SERVICES 7733036347

सुपरमार्केट एवं डिस्ट्रीब्यूटर संपर्क करें: 1800-120-2727

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

अंधविश्वास, पाखंड का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं, इन्हें फैलाना संविधान के अनुच्छेद 51 के विपरीत है, इनसे किसी का भला नहीं होता।

यद्यपि विज्ञान की प्रगति होने के कारण अब भगवानों के अवतारों के रूप में आने की गति कम हो गई, चमत्कार भी कम होने लगे फिर भी दुनिया के हर देश में बड़े अजीब-अजीब अंधविश्वास हैं। अंधविश्वासों से डर और उम्मीद हर देश में है।

आगे बढ़ने से पहले एक प्रश्न -- क्या आपने कभी देखा या सुना कि किसी राजनीतिक दल, तथाकथित सांस्कृतिक, धार्मिक अथवा सामाजिक संगठन ने पाखंडी, अंधविश्वासों के खिलाफ कोई आंदोलन किया हो या सशक्त आवाज उठाई हो? मुझे तो याद नहीं पड़ता आप जानो तो बताना।

अंधविश्वासों, पाखंडों के विरुद्ध आवाज उठाने लड़ाई लड़ने के कारण, पिछले बीसेक वर्षों में कई नामचीन लोगों को बंदूक की गोलियों का शिकार बनाकर मौत के घाट उतारा गया है। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र के सबसे प्रमुख अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ता थे डॉ. नरेंद्र दाभोलकर, पेशे से डॉक्टर थे। 1989 में महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की स्थापना की। ढोंगी बाबाओं तथा काला जादू के खिलाफ कानून बनाने के लिए लंबा संघर्ष करने के कारण, 20 अगस्त 2013 को पुणे में दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। दाभोलकर की हत्या के महज चार दिन बाद ही महाराष्ट्र सरकार ने अंधविश्वास और काला जादू विरोधी अध्यादेश को मंजूरी दी।

क्या यह काम पहले नहीं किया जा सकता था? महाराष्ट्र ऐसा कानून लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया।

कम्युनिस्ट नेता, विचारक, लेखक गोविंद पानसरे सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ मुखर थे। उन्होंने अंधविश्वास विरोधी आंदोलनों का समर्थन किया। कई सामाजिक सुधार अभियानों का नेतृत्व किया। 16 फरवरी 2015 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में उन पर गोलियां चलाई गईं, जिसके बाद 20 फरवरी 2015 को उनका निधन हो गया।

कन्नड़ भाषा के विद्वान, हम्पी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति रहे प्रो कुलबर्गी ने मूर्ति पूजा, धार्मिक रूढ़िवाद और अंधविश्वासों की खुलकर आलोचना की थी। 30 अगस्त 2015 को कर्नाटक के धारवाड़ में उनके आवास पर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। लंकेश पत्रिके की संपादक गौरी लंकेश जो एक निर्भीक पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता थीं ने कट्टरपंथ, सांप्रदायिकता और अंधविश्वासों पर तीखे प्रहार करती थीं। 5 सितंबर 2017 को बेंगलुरु में उनके घर के बाहर हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

विचारणीय बात यह है कि ऐसे नामचीन लोगों की हत्या करना किसी गली के सिरफिरे व्यक्ति की सनक का परिणाम है या फिर कोई छुपी हुई संगठित शक्ति या संगठन इनके पीछे रहे है?

ऐसा भी नहीं कि अंधविश्वास पाखंड केवल भारत में ही है। दुनिया के प्रत्येक देश में अलग-अलग प्रकार के अंधविश्वास-पाखंड है।

भारत के कुछ अंधविश्वास::-भारत में बिल्ली का रास्ता काटना, शाम को झाड़ू लगाना, मुंह से नाखून काटना अशुभ माना जाता है। नींबू-मिर्च से नजर उतारना एक सामान्य अंधविश्वास है। कौवे का घर पर कांव-कांव करना - मेहमान आने का संकेत माना जाता है।

व्यस्त रास्तों पर सुबह के समय, हम सब ने, रात्रि के किसी शुभ मूहर्त में (जैसा यह टोटका बताने वाला विद्वान! बताता है) रखे मिट्टी के बर्तन उस पर कुछ चित्रकारी, उसके पास रखी विविध प्रकार की भोजन सामग्री जरूर देखी होगी। यह अंधविश्वास का नमूना है। स्याना ओझा आपको टोटका करने का समय बताता है, किस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किस प्रकार की, कितनी भोजन सामग्री रखनी है यह भी वह स्याना ही बताता है। यदि उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती तो बताने वाला आप से पूछताछ कर, आप द्वारा अपनाई विधि में कोई न कोई कमी बता देगा जिसके कारण उद्देश्य प्राप्त नहीं हुआ होगा अर्थात यदि कुछ ठीक हो जाए तो सयाने की वाह वाह और उद्देश्य प्राप्त न होने पर दोष भी आपका ही।

ऐसा भी नहीं कि अंधविश्वास पाखंड केवल भारत में ही है। दुनिया के प्रत्येक देश में अलग-अलग प्रकार के अंधविश्वास-पाखंड है। कुछ ज्योतिषियों द्वारा भी दुख-दर्द निवारण के लिए हास्यास्पद टोटके टीवी पर बैठकर या अपने कार्यालयों में बैठकर सुझाए जाते है।

कुछ ज्योतिषियों द्वारा भी दुख दर्द निवारण के लिए हास्यास्पद टोटके टीवी पर बैठकर या अपने कार्यालयों में बैठकर सुझाए जाते है।

आपने अक्सर मंदिरों में आटे के दीये जलते हुए देखे होंगे लेकिन ऐसा क्यों, किन अंधविश्वासों के कारण किया जाता है? अंधविश्वास है कि कर्ज से मुक्ति, शीघ्र विवाह, नौकरी, बीमारी, संतान प्राप्ति, खुद का घर, गृह कलह, पति-पत्नी में विवाद, जमीन जायदाद, कोर्ट कचहरी में विजय, झूठे मुकदमे तथा घोर आर्थिक संकट के निवारण हेतु आटे के दीप संकल्प के अनुसार जलाए जाते हैं।

हल्दी मिले के आटे का दीपक जलाना ओर अधिक शुभ माना जाता है। इतना ही नहीं, सप्ताह के अलग अलग दिनों के लिए अलग अलग प्रकार से आटे के दीप जलाने का भी अंधविश्वास है। जैसे शुक्रवार को आटे में घी हल्दी मिलाकर गूंथने से शुक्र ग्रह मजबूत होता है।इस से प्रेम, सौंदर्य और धन की प्राप्ति होती हैं। पीपल के नीचे 40 दिन तक, दीपक में सरसों डालकर जलाने से आकस्मिक धन लाभ होता है। व्यापार और नौकरी में तरक्की के लिए सरसों तेल को एक कांच की शीशी में डालकर उसे नदी में प्रवाहित करें। रविवार को आटे में गुड़, घी मिलाकर गूंथना से कुंडली में कमजोर सूर्य मजबूत होता है। इस से स्वास्थ्य, धन, व्यापार और नौकरी में चमत्कारी लाभ होता है।

शनि, राहु, केतु ग्रह को मजबूत और शांत करने के लिए शनिवार को आटा गूंथते समय पिसे हुए उर्द का आटा, चंदन का पाउडर, अश्वगंधा का पाउडर और सरसों का तेल मिलाने से जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। शनिवार के दिन हल्दी, कोई पीली वस्तु का दान करना नुकसानदेह हो सकता है। शनिवार के दिन सौभाग्य के लिए कौवों या आवारा जानवरों को खाना खिलाएँ। पौराणिक कथाओं में कौओं को शनि का वाहन माना जाता है। भंडारे में नमक का दान करना एक शुभ कार्य माना जाता है, जिससे पुण्य प्राप्ति होती है और आर्थिक समस्याओं का नाश होता है।

अंधविश्वास पाखंड बहुत सी बार कुछ महिलाओं को डायन बता देता है। बिहार, झारखंड, राजस्थान में आज भी विधवा, अकेली औरत को डायन बताकर पीटा, जलाया, निर्वस्त्र किया जाता है।

अगर इन अंधविश्वास को मानकर हर व्यक्ति यह करने लग जाए तो हर व्यक्ति के दुख दर्द कभी के मिट गए होते। देश कभी का दुनिया का सबसे खुशहाल मुल्क बन जाता।

डर दिखाकर पूजा, चढ़ावा, विशेष प्रकार की अंगूठी खरीदने की सलाह देना, भभूत के नाम पर गरीब की जीवन की कमाई हड़पना आम है। जादू टोना,भूतप्रेत के चक्कर में इलाज में देरी से पेचीदगियां आ जाती है। लोगों को कर्म की जगह भाग्य, कुंडली, शनि के भरोसे बैठाने से समाज कामजोर बनता है। पाखंड अंधविश्वास फैलाने वाले जाति को भगवान का बनाया बता कर ऊंच-नीच, छुआछूत को धर्म से जोड़कर, बराबरी के संविधानी हक को खत्म करते है। बहू पर भूत है, बेटी पर दोष है कहकर घर में शक और लड़ाई पैदा करता है। दोष काटने के लिए अकेले में पूजा करनी पड़ेगी कहकर महिलाओं और बच्चियों का शोषण। कुछ पाखंडी भभूत, प्रसाद में नशा मिलाकर लोगों को आदी बनाते है।

पाखंडी संविधान के अनुच्छेद 51ए(एच) के खिलाफ जाकर समाज को कहता है - सवाल मत पूछो, बस मानो। डरो और मानो जबकि संविधान कहता है - सोचो, पूछो, वैज्ञानिक, मानवतावादी बनो। भारत में अंधविश्वास तो एक धंधा बन चुका है। डर का धंधा। पहले डर दिखाओ जैसे तेरे पर देवी/देवता की छाया है, पितर नाराज है। भोपा, उपाय बताएगा जैसे 5000 रूपये का खर्चा आएगा? बकरा कटेगा, ताबीज ले लो, गंगा नहाओ। अगर इन बातों से डर गए तो जेब खाली।

कुछ अन्य देशों के अंधविश्वास::--

जापान में माना जाता है कि रात को सीटी बजाने से चोर आते हैं। कंघी को रात में इस्तेमाल करने से भूत आते हैं। नंबर 4 अशुभ है क्योंकि इसका उच्चारण मौत जैसा है। चीन में नंबर 8 बहुत शुभ, नंबर 4 अशुभ माने जाते है।

झाड़ू को गलत जगह रखना गरीबी लाता है, ऐसा माना जाता है। अमेरिका / यूरोप में नंबर 13 अशुभ माना जाता है जिसके कारण कई बिल्डिंगस में 13वीं मंजिल ही नहीं होती। काली बिल्ली, सीढ़ी के नीचे से निकलना अशुभ माना जाता है। बुरी नजर से बचने के लिए लकड़ी को छुआ जाता है। शीशा टूटना 7 साल की बदकिस्मती से जुड़ा है रूस में खाली बाल्टी लेकर किसी को देखना अशुभ माना जाता है। घर में सीटी बजाने से पैसे चले जाते हैं और नमक गिरना झगड़े के संकेत से जोड़ा जाता है। तुर्क / मध्य पूर्व में माना जाता है कि नीली आंख बुरी नजर से बचाती है। जूते उल्टे पड़े हों तो अशुभ है। लैटिन अमेरिका - ब्राजील, मेक्सिको में मान्यता है कि पर्स जमीन पर रखने से पैसा चला जाता है। रात को झाड़ू पैर से छूने से शादी नहीं होती। इटली में बिस्तर पर टोपी रखना अशुभ, जैतून का तेल गिरना बुरा शगुन माना जाता है। यह सारी सूचनाएं सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है।

मतलब - डर और उम्मीद हर जगह एक जैसी है, बस कहानियाँ अलग-अलग हैं।

अंधविश्वास को भगाना है तो सवाल पूछो। "किसने कहा? क्या किसी प्रमाणिक किताब में है यह बात? इसका कोई सबूत है या सिर्फ कहानी है? क्या इस से अंधविश्वास फैलाने वाले को वित्तीय लाभ है।"

पाखंड कहता है - डरो, मानो, दान दक्षिणा दो। संविधान कहता है - वैज्ञानिक तरीके से सोचो, पूछो, मानवतावादी बनो। अंधविश्वास फैलाने वालों को जनता के सामने उजागर करो।

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह, पूर्व आई ए एस

जयपुर की मूर्तिकला : पत्थरों में प्राण फूंकती छैनी-हथौड़ी की शिल्प साधना

जैपुर-तीन सदियों का गुलाबी सफ़र....



डॉ. गोरधन लाल शर्मा

सिलावटों के मोहल्ले से दुनिया तक पहुंची गुलाबी नगरी की शिल्पकला, पांच हजार से अधिक कारीगरों के हुनर में आज भी जीवंत है सदियों पुरानी परंपरा

किसी मंदिर में स्थापित देव प्रतिमा के सामने श्रद्धालु शीश नवाते हैं तो किसी महापुरुष की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। लेकिन उस कलाकार की साधना को कितनी बार याद किया जाता है, जिसने एक निर्जीव पत्थर को ऐसा सजीव स्वरूप दिया कि वह सदियों तक आस्था, श्रद्धा और प्रेरणा का केंद्र बन गया। दरअसल, पत्थर में देवत्व और भावों की अभिव्यक्ति स्वयं नहीं उभरती। उसके पीछे शिल्पकार की कल्पना, साधना, धैर्य और छैनी-हथौड़ी की अनगिनत चोटों का योगदान होता है। जयपुर की मूर्तिकला इसी अद्भुत सृजनशीलता की विरासत है, जहां पत्थर कलाकार के स्पर्श से अभिव्यक्ति पाने लगता है।

जयपुर के चांदपोल बाजार से सटे मूर्ति मोहल्ले की गलियों में प्रवेश करते ही इस कला की जीवंत दुनिया से साक्षात्कार होता है। भिंडों का रास्ता, खजाने वालों का रास्ता और खेजड़ों का रास्ता आज भी छैनी-हथौड़ी की खनक से गूंजते हैं। कभी सिलावटों के मोहल्ले के नाम से पहचाने जाने वाले इस क्षेत्र में घर-घर मूर्तिकला की परंपरा सांस लेती है। यहां करीब पांच हजार कलाकार, कारीगर और श्रमिक प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस व्यवसाय से जुड़े हैं। मूर्तिकार, पत्थर की घिसाई-पॉलिश करने वाले कारीगर, रंगकारी करने वाले चितेरे, पैकिंग और परिवहन से जुड़े श्रमिकों तक एक पूरी अर्थव्यवस्था इस कला के इर्द-गिर्द विकसित हुई है। यह मोहल्ला महज कारोबार का केंद्र नहीं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित होते आ रहे हुनर की खुली कार्यशाला है।

पत्थर का चयन, शिल्पकार की कल्पना और आकार लेती प्रतिमा

जयपुर की मूर्तिकला की खासियत इसकी विविधता और निर्माण की पारंपरिक तकनीक में छिपी है। प्रतिमा गढ़ने की शुरुआत पत्थर के चयन से होती है। मकराना का सफेद संगमरमर अपनी गुणवत्ता और चमक के लिए विशेष स्थान रखता है। भैंसलाना का काला पत्थर और जैसलमेर का पीला पत्थर भी मूर्तिकारों की पसंद में शामिल हैं। विशेष रूप से जैन प्रतिमाओं के निर्माण में पीले पत्थर का उपयोग किया जाता रहा है। हिण्डौन और दौसा क्षेत्र का घीया पत्थर प्रारंभिक प्रतिरूप बनाने के काम आता है, जबकि पहले झिरी और रायले के पत्थर का भी मूर्तियों तथा भवन निर्माण में उपयोग होता था।

मूर्ति निर्माण केवल छैनी-हथौड़ी चलाने तक सीमित नहीं है। सबसे पहले मिट्टी, पत्थर अथवा प्लास्टर से प्रतिमा का प्रारंभिक मॉडल तैयार किया जाता है। डिजाइन स्वीकृत होने के बाद उसी के अनुरूप चुने हुए पत्थर को काटकर आकार दिया जाता है। फिर शिल्पकार उस पर रेखांकन कर बारीकी से आकृति उभारता है। इस पूरी प्रक्रिया में अनुभव और एकाग्रता की बड़ी परीक्षा होती है, क्योंकि पत्थर से एक बार निकला हुआ हिस्सा दोबारा नहीं जोड़ा जा सकता। छोटी-सी चूक महीनों की मेहनत पर पानी फेर सकती है।

तराशी गई प्रतिमा इसके बाद पॉलिश के लिए पहुंचती है। अनुभवी कारीगर घिसाई करके उसकी सतह को चिकना और चमकदार बनाते हैं। फिर चितेरे रंगों और अलंकरण के जरिए चेहरे के भाव, वस्त्र, मुकुट और आभूषणों को आकर्षक स्वरूप देते हैं। इस तरह खदान से निकला पत्थर कई कुशल हाथों से गुजरते हुए कलाकृति में बदल जाता है।

मूर्तियों की विविधता और पारंपरिक शिल्प शब्दावली

मूर्ति मोहल्ले में प्रतिमाओं की दुनिया भी कम रोचक नहीं है। यहां छोटे आकार की प्रतिमाओं से लेकर विशाल और आदमकद मूर्तियों तक का निर्माण होता है। चुटकुले, पांच खण्डे, चपटे, ग्याराना और चौदाना जैसे पारंपरिक नाम अलग-अलग आकार और माप की पहचान कराते हैं। धार्मिक प्रतिमाओं में हनुमान, महादेव, कार्तिकेय, राम जोड़ी, कृष्ण जोड़ी, गणेश, नंदी, पिण्डी और जलहरी प्रमुख हैं। आवक्ष प्रतिमाओं के साथ पूर्ण आकार की मूर्तियां भी तैयार की जाती हैं। कुछ प्रतिमाओं में नाजुक और बाहर निकले अंगों को सुरक्षित रखने के लिए पीछे पत्थर का सहारा छोड़ा जाता है, जिन्हें बादरेदार मूर्तियां कहा जाता है। इनकी कीमत पत्थर की गुणवत्ता, आकार, डिजाइन की जटिलता और शिल्पकार के कौशल के आधार पर तय होती है। एक ही तरह के पत्थर से बनी दो प्रतिमाओं के मूल्य में भी बड़ा अंतर हो सकता है, क्योंकि कलाकृति का वास्तविक मूल्य उसे गढ़ने वाले कलाकार की कल्पना और दक्षता से निर्धारित होता है।

आमेर की विरासत से संस्थागत पहचान तक

जयपुर की मूर्तिकला परंपरा की जड़ें आमेर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैभव से जुड़ी मानी जाती हैं। जयपुर की स्थापना के बाद इस कला को नया परिवेश और विस्तार मिला। महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय (1835-1880) के शासनकाल में कला एवं शिल्प को संस्थागत प्रोत्साहन मिला। वर्ष 1866 में महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स की स्थापना की गई, जिसे प्रारंभ में मदरसे हुनरी कहा जाता था। आगे चलकर यही संस्थान राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स के नाम से पहचाना गया। इस पहल ने पारंपरिक शिल्प को प्रशिक्षण और नई तकनीकों से जोड़ने का अवसर दिया।

जयपुर की मूर्तिकला को प्रतिष्ठा दिलाने वाले कलाकारों में उस्ताद मालीराम का नाम विशेष आदर से लिया जाता है। उनकी कला-साधना इतनी गहरी थी कि वे सुबह चार बजे से दोपहर बारह बजे तक लगातार काम करते थे। मीठे तेल के दीये की रोशनी में भी उनका सृजन जारी रहता था। उनके लिए मूर्तिकला महज पेशा नहीं, जीवन का ध्येय थी। बाद के दौर में गोपीचंद मिश्रा, नारायणलाल जैमिनी, लल्लू नारायण शर्मा और सोहनलाल अत्री जैसे कलाकारों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। मुकुटबिहारी नाठा, कमलप्रसाद मिश्र, पुरुषोत्तम शर्मा, देवेन्द्र मिश्र, जवाहर मिश्र और छगनलाल जैसे कलाकारों ने पारंपरिक शिल्प के साथ नए प्रयोगों को भी स्थान दिया। श्रीमती उषारानी हूजा ने आधुनिक और विदेशी कला प्रभावों के समन्वय से मूर्तिकला को नई अभिव्यक्ति दी। जयपुर पुलिस मेमोरियल का शहीद स्मारक उनकी कलात्मक दृष्टि का उल्लेखनीय उदाहरण है। वहीं महेन्द्र कुमार दास, जिन्हें दास बाबू के नाम से जाना जाता है, ने स्टैच्यू सर्किल पर स्थापित सवाई जयसिंह की लगभग बारह फुट ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया। स्वर्गीय टी.पी. मित्रा ने गुरु के रूप में अनेक कलाकारों को प्रशिक्षित किया। आनन्दीलाल वर्मा, अय्याज मुहम्मद और सत्यनारायण जैसे शिल्पकारों ने यथार्थवादी आवक्ष प्रतिमाओं को नई पहचान दी।

चितेरों की कलम से निखरता है सौंदर्य

मूर्ति निर्माण की यात्रा में चितेरों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शिल्पकार पत्थर को आकार देता है तो चितेरा उसमें रंगों के माध्यम से भाव और आकर्षण भरता है। चेहरे की दिव्यता, वस्त्रों की बारीकियां, मुकुट की सजावट और आभूषणों की चमक उनकी दक्षता से उभरती है। उनकी रंगकारी में राजस्थानी लघुचित्र शैली की बारीकी और सौंदर्यबोध की झलक दिखाई देती है।

इस क्षेत्र में स्वर्गीय बाबूलाल का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने चांदी के वर्क को विशेष तकनीक से सोने जैसा रूप देने की कला विकसित की। मुकुट और आभूषणों पर चांदी का वर्क लगाकर उस पर पीले रंग की परत चढ़ाई जाती थी, जिससे वह सोने जैसी चमक देने लगता था। हरीजी, दामोदरजी, मास्टर जगन्नाथ, बद्रीजी, मोहन शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, महेन्द्र शर्मा लखपति, कैलाश शर्मा और दामोदर शर्मा जैसे चितेरों ने भी इस परंपरा को समृद्ध किया।

मोहल्ले से अंतरराष्ट्रीय पहचान तक

समय के साथ जयपुर की मूर्तिकला स्थानीय गलियों से निकलकर देश-विदेश के बाजारों तक पहुंची है। शहर के कई प्रतिष्ठानों ने इस विरासत को व्यावसायिक विस्तार दिया है। नाठा मूर्ति म्यूजियम का नाम इस क्षेत्र में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसे करीब सवा सौ वर्ष पुराना प्रतिष्ठान बताया जाता है। मकराना और भैंसलाना में इसकी खदानें भी रही हैं। जगदीश पांडे और मनोहर पांडे के शो-रूम भी अपनी कलात्मक प्रतिमाओं और प्रस्तुति के लिए पहचाने जाते हैं।

आज इस व्यवसाय से हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी है। पत्थर खदानों से निकालने वाले श्रमिकों से लेकर मूर्तिकार, पॉलिश करने वाले कारीगर, चितेरे, व्यापारी और परिवहनकर्मी तक इसकी पूरी शृंखला का हिस्सा हैं। हालांकि इस आकर्षक कला संसार के पीछे कठिन श्रम, सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों की कहानी भी छिपी है।

बदलते समय के साथ जयपुर की मूर्तिकला में भी उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। चेहरे की बनावट, शारीरिक संरचना, वस्त्रों और आभूषणों की बारीकियों में निरंतर परिष्कार हुआ है। आधुनिक शिल्प तकनीकों और पाश्चात्य कला प्रभावों ने कलाकारों को नई अभिव्यक्तियां दी हैं, लेकिन भारतीय संस्कृति और पारंपरिक सौंदर्यबोध इसकी मूल पहचान बने हुए हैं। यही कारण है कि जयपुर में तैयार प्रतिमाएं देश के मंदिरों, धार्मिक स्थलों, संस्थानों और निजी संग्रहों तक पहुंच रही हैं।

पत्थरों में धड़कती जयपुर की सांस्कृतिक आत्मा

खजुराहो, एलोरा और बाडोली जैसे ऐतिहासिक शिल्प केंद्रों ने भारतीय मूर्तिकला को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई है। जयपुर के शिल्पकार उसी समृद्ध परंपरा की आधुनिक कड़ी बनकर अपनी कला से सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी रचनाओं में केवल पत्थर की बनावट नहीं, बल्कि आस्था, कल्पना, सौंदर्य और पीढ़ियों के अनुभव समाहित हैं। जयपुर के 299वें स्थापना दिवस पर मूर्तिकला की इस विरासत को याद करना उन अनगिनत कलाकारों और कारीगरों के योगदान को सम्मान देना है, जिनके नाम भले ही इतिहास के पन्नों में दर्ज न हों, लेकिन जिनकी छैनी-हथौड़ी की साधना ने शहर को विशिष्ट पहचान दी है। जब किसी मंदिर में श्रद्धालु देव प्रतिमा के सामने सिर झुकाता है, तब अनजाने में उसकी श्रद्धा उस शिल्पकार की तपस्या तक भी पहुंचती है, जिसने पत्थर को ऐसा स्वरूप दिया।

जयपुर की मूर्तिकला का वास्तविक वैभव है-यहां पत्थरों को सिर्फ तराशा नहीं जाता, बल्कि उनमें भारतीय संस्कृति, आस्था और कलाकार की आत्मा को आकार दिया जाता है।

-डॉ. गोरधन लाल शर्मा,
समाजशास्त्री एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी

राजस्थानी भाषा की अनदेखी क्यों कर रहा है शासन?

विश्वविद्यालयों में राजस्थानी के स्थायी विभाग स्थापित करने की मांग पर सरकार की चुप्पी समझ से परे



डॉ. राजेन्द्र जोशी

लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने और अपनी मांग सरकार तक पहुंचाने का अधिकार है। शासन का दायित्व है कि वह लोक की आवाज सुने, जनभावनाओं को समझे और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करे। लेकिन जब जनता की कोई मांग वर्षों तक दोहराई जाती रहे और सरकार की ओर से कोई ठोस पहल दिखाई न दे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शासन ने सुनना बंद कर दिया है या उसके कानों तक लोक की आवाज पहुंच ही नहीं रही है?

राजस्थान में राजस्थानी भाषा को लेकर यही स्थिति दिखाई दे रही है। राजस्थानी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग लंबे समय से लंबित है। प्रदेश की दूसरी राजभाषा बनाने की मांग पर भी सरकार की ओर से कोई ठोस पहल दिखाई नहीं देती। यह केवल भाषा को मान्यता देने का सवाल नहीं है, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और भावी पीढ़ियों के भाषाई अधिकारों से जुड़ा विषय है।

भाषा किसी भी समाज की आत्मा होती है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि वह अपने साथ इतिहास, परंपराएं, लोकविश्वास, जीवन दर्शन, लोकगीत, लोककथाएं और सामाजिक अनुभवों की पूरी विरासत लेकर चलती है। किसी समाज की संस्कृति को समझना हो तो उसकी भाषा को समझना आवश्यक है। इसलिए किसी भाषा का संरक्षण और विकास केवल साहित्यकारों या भाषाविदों की जिम्मेदारी नहीं है, यह सरकार और समाज दोनों का दायित्व है।

इसके बावजूद प्रदेश में राजस्थानी को वह शैक्षणिक और संस्थागत स्थान नहीं मिल पाया है जिसकी वह वास्तविक रूप से अधिकारी है।

एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि सरकार फिलहाल आठवीं अनुसूची में शामिल करने अथवा राजभाषा बनाने के विषय में निर्णय नहीं कर पा रही है तो क्या राजस्थानी भाषा के अध्ययन-अध्यापन और शोध के लिए भी कोई बाधा है? क्या विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थायी विभाग स्थापित करने के लिए भी किसी संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता है? इसका उत्तर स्पष्ट है कि विश्वविद्यालयों में विभाग स्थापित करना राज्य सरकार और संबंधित विश्वविद्यालयों के नीतिगत निर्णयों से जुड़ा विषय है। इसके लिए इच्छाशक्ति और प्राथमिकता की आवश्यकता है, न कि किसी असंभव प्रक्रिया की।

राजस्थान की जनता की एक महत्वपूर्ण और तार्किक मांग है कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थायी विभाग स्थापित किए जाएं। विशेष रूप से संभागीय स्तर पर स्थापित विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के विभाग अनिवार्य रूप से होने चाहिए। यह समझना आवश्यक है कि विश्वविद्यालय केवल भवन, कक्षाओं और प्रशासनिक कार्यालयों का नाम नहीं है। विश्वविद्यालय ज्ञान के सृजन, शोध, विमर्श और समाज की बौद्धिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाली संस्थाएं हैं। यदि राजस्थान के विश्वविद्यालय अपनी ही प्रदेश की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर गंभीर अध्ययन एवं शोध की व्यवस्था नहीं कर पाते तो उनकी शैक्षिणक भूमिका पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

राजस्थानी भाषा के स्थायी विभाग स्थापित होने से अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। सबसे पहले राजस्थानी भाषा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध स्तर पर अध्ययन की व्यवस्थित सुविधा मिलेगी। भाषा और साहित्य के अध्येताओं को शोध के लिए संस्थागत आधार मिलेगा। लोक साहित्य, लोक संगीत, लोक नाट्यय, इतिहास, पुरातत्व, लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं पर गंभीर शोध कार्य हो सकेंगे। राजस्थानी की विभिन्न बोलियों, शब्द संपदा और व्याकरण पर अकादमिक अध्ययन को प्रोत्साहन मिलेगा। स्थायी विभागों के माध्यम से राजस्थानी के लिए योग्य शिक्षकों और शोधकर्ताओं की नई पीढ़ी तैयार होगी। विश्वविद्यालयों में शोध पत्रिकाएं प्रकाशित होंगी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित होंगी तथा दूसरी भाषाओं के साथ अनुवाद और तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाएं विकसित होंगी। इससे राजस्थानी साहित्य को व्यापक अकादमिक पहचान मिलेगी। यह कार्य केवल भाषा के विकास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजस्थान की लोक संस्कृति को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक तथा वैश्विक संचार के नए माध्यम विकसित हो रहे हैं, तब मातृभाषाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। डिजिटल दुनिया में वही भाषा आगे बढ़ेगी जिसके पास व्यवस्थित शब्दकोश, व्याकरण, साहित्यिक सामग्री, शोध सामग्री और शैक्षणिक संस्थानों का मजबूत आधार होगा। राजस्थानी को तकनीक से जोड़ने, डिजिटल शब्दकोश तैयार करने, लोक साहित्य का डिजिटलीकरण करने और नई पीढ़ी के लिए अध्ययन सामग्री विकसित करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों के स्थायी विभाग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यह भी विचारणीय है कि राजस्थान में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना हो रही है। उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए सरकार नए संस्थान खोल रही है, नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं और विभिन्न विषयों में अध्ययन के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। लेकिन इसी प्रक्रिया में राजस्थानी भाषा को प्राथमिकता क्यों नहीं मिल रही? क्या अपने प्रदेश की भाषा में अध्ययन और शोध करना आधुनिक शिक्षा के उद्देश्यों के विपरीत है? क्या राजस्थानी को विश्वविद्यालयों में स्थान देने से उच्च शिक्षा का स्तर कम हो जाएगा? निश्चित रूप से ऐसा नहीं है। बल्कि अपनी भाषा को ज्ञान और शोध की मुख्यधारा में शामिल करना किसी भी प्रदेश की शैक्षणिक परिपक्वता का प्रमाण है।

सरकार को यह भी समझना होगा कि राजस्थानी भाषा की मांग किसी एक संगठन, संस्था अथवा व्यक्ति की मांग नहीं है। यह प्रदेश के करोड़ों लोगों की भावनाओं और सांस्कृतिक अस्मिता से जुड़ा विषय है। साहित्यकार, शिक्षाविद, भाषाविद, विद्यार्थी और सामाजिक संगठन लंबे समय से इस दिशा में आवाज उठा रहे हैं। जब एक मांग लगातार उठ रही है तो सरकार का दायित्व बनता है कि वह उस पर संवाद करे, विशेषज्ञों की राय ले और समयबद्ध निर्णय की दिशा में आगे बढ़े।

लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना विरोध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार और जनभागीदारी का हिस्सा है। भाषा के प्रश्न पर सरकार से जवाब मांगना भी इसी अधिकार का उपयोग है। राजस्थानी के प्रति शासन की उदासीनता को लेकर समाज में जो बेचैनी है, उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। क्या कोई नीतिगत समस्या है, वित्तीय कठिनाई है अथवा इस विषय को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल ही नहीं किया गया है?

अब समय आ गया है कि सरकार केवल आश्वासनों और औपचारिक वक्तव्यों से आगे बढ़े। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा के स्थायी विभाग स्थापित करने की नीति बनाई जाए।

आखिर यह सवाल बार-बार क्यों उठाना पड़ रहा है कि शासन राजस्थानी भाषा की बात क्यों नहीं सुन रहा? क्या तंत्र सोया हुआ है? क्या उसे राजस्थानी भाषा से परहेज है? या फिर प्रदेश की अपनी भाषा को शैक्षणिक पहचान देने की आवश्यकता ही महसूस नहीं की जा रही है?

सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हो सकती हैं, लेकिन भाषा और संस्कृति को प्राथमिकताओं की सूची से बाहर नहीं रखा जा सकता। राजस्थानी को संवैधानिक मान्यता मिलने की प्रतीक्षा जारी रह सकती है, लेकिन उसके शैक्षणिक विकास को तब तक क्यों रोका जाए? विश्वविद्यालयों में स्थायी विभाग स्थापित करना एक ऐसा ठोस कदम है, जिसकी शुरुआत आज ही की जा सकती है।

राजस्थान की भाषा को राजस्थान के विश्वविद्यालयों में सम्मानजनक स्थान मिलना ही चाहिए। आखिर जिस भाषा ने इस प्रदेश की संस्कृति, लोकजीवन और पहचान को सदियों से जीवित रखा है, उसे अपने ही प्रदेश में शिक्षा और शोध के लिए संस्थागत स्थान पाने की प्रतीक्षा क्यों करनी पड़े? लोकतंत्र में लोक की आवाज सुनी जानी चाहिए और राजस्थानी की आवाज अब अनसुनी नहीं रहनी चाहिए।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार,
**

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 110 प्रभात जयपुर, शनिवार 21 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



The Sound At Dusk

Then, the lights began to come on in the houses. I counted them. It did not take long

How Many Bananas Are in Your Silk Saree?

When Lord Shiva Became a Wandering Beggar

कांग्रेस काफी समय बाद आल्हादित सी दिख रही है राजस्थान में

पंचायत समिति के घोषित 384 नतीजों में कांग्रेस 289 बोर्ड बनाने की तैयारी में है

- कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश दावा कर रहे हैं कि ये नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि राजस्थान में जनता भजनलाल के प्रशासन में विश्वास खो चुकी है।
- इन नतीजों का यह भी मतलब निकाला जा रहा है कि अब राजस्थान में कांग्रेस में डोटासरा व जूली की स्थिति मजबूत हुई है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। राजस्थान कांग्रेस खुश है।

काफी लंबे समय के बाद पार्टी के चेहरे पर मुस्कान लौटी है, क्योंकि उसने राज्य में पंचायत राज चुनावों में भाजपा को हरा दिया है।

कुल 419 पंचायत समितियों में से अब तक 384 के नतीजे घोषित हो चुके हैं।

कांग्रेस 289 पंचायत समितियों में बोर्ड बनाने जा रही है, जबकि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा केवल 85 पंचायत समितियों में ही बोर्ड बना पाएगी।

कांग्रेस को 205 पंचायत समितियों में स्पष्ट बहुमत और 84 समितियों में बहुमत हासिल हुआ है।

दूसरी ओर, भाजपा को केवल 50 पंचायत समितियों में पूर्ण बहुमत मिला है और 35 में बहुमत हासिल हुआ है।

अब तक 10 पंचायत समितियों में दोनों दल बराबरी पर हैं। कांग्रेस को उम्मीद है कि वह इन समितियों में भी जीत हासिल कर लेगी।

राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी पूरे दो साल बाकी हैं, लेकिन कांग्रेस में जश्न का माहौल है। जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा है कि राजस्थान की जनता का भजनलाल सरकार के शासन से भरोसा उठ गया है।

कांग्रेस दावा कर रही है कि "भजनलाल अपनी पार्टी, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को साथ लेकर चलने में असफल रहे हैं। उनके शासन के तरीके में कई बड़ी कमियां और खामियां हैं।

कांग्रेस भी पूरी तरह एकजुट नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच गंभीर मतभेद और अंदरूनी खींचतान है, लेकिन चुनाव के आंकड़े खुद अपनी कहानी बयां कर रहे हैं।

जयराम रमेश के अनुसार, भाजपा-आरएसएस के "नॉन गवर्नेंस" वाले मॉडल से मतदाता बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, और अब वे कांग्रेस पर भरोसा जता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी राजस्थान में मिली जीत के संदर्भ में ट्वीट किया है कि हर जगह मतदाताओं का भाजपा से भरोसा उठता जा रहा है।

कांग्रेस के भीतर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा और विधायक दल के नेता जूली की जोड़ी पहले से अधिक मजबूत होती दिखाई दे रही है। इसका मतलब यह है कि राज्य कांग्रेस नेतृत्व के बाकी नेताओं को इन घटनाक्रमों से बड़ा झटका लग सकता है।

हाई कोर्ट ने विवादित उत्तर कुंजी पर जवाब मांगा

जयपुर, 20 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 3951 पदों के लिए आयोजित बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती-2026 की विवादित उत्तर कुंजी को लेकर शिक्षा विभाग और कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने ये आदेश रोचक भट्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- कर्मचारी चयन बोर्ड की बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक भर्ती में गलत उत्तर का मामला।

याचिका में अधिवक्ता राम प्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि भर्ती के दोनों प्रश्न पत्रों की उत्तर कुंजी में कुछ विवादित प्रश्नों के गलत उत्तर दिए गए हैं। इससे अभ्यर्थियों को नुकसान हो रहा है और कई अभ्यर्थी न्यूनतम उत्तीर्णांक हासिल करने से वंचित हो रहे हैं। याचिका में गुहार की गई है कि विवादित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनकपुर-अयोध्या ट्रेन से भारत-नेपाल की रेल डिप्लोमैसी मजबूत होगी

राम और सीता के जन्म स्थलों को जोड़ने वाली इस पैसेंजर ट्रेन को मोदी व बालेन्द्र शाह मिलकर फ्लैग ऑफ करेंगे

- चीन, तिब्बत और अरूणाचल प्रदेश की सीमा के पास अपना रेल नेटवर्क तेजी से बढ़ा रहा है। ल्हासा-न्यिंगची लाइन 2021 में शुरु हो गई थी तथा शिनजियांग-तिब्बल रेल कॉरीडोर 2030 में पूरा हो जाएगा।
- भारत और बाँग्लादेश के बीच मालगाड़ी सेवाएं तो चालू हैं, पर पहले चलने वाली यात्री सेवाएं 2024 से बंद पड़ी हैं। भूटान और म्यांमार सीमाओं पर भारत के रेल नेटवर्क पर प्रगति धीमी है।

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। सीमा पार रेल सेवाओं के विस्तार में हाल ही में आई रुकावटों के बाद, भारत की रेल कूटनीति को सोमवार को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस दिन भारत और नेपाल के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा बालेन्द्र शाह नेपाल के जनकपुर से भारत के अयोध्या शहर तक 604 किलोमीटर लंबे मार्ग पर चलने वाली 18 डिब्बों की साप्ताहिक यात्री ट्रेन को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। गौरतलब है कि जनकपुर और अयोध्या क्रमशः हिंदू देवी सीता और भगवान राम की जन्मस्थली हैं।

यह कार्यक्रम नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की 22 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली के "मृत मतदाताओं" को वापस जोड़ने के लिए चुनाव आयोग ने नियम बदले

बीएलओ को घर-घर जाकर पुष्टि करनी होगी कि मृत घोषित मतदाता जीवित तो नहीं हैं

- चुनाव आयोग इन मतदाताओं की वोटर आईडी डिलीट कर चुका है। बिना आईडी नम्बर के बीएलओ का काम बहुत पेचीदा हो गया है।
- पहले पता बदलने वाले मतदाताओं को फॉर्म 8 भरना होता था। अब आयोग ने कहा है कि "शिफ्टेड" मतदाता "एन्यूमरेशन फॉर्म" भरें और एनैक्सचर में पुराना व नया पता लिखें। पर वर्तमान नियमों में एनैक्सचर का प्रावधान नहीं है।
- दिल्ली के डिप्टी सीईओ ने चुनाव आयोग को पत्र लिख कर ईसीआईनेट, ईआरओनेट तथा बीएलओ ऐप में आवश्यक परिवर्तन करने की मांग की है, ताकि आयोग के निर्देशों की पालना हो सके।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। क्या कोई मृत व्यक्ति कभी वापस आ सकता है?

दिल्ली में इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) ने दो महीने तक घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के बाद, 2 लाख से अधिक लोगों को मृत घोषित कर दिया था। लेकिन अब अपने फैसले से पलटते हुए, आयोग ने बूथ स्तर के अधिकारियों (ब्लॉक लैवल ऑफिसर/बी.एल.ओ.) को एक बार फिर देश की राजधानी में घर-घर जाकर यह पुष्टि करने का निर्देश दिया है कि जिन 47 लाख मतदाताओं को उसने एएसडीडी (एबसैंट, शिफ्टेड, डैड एण्ड डुप्लिकेट), यानी मृत, स्थानांतरित, पलायन कर चुके या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता घोषित किया था, क्या ये वास्तव में इन श्रेणियों में आते हैं।

चुनाव आयोग यह तो स्वीकार नहीं कर रहा है कि उससे कोई गलती हुई है, लेकिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशनल इन्टैन्सिव रिविज़न/एसआईआर) में आए इस नए बदलाव से काफी अव्यवस्था पैदा हो गई है। आयोग ने उन लोगों के वोटर आईडी हटा दिए थे, जिन्हें उसने एएसडीडी घोषित किया था। इस विशिष्ट पहचान संख्या, यानी ईपीआईसी नंबर के बिना बीएलओ के लिए यह काम और भी मुश्किल हो गया है।

ऐसे में इन मतदाताओं में से किसी को भी दोबारा मतदाता सूची में शामिल करना, किसी मरे हुए व्यक्ति को वापस लाने जैसा है। उदाहरण के लिए, उन मतदाताओं को लें, जिन्हें "शिफ्टेड", यानी कहीं और चले गए के रूप में चिन्हित किया गया है। वर्षों से यदि कोई व्यक्ति अपने मतदाता पहचान पत्र पर पता बदलवाना चाहता था, तो उसे फॉर्म 8 भरना पड़ता था। चुनाव आयोग की अपनी नियमावली (मैनुअल) में यही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोटर दुर्घटना मुआवज़े पर ब्याज से टीडीएस नहीं काट सकते'

जयपुर, 20 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की फुल बेंच ने मोटर दुर्घटना की क्षतिपूर्ति राशि पर मिलने वाले ब्याज की प्रकृति को लेकर कानूनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। अदालत ने कहा कि एमएसीटी की धारा 171 के तहत दिए जाने वाले मुआवजे पर क्लेम याचिका पेश करने की तारीख से अवार्ड जारी होने की अवधि का ब्याज कर योग्य आय नहीं है। अदालत ने कहा कि यह ब्याज राशि भी क्षतिपूर्ति स्वरूप ही है। ऐसे में यह राशि कर योग्य नहीं होने के कारण बीमा कंपनी उस पर टीडीएस कटौती नहीं कर सकती है। सीजे संजय के. अग्रवाल, जस्टिस भुवन गोयल और जस्टिस समीर जैन की फुल बेंच ने यह आदेश मामले में भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट की फुल बैंच ने कहा कि ब्याज की राशि क्षतिपूर्ति का अंग है।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि भुगतान पर केवल तभी टीडीएस कटौती हो सकती है, जब दावेदार को वित्तीय वर्ष में भुगतान किए गए ऐसे ब्याज की राशि पचास हजार रुपए से अधिक हो। अदालत ने कहा कि यदि यह राशि कर योग्य नहीं है तो दावेदार रिफंड का दावा कर सकता है।

याचिका से जुड़े अधिवक्ता राहुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'योगी आदित्यनाथ की माता की मृत्यु ने उनके परिवार को फिर फोकस में ला दिया

योगी के लंबे राजनीतिक जीवन के बावजूद उनका परिवार सामान्य जीवन जीता रहा

- योगी के पिता आनंद सिंह बिष्ट, वन विभाग में कार्यरत थे तथा रेंजर के पद से रिटायर हुए। उनकी मृत्यु 2020 में कोविड काल में हुई।
- उनके तीन भाई और तीन बहनें राजनीति व सार्वजनिक जीवन से दूर रहे हैं। उनके बड़े भाई उत्तराखंड के कॉलेज में काम करते हैं तथा एक छोटा भाई सेना व दूसरा स्कूल में कार्यरत है।
- योगी के सभी परिजनों का सार्वजनिक जीवन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की हाई प्रोफाइल जीवन शैली से पूर्णतया अलग होने के कारण कई बार चर्चा में आता रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन के बाद उत्तराखंड में उनके परिवार की ओर लोगों का ध्यान गया है। योगी आदित्यनाथ के लंबे राजनीतिक जीवन के बावजूद, उनका परिवार काफी हद तक सार्वजनिक जीवन से दूर ही रहा है। शुक्रवार, 20 नवंबर को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के पंचूर गांव स्थित उनके घर पर 91 वर्षीय सावित्री देवी का निधन हो गया। उनके छोटे बेटे महेन्द्र मोहन ने इस खबर की पुष्टि की। खबरों के अनुसार, निधन से पहले उन्हें सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

उनका निधन ऐसे समय में हुआ है, जब कुछ सप्ताह पहले ही योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बीच उत्तराखंड के लोगों से जुड़ी टिप्पणियों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी हुई थी। इस घटना ने एक बार फिर इस पहाड़ी राज्य से मुख्यमंत्री के जुड़ाव और उनकी जड़ों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

योगी आदित्यनाथ ने जहां पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में अपना राजनीतिक जीवन बनाया, वहीं उनका परिवार उत्तराखंड में ही रहा और काफी हद तक चुनावी राजनीति तथा सरकारी पदों से दूर रहा।

योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक के पंचूर गांव में हुआ था। उस समय यह क्षेत्र अविभाजित उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। उनका जन्म का नाम अजय सिंह बिष्ट था।

उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत थे और फॉरेस्ट रेन्जर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी मां सावित्री देवी गृहिणी थीं।

उनका पालन-पोषण सात बच्चों के परिवार में हुआ, जिसमें चार बेटे और तीन बेटियां थीं। उनके भाई-बहनों में बड़े भाई मानवेन्द्र मोहन, छोटे भाई शैलेन्द्र मोहन और महेन्द्र मोहन तथा तीन बहनें शामिल हैं।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, वे गोरखपुर चले गए, जहां वे तत्कालीन गोरखनाथ मठ प्रमुख महंत अवैद्यनाथ के शिष्य बन गये। बाद में उन्होंने संन्यास ले लिया और अंततः अपने गुरु के उत्तराधिकारी के रूप में गोरखनाथ मठ के प्रमुख बन गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने मैडिकल कॉलेजों में भर्ती पर एसएलपी खारिज की

जयपुर, 20 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 337 पदों के लिए आयोजित भर्ती का रास्ता साफ कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले में दायर एसएलपी को खारिज कर दिया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस वीएम पंचोली की खंडपीठ ने यह आदेश अमित कुमार शर्मा व अन्य की एसएलपी पर दिए।

- राज्य सरकार ने अदालत में कहा कि भर्ती प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी होने वाली है।

विशेष अनुमति याचिका में राजस्थान हाईकोर्ट के गत 27 अक्टूबर के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने आरपीएससी की ओर से भर्ती में स्क्रीनिंग टेस्ट को 40 फीसदी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दो से कम केस लड़ने वाले नहीं कर सकेंगे हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में मतदान'

हाईकोर्ट ने आदेश दिये हैं कि चुनाव समिति की यह शर्त, कि चुनाव में वही वकील भाग ले सकेंगे जो अदालतों में नियमित रूप से पेश होते हैं, न्यायसंगत व तर्कसंगत है

- इस मामले में विवाद तब उत्पन्न हुआ जब राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर, की चुनाव समिति को कुछ लोगों ने एक तथाकथित पत्र दिया जिसमें यह वर्णित था कि एसोसिएशन की सामान्य सभा ने 4 नवम्बर को एक फैसला लिया है कि दो वकालतनामे की शर्त गलत है।
- याचिकाकर्ता वीरेन्द्र अग्रवाल की ओर से कहा गया कि "इलेक्शन ट्रिब्यूनल" के आदेश को भ्रामक तरीके से पढ़ते हुए चुनाव समिति ने अपने पुराने नोटिस को वापस ले लिया, जिसमें मतदाताओं को अदालत में पेश होने के साक्ष्य, जैसे 2 वकालतनामे या ऑर्डरशीट, पेश करने की बात कही गई थी।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 20 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश दिये है कि आगामी 'हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर' चुनाव में वही अधिवक्ता मतदान दे पायेंगे, जिन्होंने शपथ पत्र समेत दो वकालतनामे भी प्रस्तुत किये हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि मतदाता अधिवक्ता हाईकोर्ट में कार्यरत वकील हैं, ऐसे लोग नहीं है जिन्होंने वकालत की डिग्री प्राप्त की है और एसोसिएशन के सदस्य हैं, परंतु वकालत के पेशे से जुड़े नहीं है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश वीरेन्द्र अग्रवाल की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये।

अदालत ने चुनाव समिति के गत 17 नवंबर के उस नोटिस को रद्द कर दिया, जिसमें वकीलों को बिना वकालतनामे या न्यायालय में पेशी के प्रमाण के कोई साक्ष प्रस्तुत करने से छूट दी गई थी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने चुनाव समिति के गत 3 नवंबर और 4 नवंबर को जारी नोटिस बहाल कर दिए हैं, जिनमें इन्हीं शर्तो पर जोर दिया गया था कि केवल वही अधिवक्ता मतदाता सूची में जुड़ें, जिनके पास अदालत में पेश होने के साक्ष्य हों, जैसे दो वकालतनामे हों या ऐसी ऑर्डर शीट, जो यह स्पष्ट कर सके कि उक्त वकील अदालत में पेश हुए थे।

दरअसल इस मामले में विवाद तब उत्पन्न हुआ, जब राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर, की चुनाव समिति को कुछ लोगों ने एक तथाकथित पत्र दिया, जिसमें यह वर्णित था कि एसोसिएशन की सामान्य सभा ने चार नवम्बर को यह प्रस्ताव पारित किया है कि चुनाव समिति द्वारा 2 वकालतनामे दिये जाने की शर्त गलत है। याचिकाकर्ता वीरेन्द्र अग्रवाल ने अदालत को कहा कि यह तथाकथित प्रस्ताव किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा हस्ताक्षरित नहीं था।

अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान ये तथ्य भी सामने आये कि 4 नवंबर को शुरू हुए विवाद को लेकर चुनाव समिति ने मामला 'इलेक्शन ट्रिब्यूनल' के समक्ष भेजा, जिसने 17 नवंबर को जारी आदेश में कहा कि उक्त तथाकथित प्रस्ताव कानून की दृष्टि से अमान्य है, क्योंकि ऐसा प्रस्ताव बार एसोसिएशन के नियम कायदों के विरूद्ध है और सुप्रीम कोर्ट स्वयं कह चुकी है कि बार के चुनाव में केवल वही वकील भाग लें, जो अदालत में नियमित तौर पर कार्यरत हों।

याचिकाकर्ता वीरेन्द्र अग्रवाल की ओर से कहा गया कि 'इलेक्शन ट्रिब्यूनल' के आदेश को भ्रामक तरीके से पढ़ते हुए चुनाव समिति ने अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश में चीतों की संख्या 62 हुई

भोपाल, 20 नवंबर। भारत में प्रोजेक्ट चीता के तहत, अफ्रीकी देशों से लाकर बसाए गए चीतों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान से एक बार फिर खुशखबरी आई है। यहां बोत्सवाना से लाई गई मादा चीता केओएमजी-3 ने शुक्रवार को चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके बाद देश में चीतों की संख्या बढ़ कर 62 हो गई है।

- कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चार शावकों का जन्म

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर उक्त जानकारी साझा की है। उन्होंने शुक्रवार को मादा चीता का शावकों के साथ एक फोटो और वीडियो भी शेयर किया है, साथ ही इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने भी एक्स पर मादा चीता के साथ शावकों का वीडियो और फोटो शेयर किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

जिला परिषद के 31 वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित

भरतपुर (निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य पद के मतों की गणना शुक्रवार को मास्टर आदित्येन्द्र राउमावि परिसर में सम्पन्न हुई। जिला परिषद के कुल 31 वार्डों में से कांग्रेस के 21, भारतीय जनता पार्टी के 09 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 01 प्रत्याशी ने विजय प्राप्त की। जिला परिषद चुनाव मतगणना में भाजपा के अनेक दिग्गज नेता एवं उनके परिजनों को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिला प्रमुख पद की दावेदारी के लिए चुनाव लड़ने वाले भाजपा के पूर्व विधायकों एवं अन्य दिग्गजों के परिजनों को करना बड़ा पराजय का सामना। भाजपा के पूर्व विधायक बच्चू बंशीवाल, ग्यारसा राम कोली के जिला प्रमुख के दावेदार परिजन महिलाओं को मिली पराजय। आगरा यूपी क्षेत्र से पूर्व विधायक रहे गुठ्यारी दुबेश की रिश्तेदार जिला प्रमुख की दावेदार मुनेश गुटयारी दुबेश को भी मिली पराजय। मुनेश गुठ्यारी दुबेश का अन्य स्टेट से राजस्थान मे आकर चुनाव लड़ने पर पूर्व केबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने भी वोट को लेकर उग्रए थे सवालिया निशान। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि जिला परिषद के सभी 31 वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। घोषित परिणामों के अनुसार विजयी प्रत्याशियों का वार्डवार विवरण निम्नानुसार है। उन्होंने बताया कि वार्ड संख्या 1 से संगीता भाजपा, वार्ड संख्या 2 से राधा भाजपा, वार्ड संख्या 3 से राजेश कांग्रेस, वार्ड संख्या 4 से अरविंद कुमार कांग्रेस, वार्ड संख्या 5 से सत्यवीरी भाजपा, वार्ड संख्या 6 से मिथिलेश भाजपा, वार्ड संख्या 7 से चेतन कांग्रेस, वार्ड संख्या 8 से हरिसिंह कांग्रेस, वार्ड संख्या 9 से हरबीर सिंह कांग्रेस, वार्ड संख्या 10 से हीराचंद कांग्रेस, वार्ड संख्या 11 से सावित्री देवी कांग्रेस, वार्ड संख्या 12 से अशोक कांग्रेस, वार्ड संख्या 13 से पूजा कुमारी भाजपा, वार्ड संख्या 14 से सपना कुमारी कांग्रेस, वार्ड संख्या 15 से प्रमोद कुमार कांग्रेस विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार वार्ड संख्या 16 से अतर सिंह कांग्रेस, वार्ड संख्या 17 से मीरा देवी भाजपा, वार्ड संख्या 18 से रानुवाला कांग्रेस, वार्ड संख्या 19 से सरोज कांग्रेस, वार्ड संख्या 20 से हरप्यारी कांग्रेस, वार्ड संख्या 21 से राजेश कांग्रेस, वार्ड संख्या 22 से अंजू कुमारी कांग्रेस, वार्ड संख्या 23 से मानसिंह भाजपा, वार्ड संख्या 24 से सुमन गुर्जर कांग्रेस, वार्ड संख्या 25 से दिनेश भातरा भाजपा, वार्ड संख्या 26 से रेनु कुमारी आरएलपी, वार्ड संख्या 27 से रेखा कुमारी कांग्रेस, वार्ड संख्या 28 से ओमवती कांग्रेस, वार्ड संख्या 29 से सावित्री कांग्रेस, वार्ड संख्या 30 से रघुवीर सिंह भाजपा, वार्ड संख्या 31 से बोदन सिंह कांग्रेस को विजयी घोषित हुए। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन, चुनाव कार्मिकों एवं आमजन का आभार व्यक्त किया।

कृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर परिसर में आयोजक केशवानंद आशीष गर्ग व संयोजक बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी के सौजन्य में चल रही नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सप्तम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से कथा का श्रवण किया। वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने गोपी गीत और युगल गीत के माध्यम से गोपियों के विरह और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनके अटूट प्रेम का वर्णन किया। इसके बाद अक्रूर जी के गोकुल आगमन और भगवान श्रीकृष्ण एवं बलराम जी को मथुरा ले जाने का प्रसंग सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा आगमन, कंसवध और उसके अत्याचारों के अंत की कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा में भ्रमर गीत प्रसंग, उद्धव जी के ब्रज गमन और गोपियों के साथ उनके संवाद का भी वर्णन किया गया। इसके साथ ही जरासंध वध की कथा सुनाई गई। कथा के अंतिम चरण में विदर्भराज की पुत्री रुक्मिणीजी के प्रेम, भक्ति और समर्पण का प्रसंग सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणीजी के विवाह महोत्सव की कथा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे व कथा पंडाल भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।

सैनी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन उत्साह से संपन्न

राजगढ़। सैनी समाज सामूहिक विवाह उत्थान समिति की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन कस्बे के गंगा बाग परिसर में उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान विद्वान पंडितों की मौजूदगी में 32 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार मंत्रो के साथ आयोजित हुआ। नव विवाहित 32 जोड़ों को नगर पालिका अध्यक्ष रेखा सैनी एवं अन्य प्रमाण पत्र एवं भगवान का चित्र देकर विदाई दी। इससे पूर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर देव उठनी एकादशी 20 नवंबर को 32 दुल्हो की सामूहिक शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ निकली। शोभा यात्रा के दौरान आतिशबाजी एवं पुष्प वर्षा से प्रमुख लोगों ने स्वागत किया। सामूहिक शोभा यात्रा देवी जी मंदिर के समीप श्री जी मैरिज गार्डन से विवाह स्थल गंगा बाग को रवाना हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष खेमचंद सैनी के नेतृत्व में उत्साह एवं उल्लास से शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभा यात्रा कस्बे के चौपड़ बाजार गोल मार्केट रेलवे स्टेशन मार्ग गंगा बाग चौराया होती विवाह स्थल गंगा बाग पहुंची। शोभायात्रा को देखने भारी संख्या में महिला पुरुषों का सैलाब उमड़ा। सामूहिक पाणिग्रहण संस्कार, तोरण प्रमुख आकर्षण रहा। इस दौरान समिति की ओर से टीवी,, वाशिंग मशीन,अलमारी सहित अन्य दान दहेज का सामान जोड़ों को दिया गया।

निरीक्षण में किशनगढ़ बास जेल के कैमरे बंद मिले, सही करवाने के सख्त आदेश

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अजीत कुड़ी शुक्रवार को औचक निरीक्षण पर उपकारागृह किशनगढ़बास पहुंचे, तो वहा देखा रसोईघर में सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े थे, मेनू चार्ट कहीं नहीं था, बैरकों के बाहर गंदे पानी की नालियां भरी थीं और बिजली के तार खुले लटके थे। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं से सम्बंधित व्यवस्थाओं में लापरवाही नहीं बरती जाए तथा निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को प्राथमिकता से दूर किया जाए। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के अध्यक्ष तथा जिला एवं सेशन न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अजीत कुड़ी उपकारागृह किशनगढ़बास का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे।

निरीक्षण के दौरान सचिव अजीत कुड़ी ने उपकारागृह की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए रसोईघर, लीगल एड क्लीनिक, बंदियों के बैरक, प्रीजन हेल्प डेस्क, जेल परिसर की साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं और जेल परिसर में स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया। रसोईघर में पहुंचते ही सबसे पहले बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों पर नजर पड़ी। सचिव ने रसोईघर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र चालू करवाने, रसोईघर में व्हाइट वॉश करवाने तथा विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की जानकारी के लिए रसोईघर के बाहर मेनू चार्ट लगाने के निर्देश दिए, ताकि भोजन व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने बैरकों के बाहर बनी गंदे पानी की नालियों की निकासी सुचारू करवाने, विद्युत बोर्ड के खुले तारों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित करने तथा बैरकों के आसपास के परिसर में नियमित साफ-सफाई रखने की हिदायत दी। इसके अलावा जेल परिसर के अंदर एवं बाहर स्थित बंदियों के शौचालयों की नियमित सफाई करवाने के निर्देश दिये ताकि स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे।



बैरकों में गंदे पानी की नालियां भरी और बिजली के खुले लटके तार।

- निरीक्षण में रसोई के बाहर नहीं था मेनू, बैरकों के बाहर गंदे पानी की नालियां, खुले पड़े बिजली के तार, शौचालयों में गंदगी देखकर सख्त निर्देश दिए

चोरी के शक में युवक की ग्रामीणों ने की पिटाई, जिला अस्पताल में भर्ती

अलवर। जिले के मालाखेड़ा थाना क्षेत्र में चोरी के शक में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।

- युवक की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया

घटना अहीर तिबारा के पास की बताई जा रही है। यहां खारेड़ा निवासी अरसद के साथ ग्रामीणों ने मारपीट कर दी। ग्रामीणों को शक था कि युवक केबल चोरी कर रहा था। इसी आरोप के आधार पर उसकी पिटाई कर दी गई, जिससे वह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए मालाखेड़ा अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार जारी है। मामले को लेकर मालाखेड़ा थाना प्रभारी किरण यादव से बातचीत की गई।

श्री श्याम जन्मोत्सव पर पावटा में निकली भव्य शाही यात्रा

पावटा। श्री श्याम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कस्बे में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर श्री श्याम अरदास परिवार की ओर से पावटा कस्बे के हनुमान मंदिर से बाबा श्याम की भव्य शाही यात्रा निकाली गई। शाही यात्रा में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। यात्रा के दौरान पूरा कस्बा बाबा श्याम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

- श्याम भक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ लिया बाबा श्याम का आशीर्वाद, जगह-जगह यात्रा का स्वागत हुआ

शाही यात्रा का शुभारंभ विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात बाबा श्याम के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच यात्रा रवाना हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालु बाबा श्याम के भजनों पर भाव-विभोर नजर आए। जगह जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया तथा बाबा श्याम के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान कस्बे का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

महिला-पुरुषों सहित युवाओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए श्याम नाम का गुणगान किया।

श्री श्याम अरदास परिवार की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन ने कस्बे में भक्ति और आध्यात्मिकता का संदेश दिया।



श्री श्याम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कस्बे के लोगों ने श्रद्धा दिखाई।

अलवर जिला प्रमुख से लेकर अधिकतर प्रधान पदों पर कांग्रेस का दबदबा

अलवर। अलवर में जिला परिषद और पंचायत जिला पार्षद चुनावों ने भाजपा को सोचने पर मजबूर कर दिया है यहां जिला प्रमुख से लेकर अधिकतर प्रधानी पर कांग्रेस का दबदबा रहेगा। ग्रामीण सरकार के हुए चुनावों ने आने वाले विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा चुनावों तक का खाका खेच दिया है अब लगने लगा है कि राजस्थान में सरकार बदलेगी लोगों का भाजपा से विश्वास उठ गया है। भाजपा को मिली करारी शिकस्त ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा नेता केन्द्र व राज्य सरकार की नीतियों को ग्रामीण क्षेत्रों तक नही पहुंचा पाए है जबकि केन्द्रीय भूपेन्द्र सिंह यादव ने जमकर विकास कार्य किए लेकिन भाजपा नेता उनके किए विकास कार्यो को इस चुनाव में नही भूना पाएं जो भाजपा के लिए अच्छे संकेत नही है।

- अलवर जिला परिषद में कांग्रेस ने 33 सीट जीती:बीजेपी सिर्फ 4 सीट ही जीत पाई

पंचायत समिति सदस्य चुनावों में भाजपा को अपना प्रधान कही दिखाई नही दे रहा है वही जिला परिषद चुनाव में भाजपा के एक नेता मूलचंद डीगवाल उभर कर सामने आए जो आने वाले चुनावों में सम्भवत कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली के सामने विधायक के लिए भाजपा के भावी उम्मीदवार हो सकते है।

अलवर में आज पंचायत राज चुनाव के वोटों की गिनती हुई। काउंटिंग सुबह 8 बजे बाबू शोभाराम राजकीय कला कॉलेज में शुरू हुई थी। पहले सभी 11 पंचायत समिति सदस्यों के वोटों की गिनती हुई। उसके बाद जिला परिषद सदस्यों के लिए वोटों की गिनती हुई। फिलहाल अलवर जिले की सभी 11 पंचायत समितियों में 220 सदस्य और जिला परिषद के 39 सदस्यों के रिजल्ट आ गए हैं। अब जीते हुए प्रत्याशी 11 प्रधान और 1 जिला प्रमुख का चयन करेंगे।

वहीं आज थानागाजी के वार्ड 1 और गोविंदगढ़ पंचायत समिति के वार्ड 11 में ईवीएम नहीं खुली। जिससे यहां एक-एक बूथ के वोटों की गिनती नहीं हो सकी। इन बूथों पर दोबारा वोटिंग कराई जाएगी। उसके बाद पूरा परिणाम घोषित किया जाएगा। यहां के दोनों वार्डों का रिजल्ट घोषित नहीं किया है।

बता दें कि पंचायती राज चुनाव के लिए अलवर जिले में दो चरणों में वोटिंग हुई थी। सरपंच के चुनाव परिणाम वोटिंग के दिन ही आ गए थे।

सार-समाचार

नौगांवा में आवारा कुत्तों का आतंक

अलवर। जिले के नौगांवा थाना क्षेत्र स्थित रघुनाथगढ़ कॉलोनी में आवारा कुत्तों के हमले की गंभीर घटना सामने आई है। यहां 13 वर्षीय बालिका सिफा पर करीब 20 आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। हमले में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे उपचार के लिए अलवर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। घायल बालिका के चाचा इरफान ने बताया कि सिफा घर से खेत की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में अचानक करीब 20 कुत्तों ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। कुत्तों ने बालिका को कई जगह काटकर घायल कर दिया। अचानक हुए हमले से वह संभल नहीं सकी। घटना के बाद परिजनों ने क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों की बढ़ती समस्या को लेकर जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि इलाके में लंबे समय से आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक बना हुआ है। इस संबंध में शिकायतें किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि आवारा पशुओं के कारण बच्चों और आमजन का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान करने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल घायल बालिका सिफा जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। इस घटना के बाद क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या और आमजन की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है।

जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत, जिला प्रमुख बनाने का दावा

भरतपुर (निसं)। भरतपुर जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली सफलता के बाद कांग्रेस खेमे में खुशी का माहौल है। जिला परिषद के घोषित 31 वार्डों के परिणामों में कांग्रेस के 21 उम्मीदवार विजयी हुए हैं, जबकि भाजपा के 9 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने पर पार्टी अपना जिला प्रमुख बनाएगी। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान के भरतपुर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सारस्वत एवं संगठन महासचिव संजय चंदेल ने कांग्रेस की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए इसे पार्टी के विकास कार्यों पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि जनता ने कांग्रेस शासनकाल में कराए गए विकास कार्यों पर विश्वास जताया है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने राहुल गांधी, अशोक गहलोत, सचिन पायलट, गोविन्द सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली एवं महाराजा विश्वेन्द्र सिंह सहित पार्टी के समस्त वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही भरतपुर की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि मतदाताओं ने कांग्रेस प्रत्याशियों को समर्थन देकर जो विश्वास जताया है, उसके लिए पार्टी सदैव आभारी रहेगी।

राज्यपाल माथूर ने डॉ. जसवंत यादव पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

अलवर। केरलम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर शुक्रवार को दिवंगत विधायक डॉ. जसवंत यादव के निवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने डॉ. जसवंत यादव के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान राज्यपाल ने परिवार के सदस्यों से बातचीत की और डॉ. जसवंत यादव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत नेता के जीवन, सामाजिक सरोकारों और राजनीतिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही परिजनों को ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। मुलाकात के दौरान परिवार के सदस्यों ने भी राज्यपाल के साथ अपनी भावनाएं साझा कीं। इस अवसर पर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सहित स्थानीय राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अन्य लोग भी मौजूद रहे। सभी ने डॉ. जसवंत यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

खैरथल तिजारा में 3 निर्दलीय और 2 बसपा तय करेंगे जिला प्रमुख

खैरथल। जिले में पहली बार हुए जिला परिषद चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है। 25 वार्डों के नतीजे में भाजपा और कांग्रेस बिल्कुल बराबर पर आकर अटकी हैं। दोनों को 10-10 सीटें मिली हैं। अब 3 निर्दलीय और 2 बसपा सदस्य ही तय करेंगे कि जिले का पहला जिला प्रमुख किस दल का होगा। बहुमत के लिए 13 का आंकड़ा चाहिए। भाजपा और कांग्रेस दोनों के पास 10-10 हैं। दोनों को 3 और सदस्यों की जरूरत है। ऐसे में 3 निर्दलीय - सोनम (वार्ड 15), अमिता (वार्ड 22), पूजा यादव (वार्ड 23) और 2 बसपा - अनिशा (वार्ड 19), हनीफ (वार्ड 20) किंगमेकर बन गए हैं। जो दल इन 5 में से 3 को साध लेगा, वही जिले का पहला जिला प्रमुख बनाएगा। खैरथल-तिजारा जिले की 6 पंचायत समितियों के 109 वार्डों के परिणाम में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी है। तातारपुर में 1 परिणाम अभी लंबित है। कांग्रेस - 42:पंचायत समितियों में कांग्रेस सबसे आगे, किशनगढ़बास, तिजारा और टपूकड़ा में मजबूत।

सांसद संजना जाटव और विधायक रमेश खींची के रिश्तेदार हारे

अलवर। जिले की 11 पंचायत समितियों के चुनाव परिणामों ने कई राजनीतिक दिग्गजों के परिवारों की चुनावी रणनीति को झटका दिया है। मतगणना में सांसद संजना जाटव और कठूमर विधायक रमेश खींची के परिवार के प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। वहीं थानागाजी विधायक कांति मीणा की पुत्रवधू नेहा चुनाव जीतने में सफल रही। इन परिणामों ने जिले में परिवारवाद और राजनीतिक प्रभाव को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। कठूमर पंचायत समिति के चुनाव में विधायक रमेश खींची ने अपनी पुत्रवधू बिंदू और दीपिका को मैदान में उतारा था।

देवउठनी ग्यारस पर विधि-विधान से देव जगाए

पावटा। देवउठनी एकादशी (देवउठनी ग्यारस) का पर्व क्षेत्रभर में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही घरों और मंदिरों में धार्मिक गतिविधियों का दौर शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर देवों को जगाया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। घरों में महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा की और मंगल गीत गाकर देवउठनी एकादशी की परंपरा निभाई।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के साथ ही चातुर्मास का समापन होता है। इसी दिन को देवउठनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि देवों के जागने के साथ ही शुभ एवं मांगलिक कार्यों का शुभारंभ हो जाता है।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने घरों के आंगन में रंगोली सजाई तथा गन्ने से मंडप बनाकर भगवान विष्णु और माता तुलसी की पूजा-अर्चना की। कई घरों में तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। पूजा के दौरान गन्ना, सिंघाड़ा, शकरकंद, बेर एवं मौसमी फलों का भोग लगाया गया। महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर भगवान से घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

विराटनगर विधानसभा की तीनों पंचायत समितियों में कांग्रेस को 34 सीटें, भाजपा 8 पर सिमटी

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की तीनों पंचायत समितियों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। पावटा, विराटनगर और मेड-कुंडला पंचायत समितियों में कांग्रेस ने कुल 34 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा को 8 सीटों पर संतोष करना पड़ा। वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी 5 सीटों पर जीत हासिल कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

- 49 वार्डों के नतीजे घोषित, कांग्रेस ने पावटा, विराटनगर और मेड-कुंडला में दर्ज की

पावटा पंचायत समिति के दो वार्डों का परिणाम फिलहाल रोक दिया गया है। तीनों पंचायत समितियों के घोषित परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जीत दर्ज करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की है। चुनाव परिणामों के बाद अब पंचायत समितियों में बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सभी दलों की नजरें निर्वाचित सदस्यों के समर्थन और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर रहेंगी।

जयपुर में बिना सत्यापन संचालित पेट्रोल पंप पर कार्रवाई

जयपुर, 20 नवम्बर। उपभोक्ताओं को पेट्रोल एवं डीजल की निर्धारित मात्रा सुनिश्चित कराने तथा माप में अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से माननीय मंत्री सुमित गोदारा (उपभोक्ता मामले विभाग) के निर्देशानुसार विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेशभर में पेट्रोल पंपों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दिनांक 16 नवम्बर 2026 से 18 नवम्बर 2026 तक जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया गया। जयपुर जिले में अभियान के दौरान कृष्णा पेट्रोलियम, दूदू, चौधरी सर्विस स्टेशन, चाकसू तथा गोपाल पेट्रोलियम, चाकसू का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृष्णा पेट्रोलियम, दूदू का संचालन बिना वैध सत्यापन के किया जाना पाया गया। उक्त पेट्रोल पंप का अंतिम सत्यापन निर्धारित अवधि तक ही वैध था तथा वैध सत्यापन के बिना पेट्रोल पंप का संचालन किया जा रहा था। इस पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप के नोजल सीज किए गए। इसके अतिरिक्त चौधरी सर्विस स्टेशन एवं गोपाल पेट्रोलियम, चाकसू पर जांच के दौरान चार नोजलों से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल की आपूर्ति पर लगभग 5 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। इस पर संबंधित नोजलों को सीज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। जयपुर जिले में अभियान के दौरान कुल 33 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न अनियमितताओं के संबंध में कुल 44,000 रूपये का जुर्माना लगाया गया। अजमेर: तीन पेट्रोल पंपों पर चार नोजलों से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल/डीजल की आपूर्ति पर 27 से 30 मिलीलीटर तक कम मात्रा देना पाया गया। चार नोजल सीज कर 41,000 रूपये का जुर्माना लगाया गया।

उदयपुर: दो पेट्रोल पंपों पर दो नोजलों से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल की आपूर्ति पर लगभग 30 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। दो नोजल सीज कर 20,000 का जुर्माना लगाया गया। **जोधपुर:** दो पेट्रोल पंपों पर पांच नोजलों से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल की आपूर्ति पर लगभग 30 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। पांच नोजल सीज कर 20,000 का जुर्माना लगाया गया।

दौसा: सूर्या फिलिंग स्टेशन, गढ़ दौसा पर एक नोजल से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल की आपूर्ति पर लगभग 30 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। एक नोजल सीज कर 10,000 का जुर्माना लगाया गया।

पाली: भाटी हिंदुस्तान पेट्रोलियम पर एक नोजल से प्रत्येक 5 लीटर पेट्रोल की आपूर्ति पर लगभग 30 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। एक नोजल सीज कर 10,000 का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान प्रदेशभर में कुल 179 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। अनियमितताएं पाए जाने पर 12 पेट्रोल पंपों के कुल 21 नोजल सीज किए गए तथा कुल 1,99,000 का जुर्माना लगाया गया। विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा स्पष्ट किया गया है।

भरतपुर में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला

भरतपुर (निसं)। जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस खेमे में खुशी देखी जा रही हैं। आज जिला परिषद के घोषित चुनाव परिणाम में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने से लगता है कि कांग्रेस अपना जिला प्रमुख बना सकती है।जिला परिषद के घोषित 31 वार्डों में कांग्रेस के 21 उम्मीदवार विजयी हुए हैं वही भाजपा के 9 उम्मीदवार जीते हैं जबकि आरएलपी पार्टी को एक सीट मिलने के साथ ही पहली बार आरएलपी का खाता खुला है। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा मतगणना स्थल पर अपने विजयी कांग्रेस उम्मीदवार वार्ड 27 से रेखा गुर्जर एवं वार्ड 24 से सुमन को शपथ दिलाने पंहुचे।

अलवर जिला परिषद में कांग्रेस का दबदबा, 39 में से 33 सीटों पर जीत

अलवर। जिला परिषद के चुनाव परिणामों में कांग्रेस को कुल 39 में से 33 सीटों पर जीत मिली है जबकि भाजपा 4 पर सिमट गई। 2 सीटे निर्दलीय प्रत्याशियों को मिली है। जिला प्रमुख की सीट एसटी महिला की होने के कारण अगर भाजपा चुनाव में उतरती है तो संतोष बन्नाराम मीणा के अलावा उसके पास कोई नहीं है। तीन अन्य पुरुष प्रत्याशी ही जीते है। कांग्रेस वार्ड 12 की ललिता मीणा, 16 की अनिता मीणा व 20 से सुमन पर दाव खेल सकती है। चुनाव का राजनीतिक विश्लेषण करे तो जिला परिषद का चुनाव पूरे जिले के ग्रामीण क्षेत्र का होता है इससे यह साफ हो गया है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह व राजस्थान में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली की ताकत बढ़ गई है। भाजपा नेता भूपेंद्र यादव सहित अन्य सभी पर सवाल खड़े हो रहे है कि क्या विकास के दावों को लोगों ने अस्वीकार कर दिया है।

- भाजपा को मिली 4 सीटें, दो वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी; कांग्रेस ने एकतरफा प्रदर्शन किया

परिणामों के अनुसार कांग्रेस ने जिला परिषद में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। भाजपा को महज चार सीटों से संतोष करना पड़ा। वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी दो वार्डों में जीत दर्ज कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। भाजपा के स्थानीय नेताओं की अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है जबकि कांग्रेस के स्थानीय नेता टीकाराम जूली ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि "सेमीफाइनल के नतीजे आ गए हैं और यही नतीजे फाइनल में भी रहेंगे।" उन्होंने कहा कि पंचायतीराज चुनाव में सामने आ रहे परिणामों ने प्रदेश की राजनीतिक तस्वीर स्पष्ट कर दी है। अलवर सहित राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस को मिल रहे समर्थन को उन्होंने जनता के भरोसे का प्रतीक बताया। जूली ने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद जिस तरह की नीतियां अपनाई हैं, उनका जवाब जनता चुनाव के माध्यम से दे रही है। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस को मिल रहा समर्थन इस बात का संकेत है कि जनता सरकार के कामकाज से संतुष्ट नहीं है।

जितेंद्र सिंह बोले-जनता ने दिया जनादेश से जवाब: पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान की जनता ने भाजपा की कथित तानाशाहीपूर्ण नीतियों का जवाब अपने जनादेश के माध्यम से दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और जब सरकार जनता की आवाज को नजरअंदाज करती है तो चुनाव के समय मतदाता अपना फैसला सुनाते हैं।

जितेंद्र सिंह ने अलवर में कांग्रेस को मिल रहे समर्थन का उल्लेख करते हुए कहा कि पंचायतीराज चुनाव में पार्

पांच मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कल

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत मतगणना के दौरान ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण परिणाम प्रदर्शित नहीं होने पर राज्य निर्वाचन आयोग ने जयपुर जिले के पांच मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान करवाने के आदेश जारी किए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि जिला परिषद् के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 13 के बूथ संख्या 60 (राउमावि, नांगल सिरस) एवं निर्वाचन क्षेत्र संख्या 52 के बूथ संख्या 81 (राउमावि, अचरोल क.न. 1), पंचायत समिति दूदू के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 06 के बूथ संख्या 62 (राउमावि, साखुन क.न. 1), पंचायत समिति शाहपुरा के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 06 के बूथ संख्या 34 (मगारावि बिशनगढ क.न. 3) तथा पंचायत समिति चौमूं के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 25 के बूथ संख्या 142 (राउमावि, लोहरवाड़ा क.न. 13) पर पुनर्मतदान करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राजस्थान पंचायतीराज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 48ए में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने उक्त मतदान केंद्रों पर पूर्व में हुए मतदान को शून्य घोषित किया है। इन सभी मतदान केंद्रों पर रविवार, 22 नवंबर 2026 को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक पुनर्मतदान करवाया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन एवं संस्कृति परियोजनाओं की समीक्षा की

तीन साल के कार्यों और आगामी आयोजनों पर मंथन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा पर्यटन,कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा पर्यटन,कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी एवं पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ की उपस्थिति में शुक्रवार को पर्यटन भवन में राजस्थान पर्यटन एवं संस्कृति परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

- **लोक मंथन को पूर्ण सफल बनाने के निर्देश, 67बजट घोषणाओं की समीक्षा कर दिए सुरक्षा और व्यवस्थाओं के निर्देश**



उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की ने पुरातत्व विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी एवं पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ के साथ बैठक की

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित उक्त समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों से पिछली बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति जानी और आगामी बजट के लिए प्रस्तावित नई योजनाओं पर विस्तार से मंथन किया। इसके साथ ही,उन्होंने आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक के पश्चात उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आज पर्यटन भवन में पर्यटन,कला एवं संस्कृति,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग तथाके अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रदेश में पर्यटन विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रकल्पों एवं परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत,ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने हेतु सभी परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। हमारा संकल्प है कि राजस्थान पधारने वाले प्रत्येक पर्यटक को सुरक्षित, सुविधाजनक और अविस्मरणीय अनुभव मिले और राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे।

डीजीपी ने यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल के साथ की बैठक की

जयपुर । राजस्थान पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए दिसंबर के प्रथम सप्ताह से मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी (यूके) के सहयोग से ऑनलाइन प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इसके तहत यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ऑनलाइन कक्षाएं लेंगे। इसके बाद प्राप्त परिणामों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। इससे पुलिसकर्मियों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समझने और उनकी कार्यक्षमता में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने में मदद मिलेगी।

पुलिस मुख्यालय सभागार में महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ग्लोबल मेंटल हेल्थ रिसर्च के प्रोफेसर विमल कुमार शर्मा ने किया। बैठक में 28 जुलाई, 2026 को राजस्थान पुलिस अकादमी और मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के बीच हुए एमओयू के क्रियान्वयन तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। डीजीपी शर्मा ने कहा कि प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के साथ यह साझेदारी राजस्थान पुलिस के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

सार-समाचार

एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग - सीजन 8 के पोस्टर का विमोचन



जयपुर। एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के आठवें संस्करण का आयोजन 27 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक स्पोफिट अकादमी, जयपुर में किया जाएगा। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि इस आगामी प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन भारतीय स्टेट बैंक जयपुर मंडल के मुख्य महाप्रबंधक ओंकार नाथ चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक नेटवर्क 2 मनीष सिंघल ,महाप्रबंधक नेटवर्क 1 रजनीश कुमार, सहायक महाप्रबंधक (जन संपर्क) संजय शर्मा, डीबीएल के लीग संयोजक डॉ हरीश भारद्वाज ,लीग ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव एवं लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. श्रवण उपस्थित रहे। लीग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता भारतीय स्टेट बैंक जयपुर मंडल द्वारा प्रायोजित की जा रही है ।

सुयश गोदरेज गैलेरी को सर्वाधिक लॉकर सेल के लिए सम्मानित किया



जयपुर। सुयश गोदरेज गैलेरी ने राजस्थान में लॉकर बिक्री के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में सर्वाधिक लॉकर बिक्री का गौरव प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए कंपनी के अधिकारियों ने एसजी ग्रुप के निदेशक आशीष सोमानी और ऋषभ माहेश्वरी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निदेशक आशीष सोमानी ने बताया कि यह उपलब्धि कंपनी की कार्यक्षमता, निरंतर प्रयासों और व्यवसाय के प्रति समर्पण को दर्शाती है। गोदरेज के स्मार्ट होम लॉकर व्यवसाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुयश गोदरेज गैलेरी ने बिक्री के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। कंपनी ने अपने बेहतर कार्य प्रदर्शन और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंधों के माध्यम से यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। आशीष सोमानी ने इस पुरस्कार को अपनी टीम की कड़ी मेहनत को समर्पित किया।

छह माह से फरार गांजा सप्लायर बिल्लू सांसी गिरफ्तार



जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की कालाडेरा थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में छह माह से फरार चल रहे मादक पदार्थ सप्लायर बिल्लू सांसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आसूचना संकलन और तकनीकी सहायता से आरोपी को जयपुर से पकड़ा। पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि मामला गोविन्दगढ़ थाने में दर्ज प्रकरण से जुड़ा है। इस मामले में पुलिस ने पहले सुलोचना देवी सांसी के कब्जे से 1.125 किलो गांजा जब्त किया था। पूछताछ में उसने गांजा शंकरलाल सांसी से लाना बताया। पुलिस ने 24 जून 2026 को शंकरलाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने गांजा बिल्लू सांसी से खरीदना बताया था। इसके बाद से ही बिल्लू फरार चल रहा था। कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनियां ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बिल्लू सांसी (33) मूल रूप से सीकर जिले के खंडेला क्षेत्र का रहने वाला है। वह जयपुर के विद्याधर नगर और हरमाड़ा क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने उसे जयपुर से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया हुई अधिक सरल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल

जयपुर। राजस्थान सरकार के वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा करदाताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने तथा व्यवसाय-अनुकूल कर प्रशासन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। राजस्थान वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 65 के अंतर्गत की जाने वाली ऑडिट कार्यवाही को अधिक सरल, सुविधाजनक, पारदर्शी एवं प्रौद्योगिकी आधारित बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य ऑडिट प्रक्रिया के दौरान करदाताओं के समय एवं संसाधनों की बचत करना तथा उन्हें अनावश्यक असुविधा से बचाना है। नई व्यवस्था के तहत ऑडिट के दौरान करदाता के व्यापार स्थल पर भौतिक निरीक्षण (विजिट) केवल उन्हीं परिस्थितियों में किया जाएगा।

देवनानी ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर संवेदना व्यक्त की

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। देवनानी ने कहा कि मां का स्नेह, आशीर्वाद और ममत्व जीवन की सबसे अनमोल धरोहर होते हैं। मां का साया उठ जाना जीवन की ऐसी अपूरणीय क्षित है।

खान विभाग: लक्ष्यानुसार राजस्व संग्रहण पर फोकस

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने खान विभाग के फील्ड अधिकारियों को लक्ष्यानुसार शतप्रतिषत राजस्व संग्रहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वसूली के कारगर प्रयास किये जाने हैं। खान विभाग का फोकस राजस्व लक्ष्यों को अर्जित करना है और इसके लिए विभागीय अधिकारियों को फील्ड में अधिक सक्रिय होने के साथ ही लीकेज के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी है।

- **एसीएस माइंस अरोरा ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय होने के निर्देश दिये**

एसीएस खान अपर्णा अरोरा शुक्रवार को खनिज भवन में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रही थी। विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में अक्टूबर तक 12.98 प्रतिशत विकास दर के साथ करीब 809 करोड़ रु. का अधिक राजस्व संग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा है, इसे चुनौती के रुप में लेते हुए राजस्व लक्ष्यों के अनुसार राशि संग्रहण के लिए समन्वित व ठोस प्रयास करने होंगे। फील्ड अधिकारियों द्वारा राजस्व अर्जन के लिए किये जाने वाले प्रयास परिणाम में परिलक्षित होने चाहिए।

अरोरा ने विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को चाक चोबंद करने और खान निदेशालय स्तर पर राजस्व संग्रहण की नियमित समीक्षा की आवश्यकता प्रतिपादित की। माइनर और मेजर मिनरल ब्लॉकों की ऑक्षन प्रगति की समीक्षा करते हुए मेजर मिनरल के ऑक्शन कैलेण्डर की तरह ही माइनर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन का भी रोडमैप बनाकर आगामी माहों में नीलामी में तेजी लाने के निर्देष दिए। उन्होंने कहा माइनिंग ब्लॉकों के ऑक्शन से केवल राजस्व संग्रहण ही नहीं होता अपितु वैध खनन को बढ़ावा और अवैध खनन पर भी कारगर रोक हो पाती है। इसके अलावा माइनिंग सेक्टर में निवेश और रोजगार के अवसर विकसित होते हैं।

बिजली केबल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने खेतों और कुओं पर लगे ट्यूबवेल व बोरिंग से बिजली की केबल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की करीब बीस मीटर बिजली की केबल बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सांगानेर सदर थाना पुलिस ने खेतों और कुओं पर लगे ट्यूबवेल व बोरिंग से बिजली की केबल चोरी करने के मामले में गणेश मीणा (27) निवासी अरणिया जिला बूंदी हाल सांगानेर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की करीब 20 मीटर बिजली की केबल बरामद हुई है।थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के अनुसार 3 नवंबर 2026 की रात सायपुरा और शिकारपुरा के कृषि क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने करीब पांच से छह कुओं की बिजली की केबल काटकर चोरी कर ली थी। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ फसलों की सिंचाई में भी परेशानी हो रही थी।

मैगी खाने से सात साल की बच्ची की मौत

- **बड़ी बहन की भी बिगड़ी तबीयत, फूड पॉइजनिंग की आशंका**
- **प्रारंभिक जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा**

जयपुर। करधनी थाना इलाके में मैगी (नूडल्स) खाने के बाद सात साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन की तबीयत बिगड़ गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस फूड पॉइजनिंग की आशंका जता रही है। घटना गुरुवार देर शाम कालवाड़ रोड स्थित मंगलम सिटी की है। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार बच्चियों के माता-पिता चौमूं स्थित सिद्धि विनायक अस्पताल में भर्ती अपने बेटे गोविंद के पास गए हुए थे। घर पर 18 वर्षीय दिव्यांशी, 17 वर्षीय गुलशन, 14 वर्षीय समर और 7 वर्षीय पीहू मौजूद थे। गुरुवार सुबह बच्चे मंगलम सिटी स्थित विकास किराना स्टोर से 60 रुपए वाला मैगी का पैकेट खरीदकर लाए थे। सुबह करीब 10 बजे समर ने आधा पैकेट मैगी बनाकर खाया और बाकी मैगी अपने भाई-बहनों के लिए गैस पर छोड़कर खेलने चला गया।

दोपहर करीब 3 बजे दिव्यांशी और पीहू ने मैगी खाई और इसके बाद सो गईं। शाम करीब 5 बजे मां मीना घर पहुंची और दोनों बच्चियों को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। कमरे में जाकर जगाने पर दिव्यांशी उठते ही उल्टियां करने लगी, जबकि पीहू नहीं उठी। परिजन दोनों को मंगलम सिटी के पास स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने पीहू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दिव्यांशी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

मृतका के पिता दिनेश कुमावत ने बताया कि वह मकान पेंटिंग का काम करते हैं। फरवरी 2025 में उनकी मीना से शादी हुई थी। मीना के पहले पति का निधन हो चुका है। शादी के बाद से वह मीना और उसके पांच बच्चों के साथ कालवाड़ रोड स्थित मंगलम सिटी में रह रहे हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

करधनी थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

लोकसभा स्पीकर वनस्थली विद्यापीठ में ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन में करेंगे शिरकत

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि लोकसभा के माननीय अध्यक्ष ओम बिडला होंगे। वे 21 नवम्बर को आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ब्रिक्स देशों के साथ-साथ अन्य विदेश की प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।



इस उद्घाटन सत्र में वनस्थली विद्यापीठ के अध्यक्ष, प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री; कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, उपाध्यक्ष, प्रो. ज्योति पारीक; कोषाध्यक्ष, प्रो. सुधा शास्त्री; निदेशक एवं हेड, इंटरनेशनल रिलेशनस, प्रो. अंशुमान शास्त्री; वासिली बोकोव, डायरेक्टर ऑफ़ रीजनल एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन, प्रेसिडेंटशियल प्लाटफार्म, रशिया-द कंट्री ऑफ़ ओपरचुनिटिस सर्गेई बोचारोव, फर्स्ट वाइस रेक्टर, सेनेझ मैनेजमेंट वर्कशॉप, प्रेसिडेंटशियल प्लाटफार्म, रशिया-द कंट्री ऑफ़ ओपरचुनिटिस, कैंडिडेट ऑफ़ इकनोमिक साइंसेज; मिखाइल कास्को, राजदूत, बेलारूस डेनिश अलीपोव, भारत गणराज्य में रुसी राजदूत सम्मिलित होंगे। मारिया जखरोवा, डायरेक्टर ऑफ़ द इनफार्मेशन एंड प्रेस डिपार्टमेंट, वालेंटीना मैटविएंको, चेयरपर्सन, फेडरेशन काउंसिल ऑफ़ द रसियन फेडरेशन ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित होंगी ।

मुख्य अतिथि का पारम्परिक स्वागत द्वार पर प्रो. वनस्थली विद्यापीठ के अध्यक्ष, प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री; कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, उपाध्यक्ष, प्रो. ज्योति पारीक; कोषाध्यक्ष, प्रो. सुधा शास्त्री; निदेशक एवं हेड, इंटरनेशनल रिलेशनस, प्रो. अंशुमान शास्त्री, छात्राओं एवं कार्यकर्त्ताओं द्वारा किया जाएगा।

आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने वाटिका स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 9 फीट लंबी तांबे की रॉड बरामद की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 16 नवंबर 2026 को वाटिका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कार्यालय से सफाई मशीन, जनरेटर और बोरिंग के वायर सहित अन्य सामान चोरी हो गया था। इस संबंध में अस्पताल के लेखा सहायक परमेश्वर स्वामी ने 17 नवंबर को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामले की जांच के लिए थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आसूचना व तकनीकी संसाधनों की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने सूरजमल मीणा (27) निवासी ग्राम डाबिच, जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी इकरारनामे के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर खंडपीठ ने जमीन हड़पने के लिए फर्जी बिक्री इकरारनामा बनाने के आरोपी कोशेंद्र की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश शुभा मेहता ने 17 नवंबर को यह आदेश दिया। मामला ज्योति नगर थाना (जयपुर दक्षिण) में दर्ज है।

अभियोजन के अनुसार, आरोपी ने बिजली कंपनी (जेवीवीएनएल) के दफ्तर में खुद को परिवादी बताकर उसके बिजली कनेक्शन के दस्तावेज हासिल किए। इनसे उसे परिवादी का बैंक खाता नंबर और हस्ताक्षर मिल गए। इसी आधार पर उसने 18 जुलाई 2025 की तारीख का फर्जी इकरारनामा बनाया और उस पर परिवादी के नकली हस्ताक्षर कर दिए।

परिवादी का प्लॉट करीब दो करोड़ रुपये का था, जबकि इकरारनामे में कीमत सिर्फ 40 लाख रुपये लिखी गई। आरोप है कि आरोपी ने 30 मार्च 2026 को परिवादी के खाते में 10 लाख रुपये जमा कराए और उसी इकरारनामे के आधार पर कोर्ट में विनिर्दिष्ट अनुपालना (यानी सौदा पूरा करवाने) का वाद भी लगा दिया। परिवादी को 28 अप्रैल 2026 को कलेक्टर स्टाम्प का नोटिस मिलने पर मामले की जानकारी हुई, जिसके बाद उसने एफआईआर दर्ज करवाई।आरोपी के वकील ने कहा कि यह असल में दो पक्षों के बीच का दीवानी विवाद है, जिसे आपराधिक रंग दिया गया। उनका कहना था कि परिवादी ने खुद सौदा किया था, पर रजिस्ट्री नहीं करवा रहा था। एफआईआर देर से (14 मई 2026 को) दर्ज हुई, मूल इकरारनामे के हस्ताक्षर के फर्जी होने की एफएसएल रिपोर्ट नहीं है, आरोपी 5 अगस्त 2026 से हिरासत में है, पहले कोई आपराधिक मामला नहीं है और आरोप पत्र पेश हो चुका है।

लोक अभियोजक और परिवादी के वकील ने कहा कि अपराध सोची-समझी योजना से किया गया।

स्वयंसेवकों के नियोजन बढ़ाने और अनुशासन मजबूत करने पर मंथन

जयपुर । गृह रक्षा विभाग की राज्य स्तरीय कमांडेंट कॉन्फ्रेंस में स्वयंसेवकों के नियोजन के अवसर बढ़ाने, ड्यूटी रोटेशन में पारदर्शिता रखने और जिला इकाइयों में अनुशासन मजबूत करने पर जोर दिया गया। गुरुवार को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), फतेहपुरा बेगस में पुलिस महानिदेशक एवं महासमादेष्टा अनिल पालीवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभाग की प्रशासनिक, वित्तीय और कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई।

कॉन्फ्रेंस में पालीवाल ने प्रदेश के विभिन्न जिला प्रशिक्षण केन्द्रों से आए समादेष्टाओं से सीधा संवाद कर क्षेत्रीय स्तर पर कामकाज में आ रही समस्याओं और चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं के त्वरित एवं व्यावहारिक समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी कंपनियों और प्रतिष्ठानों में गृह रक्षा स्वयंसेवकों के नियोजन के अवसर बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसके लिए ऑनलाइन नियोजन सॉफ्टवेयर एचडीएमएस का प्रभावी उपयोग करने और ड्यूटी रोटेशन प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही ड्यूटी रोटेशन संबंधी आदेशों की पालना, जिला इकाइयों में अनुशासन मजबूत करने और विभागीय जांचों का निष्पक्ष एवं त्वरित निस्तारण करने पर बल दिया गया। कॉन्फ्रेंस में आवंटित बजट का पूर्ण उपयोग, लंबित न्यायालय प्रकरणों और ऑडिट आक्षेपों का निस्तारण तथा भंडार एवं हथियारों के उचित रखरखाव की भी समीक्षा की गई। आगामी 6 दिसंबर को होने वाले गृह रक्षा स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों पर चर्चा हुई। महानिरीक्षक पुलिस गृह रक्षा राजेश मीना ने अधिकारियों को मुख्यालय से जारी परिपत्रों, स्थायी आदेशों और अन्य निर्देशों का गहन अध्ययन करने को कहा।

'खादी देश की पहचान, युवा वर्ग खादी को अपनाकर गर्व महसूस करने लगा'

जयपुर। इंद्रभूषण जी गोईल, अध्यक्ष राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ,बजाज नगर, जयपुर ने कहा कि खादी देश की पहचान है। युवावर्ग खादी को अपनाकर देश में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका व बदलाव ला सकता है।

गोईल ने गुरुवार को बजाज नगर में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, जयपुर द्वारा लगाई खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2026-27 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि खादी हानिकारक रसायन रहित और पर्यावरण हितैषी वस्त्र है। साथ ही खादी आत्मनिर्भर भारत की और एक बढ़ता कदम भी है।

उन्होंने कहा कि खादी मेक इन इंडिया की पहली उपज थी। खादी अब युवाओं को रास आ रही है और देश के साथ विदेशों में भी लोकप्रिय बन रही है।



गोईल ने बजाज नगर में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था द्वारा लगाई खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा इन प्रदर्शनियों से न केवल उत्पादकों को बाजार मिलता है, वहीं उपभोक्ताओं को भी अच्छे उत्पाद के चयन में आसानी होती है।

अनिल शर्मा जी मंत्री राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ,ने कहा कि भारत सरकार का कतिन, बुनकर व खादी से जुड़े हर हाथ को सुदृढ़ बनाने का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा खादी की लोकप्रियता बढ़ाने व आमजन तक इसकी पहुंच सुलभ करने की है।

- **उन्होंने कहा कि खादी मेक इन इंडिया की पहली उपज थी। खादी अब युवाओं को रास आ रही है**

राजस्थान खादी ग्रामउद्योग संस्था संघ के मंत्री एवम खादी प्रदर्शनी के सयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि 20 26 से प्रारंभ हुई यह प्रदर्शनी 13 जनवरी 2027 तक संचालित की जाएगी। इस अवसर पर राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के हजारीलाल जी देवड़ा, भगवती जी पारीक, सवाई सिंह जी, जवाहरलाल सेठिया , डॉ अवधप्रकाश जी,कृष्ण जी व्यास,भुवनेश जी गौड़ आदि उपस्थित रहें।

रीपा के स्थापना वर्ष समारोह में सजी राजस्थानी संगीतमय शाम

जयपुर। हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा) के 70 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में शुक्रवार को संस्थान के भगवत सिंह मेहता सभागार में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

- **सांस्कृतिक सप्ताह एवं रन फॉर रीपा के विजेताओं को सम्मानित किया**



मारवाड़ के लंगा कलाकारों ने पारंपरिक लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं, वहीं डांसिंग पीकॉक संस्था की ओर से विश्व प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत किया गया।

एसीएस ट्रेनिंग एवं एचसीएम रीपा की महानिदेशक श्रेया गुहा ने कहा कि संस्थान का 70वां स्थापना वर्ष केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि राजस्थान की जीवंत लोक संस्कृति का सम्मान भी है। रन फॉर रीपा से लेकर इस सांस्कृतिक संध्या तक संस्थान अपनी गौरवशाली परंपरा और उत्कृष्टता के 70 वर्षों का उत्सव मना रहा है।

कार्यक्रम में बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर और जैसलमेर क्षेत्र के सारंगिया लंगा समुदाय के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कासम लंगा के नेतृत्व में कलाकारों ने सारंगी, ढोलक, हारमोनियम और खड़ताल की संगत पर पारंपरिक लोकगीत सुनाए। इन गीतों की विशेषता यह है कि ये लिखित रूप में नहीं, बल्कि पीढ़ियों से गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से संरक्षित हैं।

ARBiT
it happens here...



Invention of the Phonograph

On November 21, 1877, Thomas Edison announced his invention of the phonograph, a revolutionary device that transformed the way humans recorded and experienced sound. The phonograph could capture audio vibrations on a cylinder and reproduce them, allowing music, speeches, and other sounds to be preserved and played back repeatedly. This invention marked the birth of sound recording technology, laying the foundation for the modern music and entertainment industry. Beyond its technical brilliance, the phonograph changed cultural life by making music accessible outside live performances, shaping communication, education, and the global appreciation of recorded sound.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
21 November 2026
A-B

#SILK?

How Many Bananas Are in Your Silk Saree?

Chemically different from conventional silk, "Banana silk" generally describes a banana-derived textile with a smooth, soft or silk-like appearance



Banana silk sarees are gaining attention in India, marketed as unusual, sustainable and luxurious fabrics made from material that would otherwise be discarded.

But there is a fascinating question behind the name: How many bananas are actually in your banana silk saree?

The answer is more complicated than you might think.

First, "banana silk" is a popular textile name, not actual silk. The fibre comes from the banana plant's pseudostem, the thick, trunk-like structure supporting its leaves. Botanically, it is not a true woody stem but a tightly packed structure of leaf sheaths.

After a banana bunch is harvested, the pseudostem is usually cut down, creating a large agricultural residue stream. This makes it an attractive source of natural fibre. Banana pseudostem fibre is largely lignocellulosic, with cellulose as its major component.

From Plant Waste to Textile

The pseudostem contains multiple layers, and fibres extracted from different layers can have different characteristics. Some are stronger and coarser, while others may be finer and softer. Fibre properties also vary with the banana variety and processing method.

Before becoming yarn, the fibres must be extracted, cleaned and processed. This can involve significant manual labour, mechanical extraction and, depending on the desired qualities, enzymatic or chemical treatments.

And this is where the term "banana silk" can become misleading. Banana fibre is a plant-derived, cellulose-based fibre. It is not produced by silkworms and is chemically different from conventional silk. "Banana silk" generally describes a banana-derived textile with a smooth, soft or silk-like appearance.

Importantly, a saree labelled banana silk does not necessarily mean the entire saree is made from banana fibre. Banana fibre may be blended with cotton, viscose, silk or other fibres to make yarn easier to spin, weave and wear.

For a fine saree, consistency is critical. Raw banana fibres can be relatively stiff and difficult to process into very fine, uniform yarn. Researchers have therefore explored treatments to soften the fibres and remove non-cellulosic components.

Banana Fibre Is Not Viscose

Another common misconception is that banana fibre is essentially the same as viscose because both contain cellulose.

They are not.

Viscose is a regenerated cellulose fibre: plant-derived cellulose is chemically dissolved and then regenerated into fibres. Banana pseudostem fibre can instead be extracted directly from the plant as a natural lignocellulosic fibre, although it may subsequently undergo mechanical, physical, enzymatic or chemical treatment.

The Real Sustainability Story

Banana fibre's strongest environmental argument is not that it has zero impact. Extraction, washing, bleaching, dyeing, softening and finishing can all require energy, water or chemicals.

Its real promise is that it can turn agricultural residue into a valuable raw material. This could create additional income opportunities for farmers, artisans and fibre processors while making better use of biomass that would otherwise be discarded.

So, when buying a "banana silk" saree, don't just ask whether it contains banana. Ask:

- What is the fibre composition?
- What percentage is banana fibre?
- Is it banana pseudostem fibre or regenerated cellulose?
- Is it blended with other fibres?
- Where was the fibre extracted, yarn spun and saree woven?
- Can the seller provide production or composition details?

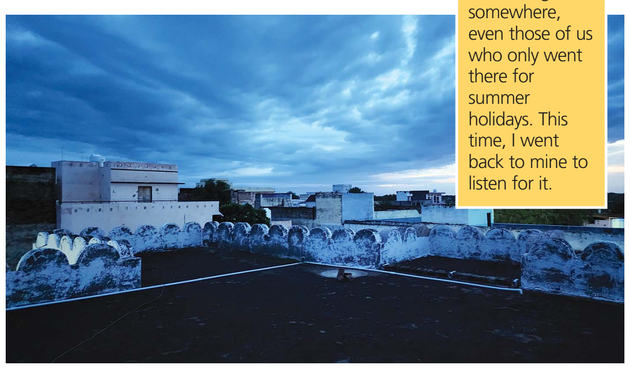




The Sound At Dusk

PART: 1

Every one of us has a village somewhere, even those of us who only went there for summer holidays. This time, I went back to mine to listen for it.





Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

#THE VILLAGE REMEMBERS

Whenever someone mentions my village, Leelki, I don't know why, but something in me relaxes, no matter where I am. Perhaps, it is those unhurried days I have spent gazing at nothing, basking in the winter sun, eating whatever was put in front of me, and then, a little more because someone insisted. Days with no meetings, no deadlines and no clock. Only the sun to tell you it was time to eat, and the dark to tell you it was time to sleep.

Everywhere else, even my holidays come with a to-do list. In Leelki, doing nothing was the whole plan, and nobody thought it was a waste of time. Not the old men at the chaupal, not the cows dozing in the lanes, and certainly, not me.

I suspect everyone who has ever belonged to a village carries a place like this inside them. A name that loosens your shoulders the moment you hear it.

Mine is called Leelki.

In the city, summer holidays meant homework, tuition and being told not to go out in the sun. In the village, summer holidays meant nobody knew where you were all day, and nobody minded. The journey itself was half the fun. The bags packed with gifts for everybody, the sweets from the city, the endless counting of how many kilometres were left, and that first glimpse of the village rising out of the sand, smaller than you remembered and somehow bigger at the same time.

Dunes With Permanent Residency

I have always been fascinated by sand dunes. The way they form, smooth and flowing like a river, and travel with the wind. In my village, Leelki, which is in Churu near Sadulpur, sand dunes have permanent residency. There was a time my cousins and I would run to them as children, play around and carry half the sand home, much to the chagrin of our mothers, who would grumble while scrubbing our hair and faces clean.

Forty years later, things have changed. The sand dunes are now held captive by the undulating roads and the trees planted by their sides.

I remember once that our old car got stuck in the sand dunes just near Leelki. It was night and our people were expecting us. My parents, my brother and I sat in that cold, moonlit night, waiting for the rescue team to arrive. We weren't worried, because in a village in those days, you didn't have to worry. No cellphones, no worry. Soon, there was a tractor, and the men who pulled the car out helped us drive home and then gave us freshly prepared bajra roti, makhan and sabji. Something no dhaba, no hotel can ever recreate.

But the roads are lovely now, and I am not complaining. They make going to the village easier. They also make leaving it easier.





Dusky Skies, Moonlit Nights

It was almost dusk when we reached Leelki this time. I had come to vote. I pulled a charpai into the courtyard, sat down and waited.

I was waiting for a sound.

When I was a child, evenings in the village always came with the same sound. Children shouting somewhere far away, three or four lanes down, behind walls I could not see. Someone was winning, someone was losing, someone was complaining that it was not fair. Then, a mother would call out a name, once, twice, and the third time with a warning attached.

I sat there till the sky turned grey.

The sound never came.

So, I climbed up to the terrace instead. The sky over Leelki was putting on a show for nobody, dark clouds above and a long strip of orange and pink along the edge of the world. The only thing standing tall against it was the mobile tower.

Then, the lights began to come on in the houses. I counted them. It did not take long.

Later that night, the moon came up behind the clouds, wrapped in a ring of light, the same moon that had kept us company the night our car got stuck in the dunes. It still rises over Leelki every night, looking down at the same lanes, the same rooftops, the same kangura walls. There was a time when standing on the terrace, I could talk to my neighbours, and their neighbours, who had come up to watch the moon too. This time, no one was watching.

Cheenu Baisa

I am the eldest in my extended family, which in a Rajasthani village is not an age, it is a rank. To the children I was Jeeja, or Buasa, or whatever our relation made me. To the whole village, I was Baisa. And to the elders, I was simply Cheenu.

When I was a child, the moment our car stopped in the lane, the children came running. My age, younger, some barely walking, all of them at our door. We played till our knees were brown with sand.

You know what the best thing about village food is? Whenever anyone cooks, the aroma wafts across the village. The desi ghee, the simple sabji, the lasun chutney. Desi fare, but delicious. I felt it was my birthright to go to the house with the strongest aroma and demand food. It didn't matter who they were or what they were. I was Cheenu Baisa, whom no one could refuse. I was made to sit, fed by hand and then delivered safely to my own house. My parents never worried about me.

And no matter how much ghee went into me, I never once knew indigestion. Maybe, it was the water. Maybe, it was all that running around.

The Rules Nobody Wrote Down

If you have ever woken up in a village, you will know that the day does not begin with an alarm. It begins with sounds. It begins with a bhajan being played in the mandir. A cow asking for her breakfast. A bucket knocking against stone. Women's voices, already half a day ahead of you. You lie under a razai that almost becomes your second home (my father calls it razaipur) and realise you are perfectly, stupidly happy.

Then, there are the rules that nobody ever wrote down but everybody followed. You touch the feet of every elder, whether you can place them or not. Many of them hold a quiz of sorts, and you look around for someone to mouth the answer from afar, and then, you act as if you remembered all along. You eat whatever is put in front of you, and then, you eat the second helping that arrives whether you asked for it or not. You never say no to a glass of chaas. And when it is time to leave, some old aunty presses a crumpled note into your palm and folds your fingers over it so that your mother cannot see. Every village in India runs on these rules. Leelki was no different.

Lantern Nights

I remember when there was no electricity in the village. We loved going there because in the evening, no one could force us to study by the light of the lanterns. But that is exactly what I loved doing: watching the shadows play on the walls while Janki dadi, who had come with my grandmother as part of her entourage when she married, cooked in the old degchi on the chulha. On cold winter nights, we loved sitting around that chulha and eating hot bajra rotis and kadhi.

The summers had their own magic. Before India ever knew air conditioning, there were jharokhas in our village haveli. Small windows, large enough that the residents, especially the women, could see outside and small enough that no one could peek inside. The pardah was always there, but with a cool breeze. Open two facing windows in a room and the breeze flowed in, and the room became cold enough for a Jaipuri razai in summer. Fresh air with no voltage and no AC in those days.

We, children, would lie on the cool floor in the afternoons, when the whole village slept, and listen to the loo howling outside like it wanted to be let in. It never was. The old houses knew how to keep the desert out. They were built by people who had never heard the word architect, and not one of those houses ever needed an AC mechanic.

The Kund

There are no wells in Leelki. What we have instead is the kund.

Every house has one, a covered tank built into the courtyard, with a small mouth and a heavy lid. It stores water for the summers, when the desert does its worst and every drop has to be counted. The kund in our house has been there since 1947. It is as old as independence. It was dug when the country was being divided and a new life was being built out of whatever was left, and it has outlived almost everyone who stood around it that year. It has seen every generation of our family, the ones I knew and the ones I only know from faded photographs.

When I was a child, the kund was the quiet centre of the house. A bucket went down on a rope, hit the water with a hollow splash that echoed back up, and came out heavy and cold. I would lean over the edge to peer into the dark, and somebody would always pull me back by my frock. To this day, I am convinced that the water from that kund was sweeter than anything that has ever come out of a tap in Jaipur.

Bucket in, bucket out. Year after year, the kund gave and the house took. In the desert, water is not something you waste. You learn that before you learn your tables. Not a drop was thrown away carelessly.

Think of everything it must have heard. The weddings, with the whole courtyard singing. The deaths, with the whole courtyard silent. Babies crying for the first time. Daughters crying on the day they left for their in-laws. Arguments, gossip, secrets whispered by women who thought nobody was listening.

Somebody was always listening. The haveli has its jharokhas and the courtyard has its chulha, but if any one thing in Leelki knows the whole story of my family, it is the kund.

It has been listening since 1947.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

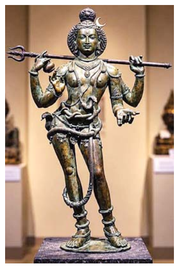






#BHIKSHATANA

When Lord Shiva Became a Wandering Beggar



His journey continued until he reached Varanasi, where he was finally released from the burden of the skull

One of the most fascinating and unconventional representations of Lord Shiva in Indian religious art is Bhikshatana, the divine mendicant who wanders from place to place seeking alms. In this extraordinary manifestation, the Supreme Lord, who is believed to possess the entire universe, appears as a naked ascetic, carrying a human skull as a begging bowl. The image challenges conventional ideas of divinity, power and wealth, presenting renunciation as the highest form of spiritual freedom.

The story of Bhikshatana is rooted in Shaivite mythology. According to a popular tradition, Lord Shiva severed the fifth head of Lord Brahma, who originally had five heads. The act was associated with Brahma's arrogance and pride. However, the severed skull became attached to Shiva's hand, and he incurred the consequence of Brahmahatya, the sin of killing a Brahmin. To atone for this act, Shiva was condemned to wander across the world as a mendicant, carrying Brahma's skull, known as the Kapala, as his begging bowl.

His journey continued until he reached Varanasi, where he was finally released from the burden of the skull. This episode is closely associated with the sacred traditions of Kashi, where Shiva is worshipped as the liberator from worldly bondage and the cycle of birth and death.

The Bhikshatana form is particularly interesting because it presents Shiva in a manner very different from his familiar image as the cosmic dancer, the meditating yogi or the powerful destroyer. Here, he is a wandering ascetic, seemingly stripped of everything except his divine identity.

The Symbolism of Bhikshatana

The bronze sculptures of Bhikshatana, particularly those produced during the Chola period in South India, are remarkable examples of the artistic imagination of ancient Indian sculptors. Shiva is generally depicted with four arms, a slender and youthful body, flowing matted hair and a crescent moon adorning his head. His posture suggests movement, as though he is walking through the world on his endless journey.

One of his hands holds the skull bowl, while other attributes reflect his divine and ascetic nature. A serpent often appears around his waist, symbolising his mastery over fear, death and the forces of nature. His matted locks represent his identity as the supreme yogi, while the crescent moon connects him with cosmic time and the rhythms of creation.

His unclothed appearance is especially significant. It represents complete renunciation, freedom from material possessions and the absence of worldly inhibitions. He has nothing to own, nothing to protect and nothing to desire. The skull bowl is perhaps the most powerful element of the representation. It reminds devotees of mortality and the impermanence of the physical body. Even the greatest earthly achievements eventually disappear, while spiritual truth remains beyond material existence.

The Artistic Brilliance of the Cholas

The Bhikshatana image acquired remarkable artistic expression during the Chola dynasty, particularly between the 10th and 12th centuries CE. Chola bronze sculptures are celebrated for their sophisticated proportions, graceful movements and exceptional attention to detail. Using the traditional lost-wax casting technique, known as Muchhishta Vidhana, artisans created bronze images that combined religious devotion with extraordinary craftsmanship. The technique allowed sculptors to produce intricate details, delicate ornaments, flowing hair and naturalistic body movements.

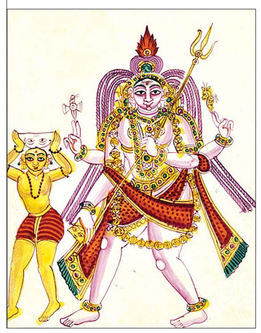
Unlike monumental stone sculptures that remained fixed within temples, bronze images were often carried in religious processions. The Bhikshatana form, with its distinctive walking posture, was particularly suited to the idea of a wandering deity moving among devotees. These sculptures demonstrate how Indian artists translated complex philosophical ideas into visual forms. Every detail, from the skull bowl to the flowing locks, contributes to the larger narrative of renunciation and spiritual liberation.

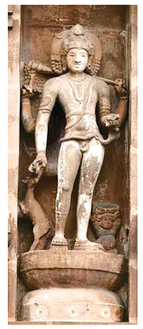
The Paradox of the Supreme Beggar

The greatest philosophical message of Bhikshatana lies in its apparent contradiction. Shiva is the supreme being, the creator, preserver and destroyer of the universe, yet, he chooses to appear as someone who owns nothing and asks others for alms.

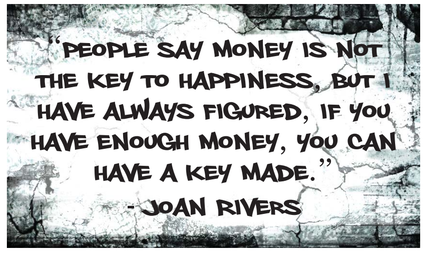
Why would the Lord who can grant every possible blessing need to beg? The answer lies in the spiritual philosophy of renunciation. Bhikshatana teaches that true greatness does not come from wealth, authority or possessions. It comes from freedom from attachment. By appearing as a beggar, Shiva reminds humanity that material abundance is temporary and that the pursuit of possessions cannot provide lasting fulfilment.

He is simultaneously the giver and the seeker, the supreme authority and the wandering ascetic. This paradox makes Bhikshatana one of the most profound representations of Shiva in Indian art. The image ultimately conveys a timeless message: the one who possesses everything can willingly live without anything. In becoming a beggar, Shiva demonstrates that true divinity lies not in acquiring the world, but in transcending it.





THE WALL



BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman



देवउठनी एकादशी पर पुष्कर सरोवर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एकादशी से पूर्णिमा तक चलेगा पांच दिवसीय तीर्थ स्नान, दान पुण्य भी किया

पुष्कर। तीर्थराज पुष्कर में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने ब्रह्म सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। एकादशी के साथ ही पुष्कर सरोवर में पांच दिवसीय तीर्थ स्नान का शुभारंभ हो गया, जो कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा।

इस अवसर पर पुष्कर सरोवर के 52 घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड पडी। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना और दान-पुण्य कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। देवउठनी एकादशी और भीष्म पंचक योग के संयोग के चलते इस बार स्नान का विशेष धार्मिक महत्व रहा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी से पूर्णिमा तक ब्रह्म सरोवर में पांच दिवसीय स्नान करने से भगवान लक्ष्मीनारायण प्रसन्न होते हैं और श्रद्धालुओं को अक्षय गुणा धार्मिक फल की प्राप्ति होती है। इसी मान्यता के चलते देश के विभिन्न क्षेत्रों से बडी संख्या में श्रद्धालु पुष्कर पहुंचे पुष्कर के प्रसिद्ध पंडित कैलाश नाथ दाधीच ने बताया कि देवउठनी एकादशी का पर्व शुक्रवार से प्रारंभ हुआ। शनिवार को सूर्योदय की उदया तिथि के अनुसार दोपहर तक एकादशी स्नान और पूजा का योग रहेगा। शुक्रवार सुबह सवा सात बजे बाद एकादशी स्नान का योग शुरू होने के साथ ही बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान कर पूजा-अर्चना और दान-पुण्य किया। उन्होंने बताया कि इस बार एकादशी पर भीष्म पंचक का भी विशेष योग बना है। भीष्म पंचक के दौरान तीर्थ पुष्कर सरोवर में स्नान, पूजा-अर्चना और दान-पुण्य करने का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसी कारण श्रद्धालुओं में स्नान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।



पुष्कर सरोवर के 52 घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड़ पड़ी।

- हजारों श्रद्धालुओं ने किया महास्नान, परिवार की खुशहाली की कामना की

भीलवाड़ा: जिला परिषद के 45 वार्डों के परिणाम घोषित, कांग्रेस का वर्चस्व

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में आयोजित पंचायत आम चुनाव-2026 के वार्डवार मतगणना परिणाम जारी कर दिए गए हैं। कुल 45 वार्डों में हुए इस चुनाव में मुख्य मुकाबला इंडियन नेशनल काँग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच देखने को मिला। काँठोस ने कई वार्डों में बडी जीत दर्ज की, जबकि भाजपा प्रत्याशियों ने भी कई सीटों पर कडा मुकाबला प्रस्तुत किया।

- चुनाव परिणामों में सबसे बडी जीत वार्ड संख्या 17 से सामने आई, जहाँ कांग्रेस प्रत्याशी सांवर लाल जाट ने भाजपा प्रत्याशी नेमी चंद जोशी को 4,110 मतों के भारी अंतर से हराया।
- वार्ड 1 से काँठोस की पूजा गुर्जर ने भाजपा की नोसी बाई को 258 मतों से, वार्ड 2 से कांठोस की कैलाश देवी तिवारी ने भाजपा की रेखादेवी को 1,693 मतों से, और वार्ड 3 से काँठोस की गीता देवी ने भाजपा की सीता देवी को 1,015 मतों से हराया।

चुनाव परिणामों में सबसे बडी जीत वार्ड संख्या 17 से सामने आई, जहाँ काँग्रेस प्रत्याशी सांवर लाल जाट ने भाजपा प्रत्याशी नेमी चंद जोशी को 4,110 मतों के भारी अंतर से हराया। इसी प्रकार वार्ड संख्या 30 में भी कांग्रेस के कमल सिंह ने 15,180 मत प्राप्त कर भाजपा के अमर सिंह राजपूत को 3,989 मतों से पराजित किया। दूसरी ओर, वार्ड संख्या 29 में मुकाबला बेहद कडा रहा, जहाँ कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता देवी कौशिक ने मात्र 11 मतों के अंतर से भाजपा की सरोज देवी को हराकर अपनी जीत दर्ज कराई। सभी 45 वार्डों के विस्तृत परिणामों में विजयी और निकटतम प्रतिद्वंदियों का विवरण इस प्रकार रहा: वार्ड 1 से काँग्रेस की पूजा गुर्जर ने भाजपा की नोसी बाई को 258 मतों से, वार्ड 2 से कांग्रेस की कैलाश देवी तिवारी ने भाजपा की रेखादेवी को 1,693 मतों से, और वार्ड 3 से काँग्रेस की गीता देवी ने भाजपा की सीता देवी को 1,015 मतों से हराया। वार्ड 4 में भाजपा के सुखालाल ने कांग्रेस के प्रेमचन्द कुमावत को 545 मतों से मात दी, वहीं वार्ड 5 में भाजपा की किस्मत कंवर नें कांग्रेस की पुष्पा देवी गुर्जर को 1,686 मतों से और वार्ड 6 में भाजपा की कंकू नै कांग्रेस की पारसी देवी को 1,717 मतों से पराजित किया। वार्ड 7 में काँग्रेस की कंकु देवी 1,125 मतों से, वार्ड 8 में काँग्रेस की राम कन्या गाडरी 1,239 मतों से, वार्ड 9 में काँग्रेस के राज मल शर्मा 373 मतों से विजयी रहे।

अवैध स्मैक बरामदगी के आरोपी को 4 साल की सजा

जोधपुर, 20 नवंबर (कासं) । एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने 11 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामदगी के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी अजीत उर्फ पपु विश्नोई पुत्र मानाराम निवासी खेडी सालवा, हाल मदेरणा कॉलोनी, जोधपुर को 4 वर्ष का कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना राशि नही भरने पर 3 माह का अतिरिक्त रूप से कठोर कारावास भुगतने का दण्डादेश पारित किया। राजस्थान सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त विशिष्ट लोक अभियोजक मनोहर लाल पालीवाल न्यायालय एनडीपीएस मामलात जोधपुर ने बताया कि 20 अगस्त 2015 पुलिसथाना नागोरी गेट के तत्कालीन थानाधिकारी मदन बेनिवाल मय जाब्ता गस्त करते हुए फुलेराव पार्क के पास पहुंचे तो पार्क के पास खड़ा एक व्यक्ति पुलिस गाड़ी को देखकर भागने का प्रयास किया तब थाना अधिकारी में ने उसे रुकने का कहा । लेकिन वह दौडने लगा । तब पुलिस जाता द्वारा दौडक़र रोका और वापस गाड़ी के पास लेकर आए । जिससे थाना अधिकारी द्वारा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अजीत उर्फ पप्पू बिश्नोई पुत्र मानाराम निवासी खेडी सालवा हाल मदेरणा कॉलोनी, जोधपुर होना बताया। इसके भगाने का कारण पूछा तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया । जिसके पेंट की की तलाशी ली तो जेब में एक प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मिली जिसमें काले रंग की छोटी-छोटी थैलियां की पुडिय़ां नजर थी। जिनके बारे में अजीत उर्फ पप्पू को पूछा तो उसने नाग की पुडिय़ां होना बताया तथा थाना अधिकारी में जाब्ता द्वारा खोलकर देखा। वह पाउंडरनुमा स्मेक पाई गईं।जोकि बीस ग्राम थी। आरोपी को गिरफ्तार किया। अनुसंधान के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने दौराने बहस न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उतरोतर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पडने की वजह से आरोपी को कठोर से कठोरतम सजा देने की मांग की।

पंचायत चुनाव में जनता ने कांग्रेस को समर्थन दिया

अजमेर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं सह-प्रभारी जिला भीलवाड़ा कैलाश झालीवाल ने पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता ने भाजपा सरकार को स्पष्ट संदेश दिया है। सत्ता के अहंकार और खोखले दावों से सरकारें नहीं चलतीं, बल्कि जनता की समस्याओं का समाधान करना जरूरी है।झालीवाल ने कहा कि सीकर जिले में शहरी विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की पत्नी शांति देवी और उनके दोनों बेटों की चुनाव में हार भाजपा सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक संदेश है। भाजपा के कई अन्य प्रमुख नेताओं के परिवारों को भी हार का सामना करना पड़ा है।

पठान खान पर जैसलमेर से सेना की गोपनीय सूचनाएं भेजने का आरोप

जैसलमेर। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जैसलमेर जिले में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार पठान खान को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। राजस्थान इंटेलिजेंस के अनुसार पठान खान वर्ष 2013 में पाकिस्तान गया था। वहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों से हुई। आरोप है कि धन का लालच देकर उसे पाकिस्तान में जासूसी का प्रशिक्षण दिया गया था । राजस्थान इंटेलिजेंस के अधिकारियों के अनुसार पठान खान जैसलमेर के मोहनगढ़ क्षेत्र के जीरो आरडी का निवासी है। वह पाकिस्तान से लौटने के बाद भी पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में रहा। आरोप है कि वह जैसलमेर की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ी संवेदनशील एवं गोपनीय जानकारियां सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में यह भी सामने आया कि पठान खान ने पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों को जासूसी गतिविधियों के लिए भारतीय सिम कार्ड उपलब्ध करवाए थे। इसके बदले उसे विभिन्न माध्यमों से धनराशि दिए जाने की बात भी सामने आई है।

- 2013 में पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में आया, आईएसआई के लिए लंबे समय से कर रहा था जासूसा
- जैसलमेर अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील जिला है। यहां सेना की आवाजाही के साथ समय-समय पर सैन्य अभ्यास भी होते रहते हैं।

जैसलमेर अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील जिला है। यहां सेना की आवाजाही के साथ समय-समय पर सैन्य अभ्यास भी होते रहते हैं। इसी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के दौरान पठान खान की गतिविधियां सुरक्षा एजेंसियों के संदेह में आईं। इसके बाद उससे विभिन्न केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त पूछताछ केंद्र जयपुर में पूछताछ की। राजस्थान इंटेलिजेंस ने 1 मई 2025 को पठान खान को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत मामला दर्ज किया। मामले में जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि उसने पाकिस्तान को कितनी संवेदनशील सूचनाएं उपलब्ध करवाईं और इस गतिविधि में अन्य कोई व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। सीमावर्ती जैसलमेर में इस प्रकरण ने एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक सूचनाओं की गोपनीयता को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का महत्व उजागर किया है।

फिटनेस मॉर्निंग में दिया फिट रहने का संदेश

भीलवाड़ा। जीतो भीलवाडा चैप्टर के मार्गदर्शन में जीतो भीलवाडा लेडिज विंग द्वारा जीतो स्पॉर्ट्स के तहत गुरूवार को होटल जय विलास में फिटनेस मॉर्निंग- जुम्बा, एथलेटिक्स एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रामाणिक जुम्बा प्रशिक्षक आकांक्षा नामा ने अपनी टीम के साथ वार्म अप ओर कार्डियों जैसे एथलेटिक अभ्यासों के साथ उर्जा से भरपुर जुम्बा, स्ट्रेचिंग एवं फेशियल योग का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित व्यायाम करने से शरीर का स्टेमिना तथा सहनशक्ति बढ़ती है। इससे शरीर में लचीलापन आने के साथ मुद्रा (पॉश्चर) सुधरती है। इन क्रियाओं का नियमित अभ्यास करने से हृदय स्वस्थ रहने के साथ तन एवं मन में संतुलन बना रहता है जो शरीर के फिट रहने का मूल आधार है। नामा ने कहा कि यहां जो भी क्रियाएं सीखी है उसे निरन्तर फॉलो करते रहना है ताकि हम हमेशा फिट बने रह सके। फिटनेस मॉर्निंग में उत्साह के माहौल में आपसी मेलजोल बढ़ाने के लिए कई तरह के गेम्स भी खिलाए गए जिनका सदस्यों ने भरपुर आनंद लिया ।

गांव की सरकार के नतीजों ने भाजपा को दिया बड़ा झटका

जोधपुर । पंचायती राज चुनाव 2026 के परिणामों ने जोधपुर जिले की राजनीति में नए सियासी समीकरण खड़े कर दिए हैं। गांव की सरकार के चुनाव में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पडता नजर आया।

बालेसर, शेरगढ, लूणी, ओसियां और भोपालगढ सहित ठाामीण क्षेत्रों में पंचायत समितियों के परिणामों ने भाजपा के कई दिग्गज नेताओं और विधायकों की राजनीतिक प्रतिष्ठा को सवालों के घेरे में खडा कर दिया है। इन चुनावों को केवल पंचायत समितियों और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव के रूप में नहीं देखा जा रहा था, बल्कि इसे ठाामीण क्षेत्रों में विधायकों के जनाधार और उनके राजनीतिक प्रभाव की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा था। खास तौर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं लूणी विधायक जोगाराम पटेल, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, बिलाडा विधायक अर्जुनलाल गर्ग और शेरगढ विधायक बाबूसिंह राठौड के क्षेत्रों में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से पार्टी के भीतर राजनीतिक मंथन शुरू हो गया है । पंचायत समितियों के चुनाव परिणामों में कांठोस को अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में बहुमत मिलने से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

चुनाव परिणामों ने यह संकेत दिया है कि ग्रामीण मतदाताओं के बीच कांठोस अपनी राजनीतिक पकड मजबूत करने में कामयाब रही है। वहीं भाजपा के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय बन गए हैं। विशेष रूप से प्रदेश सरकार में मंत्री और सत्ताधारी दल के विधायकों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भाजपा का कमजोर प्रदर्शन कई सवाल खडे कर रहा है। अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आखिर सरकार और संगठन की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बावजूद ठाामीण मतदाताओं ने भाजपा से दूरी क्यों बनाई? लूणी विधानसभा क्षेत्र में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल के लिए चुनाव परिणाम राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इसी तरह ओसियां में विधायक भैराराम सियोल के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिलना पार्टी के लिए चिंता का विषय है। शेरगढ में विधायक बाबूसिंह राठौड के क्षेत्र में भी भाजपा को चुनावी झटका लगा है। बिलाडा क्षेत्र में भी परिणामों ने भाजपा की रणनीति पर सवाल खडे किए हैं। इन नतीजों के बाद भाजपा के सामने सबसे बडी चुनौती ग्रामीण क्षेत्रों में खोए हुए जनाधार को वापस हासिल करने की होगी। वहीं कांग्रेस इन परिणामों को अपनी राजनीतिक मजबूती और ठाामीण मतदाताओं के बीच बढते विश्वास के रूप में देख रही है। जोधपुर जिले के चुनाव परिणामों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) भी तीसरे राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरती दिखाई दी है।

- भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से पार्टी के भीतर राजनीतिक मंथन शुरू हो गया है

स्पेशल लोक अदालत आज

भीलवाडा। जिले में चेक अनादरण (एनआई एक्ट की धारा-138) से जुड़े लंबित मामलों के आपसी राजीनामे से त्वरित निस्तारण के लिए शनिवार को स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली इस लोक अदालत के लिए भीलवाडा न्यायाक्षेत्र में 12 बैंचों का गठन किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य ने बताया कि लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने जिले के सभी न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। गठित 12 बैंचों में सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी, अपर जिला न्यायाधीश स्तर के अधिकारी और अनुभवी अधिवक्ता सदस्य पक्षकारों के बीच समझाइश कर प्रकरणों का निस्तारण करेंगे। सचिव आर्य ने बताया कि लोक अदालत में एनआई एक्ट धारा-138 के प्रकरणों के साथ-साथ एसबीआई और यूनियन बैंक के लंबित व प्री-लिटिगेशन मामले भी रखे जाएंगे। इस दौरान बैंकों की ओर से वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) ऑफर और ब्याज राशि में विशेष राहत प्रदान की जाएगी।

अजमेर जिला परिषद में भाजपा का कमल खिला, 19 सीटों के साथ बहुमत

अजमेर। पंचायती राज चुनाव 2026 के तहत अजमेर जिला परिषद के सभी 33 वार्डों के परिणाम घोषित हो गए हैं। भाजपा ने 19 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस को 12 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2 सीटें मिलीं।

- चुनाव में सबसे बड़ा उलटफेर दो बार जिला प्रमुख रह चुकीं पूर्व विधायक सुशील कंवर पलाड़ा की हार रहा

चुनाव में सबसे बड़ा उलटफेर दो बार जिला प्रमुख रह चुकीं पूर्व विधायक सुशील कंवर पलाडा की हार रही। वार्ड संख्या 2 में उन्हें कांग्रेस की लक्ष्मी कंवर ने पराजित किया। उनकी हार के बाद जिला प्रमुख पद की दावेदारी को लेकर भाजपा में नए राजनीतिक समीकरण बनने लगे हैं।जिला प्रमुख पद के लिए वार्ड 13 से विजयी सुनीता लांबा और वार्ड 26 से जीतीं पूजा भंसाली के नाम चर्चा में हैं।

वार्ड 28 में भाजपा के संतोष गुर्जर और कांठोस के ओमप्रकाश गुर्जर को बराबर मत मिले। इसके बाद पर्ची से हुए निर्णय में भाजपा के संतोष गुर्जर विजयी घोषित किए गए। वहीं वार्ड 3 में कांठोस की गद्दू देवी ने महज 16 मतों से जीत हासिल की। पूर्व विधायक महेंद्र गुर्जर की पत्नी कमलेश गुर्जर ने वार्ड 7 से जीत दर्ज की। कांठोस नेता वाजिद खान चीता की पत्नी रजिया भी चुनाव जीतने में सफल रहीं।

अजमेर जिले की पंचायत समितियों के सभी 180 निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम भी घोषित हो गए हैं। सावर की 15 सीटों में कांठोस ने 13 सीटें जीतीं। पीसांगन की 17 सीटों में कांठोस को 12 और भाजपा को 5 सीटें मिलीं। अजमेर ग्रामीण में कांठोस ने 11 और भाजपा ने 8 सीटें हासिल की, जबकि भिनाय में कांग्रेस को 10 और भाजपा को 9 सीटें मिलीं।

बडल्या पंचायत समिति में भाजपा ने 17 में से 14 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। सरवाड में भाजपा को 9 और कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। श्रीनगर में भाजपा ने 10, कांग्रेस ने 8 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने एक सीट जीती। केकडी में भाजपा को 8 और कांठोस को 7 सीटें मिलीं।

अरांई में भाजपा और कांग्रेस दोनों को 6-6 सीटें मिलीं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने 5 सीटें जीतकर निर्णायक स्थिति हासिल की। किशनगढ (सिलोरा) में भाजपा को 13, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 8 और कांठोस को 6 सीटें मिलीं।

जिला परिषद में बहुमत मिलने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में आतिशबाजी कर जश्न मनाया। अब 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को पंचायत समितियों के प्रधान पद के चुनाव होंगे। अरांई और सिलोरा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

हाथी पर सवार हो तोरण मारने पहुंचे मेवाड़ धणी श्री गढ़बोर चारभुजानाथ

भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाडा की धरा शुक्रवार को अलौकिक भक्ति और अपार श्रद्धा की साक्षी बनी। मौका था ऐतिहासिक 16,108 श्री तुलसी-शालिठााम विवाह महामहोत्सव का, जिसमें स्वयं राजाधिराज मेवाड धणी श्री गढबोर चारभुजानाथ भव्य बारात लेकर भीलवाडा पहुंचे।

शुक्रवार सुबह आजाद नगर स्थित एमपीएस स्कूल से दिव्य बारात शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। बारात की अगुवाई हाथी पर विराजित मेवाड धणी श्री गढबोर चारभुजानाथ कर रहे थे। उनके पीछे भीलवाडा के बडा मंदिर, दूधाधारी मंदिर, संजय कॉलोनी, मांडल, सांगानेर, दांथल, बिलिया तथा श्री सांवरिया सेठ मंदिर (नौगांवा) से पधारे भगवान चारभुजानाथ के बेवाण वाहनों पर सुसज्जित थे। जय कन्हैयालाल की और जय चारभुजानाथ की के जयकारों, बैंड-बाजे की मधुर धुनों और हाथी-घोडों के लवाजमे के बीच हजारों श्रद्धालु नाचते-गाते चल रहे थे। मार्ग में कुंभा सर्किल व पन्नाधाय सर्किल पर शहरवासियों ने बारातियों और देव-विठाहों पर जमकर पुष्प वर्षा की।जब बारात विवाह स्थल मेडिसिटी ठाांडड पहुंची, तो आयोजकों व श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद मेवाड धणी श्री गढबोर चारभुजानाथ ने हाथी पर विराजमान होकर तोरण मारने की रस्म निभाई। इस दिव्य क्षण की झलक पाने के लिए मैदान में श्रद्धा का सैलाब उमड पडा। तोरण रस्म के पश्चात श्री तुलसी-शालिठााम विवाह महोत्सव सेवा समिति, श्री वल्लभ संकीर्तन सेवा संघ, आयोजन के सूत्रधार गौवत्स विष्णुश्री कृष्णतनय महाराज, मुख्य आचार्य योगेंद्र शर्मा और समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी ने बारात की अगवानी की।

मुख्य पांडाल में सबसे आगे श्री गढबोर चारभुजानाथ तथा उनके पीछे भीलवाडा के बडे चारभुजानाथ की विवाह वेदी सजाई गई थी। इसके अलावा विशाल पांडाल में सैकडों वेदियां बनाई गईं, जहां प्रति वेदी चार-चार जोडे यजमान के रूप में बैठे। मुख्य आचार्य योगेंद्र शर्मा के आचार्यत्व में सैकड़ों विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार की रस्में संपन्न कराईं।

इस अलौकिक आयोजन के साक्षी बनने कई गणमान्य नागरिक भी पहुंचे। मंच पर मौजूद भीलवाड़ा सांसद दामोदर अठावाल, विधायक अशोक कोठारी, पूर्व सांसद सुभाष बहेडिया, महापौर जसवंत कंवर एवं उप महापौर राधेश्याम सोमाणी का आयोजक गौवत्स विष्णुश्री कृष्णतनय महाराज ने स्वागत किया। विवाह की रस्में संपन्न होने के बाद शाम को भावुक माहौल में बारात विदाई की रस्म अदा की गई।



भीलवाड़ा में तुलसी-शालिग्राम विवाह महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया।

- मुख्य आचार्य योगेंद्र शर्मा के आचार्यत्व में सैकड़ों विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिठाहण संस्कार की रस्में संपन्न कराईं।

नागौर में पंचायत चुनाव के नतीजों में आरएलपी का दबदबा

नागौर। राजस्थान के पंचायती राज चुनाव 2026 के परिणामों ने नागौर जिले की राजनीति में नई तस्वीर सामने आई है। पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव के सामने आए नतीजों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपी ने कई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए जिला परिषद में पूर्ण बहुमत हासिल किया है। वहीं कांठोस ने डेगाना सहित कुछ क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि भाजपा को भी विभिन्न पंचायत समितियों में सीटें मिली हैं। नागौर जिला परिषद के सभी 37 वार्डों के परिणाम घोषित हुए हैं। इनमें आरएलपी ने 19 सीटों पर जीत दर्ज कर बहुमत का आंकडा छू लिया है। कांठोस को 11 और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 7 सीटों पर संतोष करना पडा। जिला परिषद में बहुमत के लिए 19 सीटों की आवश्यकता थी, जिसे आरएलपी ने हासिल कर लिया।

पंचायत समिति के आए परिणामों में पांचौडी क्षेत्र में ने सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज कर अपना खाता पूरी तरह अपने नाम किया। यहां कांठोस एक भी सीट नहीं जीत सकी, जबकि भाजपा के 4 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की । खींवसर पंचायत समिति की 17 सीटों में से आरएलपी ने 11 सीटें जीतकर अपना दबदबा कायम किया। कांग्रेस के 5 और भाजपा के एक प्रत्याशी को जीत मिली।

- आरएलपी ने जिला परिषद में 19 सीटें जीतकर बनाया बहुमत
- पांचौडी में क्लीन स्वीप, खींवसर में 11 सीटों पर कब्जा, डेगाना में कांठोस सबसे आगे, जिला परिषद में कांग्रेस को 11 और भाजपा को मिलीं 7 सीटें

डेगाना पंचायत समिति में कांठोस ने सबसे अधिक 12 सीटों पर जीत दर्ज की। यहां भाजपा को 5, आरएलपी को 4 और निर्दलीय प्रत्याशियों को 2 सीटों पर सफलता मिली वहीं मेड़ता रोड-गोटन क्षेत्र में आरएलपी के 8 प्रत्याशी विजयी रहे। भाजपा ने 6, कांठोस ने 2 और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। नागौर पंचायत समिति के सामने आए परिणामों में कांठोस ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि आरएलपी को 5 और भाजपा को 2 सीटें मिलीं। इसके अलावा 2 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी जीत हासिल की। जिला परिषद के सभी 37 वार्डों के परिणामों में को 19, कांठोस को 11 और भाजपा को 7 सीटें मिली हैं। इस तरह ने जिला परिषद में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। अब जिला परिषद की आगामी राजनीतिक गतिविधियों और गठन को लेकर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। नागौर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जिले में मतगणना की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई जा रही है। मतगणना के दौरान कुछ तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं, जिन्हें तकनीकी टीम ने तत्काल दुरुस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि मतगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से हुई है। तथा परिणामों की घोषणा नियमानुसार की गई पंचायत चुनाव के इन परिणामों से नागौर जिले की स्थानीय राजनीति में दलों की स्थिति की नई तस्वीर सामने आई है। विशेष रूप से जिला परिषद में आरएलपी का बहुमत और पांचौडी व खींवसर में मिली जीत चुनाव के प्रमुख परिणामों में शामिल रही।

ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने वाली गैंग गिरफ्तार, किराए पर लग्जरी कारें लेकर बनाते थे वीडियो

चोरी करने भी किराए की लग्जरी कारों से आते थे, टीम वर्क से करते थे चोरियां

उदयपुर, (कास)। लग्जरी गाड़ियों में रील बनाकर सोशल मीडिया पर रौब दिखाने और महंगे शौक पूरे करने के लिए सरकारी संपत्ति को निशाना बनाने वाले गिरोह का उदयपुर जिले की भीण्डर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनके कब्जे और निशानदेही से चोरी का 300 लीटर ट्रांसफार्मर तेल बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी अब तक 100 से अधिक सरकारी बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी कर चुके हैं।एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि आरोपी किराए की लग्जरी कारों से रात में वारदात करने पहुंचते थे। वे ड्रिल मशीन से ट्रांसफार्मरों में छेद कर तेल निकालते थे।

गिरोह दो टीमों में काम करता था। एक टीम तेल निकालती जबकि दूसरी टीम पिकअप वाहन से तेल एकत्र कर ले जाती थी। इस तरह एक ही रात में कई ट्रांसफार्मरों को निशानाबनाया जाता था।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी का तेल बेचकर मिलने वाली रकम को वे लग्जरी कारों को किराए पर लेने,महंगे शौक,और खाने.पीने में खर्च कर देते थे।

पुलिस ने बताया कि बिजली विभाग भींडर के कनिष्ठ अभियंता उत्सव कुमार ने 14 नवंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि दवेला तालाब,हिंता और बांडा मगरा गांवों में किसानों के कृषि क्षेत्रों में स्थापित विभागीय सिंगल व थ्री.फेज बिजली ट्रांसफार्मर लगे थे। जिनमें से रात के समय अज्ञात चोरों ने तेल चोरी कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू। आसपास सीसीटीवी खंगालकर और मुखबिर से जानकारी जुटाकर आरोपियों की पहचान की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे किसी निजी व्यक्ति की बजाय सरकारी ट्रांसफार्मर को ही निशाना बनाते थे। चोरी का तेल बेचकर मिलने वाले रुपयों से महंगे शौक और खाने.पीने का खर्च पूरा करते थे।आरोपी चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए दो अलग.अलग टीम बनाकर काम करते थे।

पहली टीम किराए के वाहनों से घटना स्थल पहुंचती थी और बिजली के ट्रांसफार्मरों में ड्रिल मशीन से छेदकर तेल निकालती थी।फिर दूसरी टीम पिकअप वाहन लेकर आती और निकाले गए तेल को इकट्ठा कर ठिकाने लगाती थी। इसी दौरान पहली टीम वापस दूसरे ट्रांसफार्म से तेल निकालने निकल जाती थी। एक ही रात में कई ट्रांसफार्मर को निशाना बनाते थे।

थानाधिकारी मुकेशचन्द्र के अनुसार गिरोह के कपासन चित्तौड़गढ़ निवासी लोकेश पुत्र शंकरलाल,भदेसर निवासी कानसिंह पुत्र इन्द्रसिंह,भीण्डर के बड़गांव निवासी भावेश उर्फ गोटा पुत्र भगवानलाल,गाडरियावास निवासी विनोद पुत्र देवीलाल,वाना खेरोदा निवासी कमलेश कुमार पुत्र प्रभुलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी का 300 लीटर ट्रांसफार्मर तेल बरामद किया है। यह कार्रवाई भीण्डर थानाधिकारी मुकेशचन्द्र के नेतृत्व में एएसआई हिम्मत सिंह, हेडकांस्टेबल अनिल कुमार, राजेश कुमार, खुशीराम, कांस्टेबल रोहित, निखिल, महिपाल और मो. यूसुफ ने की है।

करौली में हत्या के मामले में 18 माह से फरार चार इनामी आरोपी गिरफ्तार

प्रत्येक आरोपी पर था 10-10 हजार रुपये का इनाम

करौली, (निसं)। जिले में संगठित अपराध, हत्या, अवैध हथियारों एवं गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करौली कोतवाली पुलिस ने बडी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हत्या के एक गंभीर प्रकरण में करीब 18 माह से फरार चल रहे चार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है।आरोपीयों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपियों की गिरफ्तारी में कोतवाली पुलिस के साथ सीएलजी एवं वाई सीएलजी सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार तथा भरतपुर रेंज आईजी डॉ. प्रीति चन्द्रा एवं जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कसवां एवं वृत्ताधिकारी करौली किशोर सिंह के सुपरविजन तथा कोतवाली थाना प्रभारी विनोद सामरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर बडी सफलता हासिल की

जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि थाना कोतवाली करौली में दर्ज में हत्या की वारदात के बाद से चार आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। पुलिस द्वारा उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहे थे तथा पहचान छिपाकर रह रहे थे।

पुलिस ने सीएलजी एवं वाई-सीएलजी सदस्यों के सहयोग से आरोपियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में साजिद खान उर्फ दिल्लू पुत्र खलील खां उर्फ भूरा, उम्र 35 वर्ष। गुलफाम खान पुत्र खलील खां उर्फ भूरा, उम्र 31 वर्ष।बबली उर्फ नईम पुत्र मसल्लू उर्फ मसल्लुद्दीन, उम्र 45 वर्ष।ओसामा उर्फ मोहम्मद उसामा पुत्र जमीलुद्दीन, उम्र 25 वर्षा।चारों आरोपी कोआ खो, बागुर वाली मस्जिद के पास,चटीकना,थाना कोतवाली करौली क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं पुलिस के अनुसार 1 जून 2025 को सानू पुत्र हनीफ निवासी बागुर वाली मस्जिद, डोलीखार करौली ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 मई 2025 को शाम करीब 7:30 बजे उसके पिता हनीफ घर पर थे। इसी दौरान कुछ लोग हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे और जानलेवा हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हनीफ को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

खेत में महिला की संदिग्ध मौत से उबाल: आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर 4 घंटे चला धरना-प्रदर्शन

कानोड़। अमरपुरा जागीर ग्राम पंचायत के गुलाबपुरा क्षेत्र स्थित खेत पर महिला की संदिग्ध मौत के मामले में शुक्रवार को ग्रामीणों और परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा।

हत्या का आरोप लगाते हुए आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीएचसी परिसर से लेकर पुलिस थाने तक करीब चार घंटे तक जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। बाद में स्थानीय थाना अधिकारी भँवर लाल ने उच्च अधिकारियों को सूचना दी जिसके बाद डिप्टी श्रवण दास संत के निर्देशन में भीडर अधिकारी मुकेश चंद्र, वल्लभनगर से की थाना अधिकारी पुनाराम गुर्जर सहित पुलिस प्रशासन द्वारा वांछित आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और मामले को केस



अमरपुरा जागीर ग्राम पंचायत के गुलाबपुरा क्षेत्र स्थित खेत पर महिला की संदिग्ध मौत के मामले में ग्रामीणों और परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। पुलिस ने समझाइश की।

ऑफिसर स्कीम के तहत लेकर जल्द न्याय दिलाने के लिखित आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और शव उठाया।

गौरतलब है कि गुरुवार को गुलाबपुरा क्षेत्र में खेत पर काम कर रही कंचन बाई पत्नी गणेश गायरी का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतका के शरीर पर कट के निशान होने के कारण

- पुलिस के लिखित आश्वासन के बाद उठा शव

परिजनों ने उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई थी। शुक्रवार सुबह कानोड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी होने तक शव लेने से साफ इनकार कर दिया। आक्रोशित परिजन और ठाामीण सीएचसी परिसर में ही करीब तीन घंटे तक धरने पर बैठे रहे। इसके बाद शाम 4 बजे सभी प्रदर्शनकारी लामबंद होकर कानोड़ थाने पहुंचे और वहां भी करीब एक घंटे तक धरना देकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताया।

नींद की झपकी आने से ट्रक में लगी आग, खलासी घायल

- जम्मु-कश्मीर से सेब की पेटियों से भरा ट्रक जम्मु-कश्मीर से मुम्बई जाने के लिये रवाना हुआ, दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे पर जालिमपुरा व कचोलिया के बीच ट्रक चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक अनियंत्रित होकर सुरक्षा दीवार से टकराता हुआ डिवाईडर से टकरा गया।

कोटा, (निसं)। दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे पर जालिमपुरा व कचोलिया के समीप ट्रक चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक अनियंत्रित टकरा गया और ट्रक मे अचानक से आग लग गई हादसे मे ट्रक का खलासी घायल हो गया जिसे उपचार के लिये अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जम्मु-कश्मीर से सेब की पेटियों से भरा ट्रक जम्मु-कश्मीर से मुम्बई जाने के लिये रवाना हुआ, दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे पर जालिमपुरा व कचोलिया के बीच ट्रक चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक अनियंत्रित होकर सुरक्षा दीवार से टकराता हुआ डिवाईडर से टकरा गया। हादसे मे चालक व खलासी दोनों को चोटे लगी और दोनों ट्रक से बाहर आ गये, डिवाईडर से टकराने के बाद ट्रक में अचानक से चिंगारी उठी और देखते ही देखते ट्रक मे आग की लपटें उठने लगी। ट्रक मे आग लगने की सूचना पाकर सुल्तानपुर नगर पालिका की दमकल मौके पर पहुंची लेकिन जब तक ट्रक मे लगी आग पर काबू पाया गया तब ट्रक मे रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया, गनीमत रही कि हादसे मे कोई जनहानि नही हुई। दीगोद थानाधिकारी कृष्ण अवतार शर्मा ने बताया कि ट्रक मे आग लगने की सूचना मिली थी, सुल्तानपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले मे सामने आया कि जम्मु-कश्मीर से सेबों से भरा ट्रक माल लेकर मुम्बई जा रहा था, चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाईडर से टकराने के बाद चिंगारी निकली और ट्रक मे आग लग गई, हादसे मे ट्रक खलासी घायल हो गया।

कांस्टेबल की पत्नी ने सुसाइड किया

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के समृद्धि नगर विस्तार में गुरूवार रात्रि को विवाहिता ने घर मे फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया, मृतका ग्रामीण पुलिस लाईन मे तैनात कांस्टेबल की दूसरी पत्नी है, सूचना मिलने पर बोरखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बोरखेड़ा थाने के एएसआई अब्दुल हफीज ने बताया कि इलाके के समृद्धि नगर विस्तार मे महिला की सुसाईड की सूचना मिली थी, एएसआई ने बताया कि समृद्धि नगर विस्तार निवासी कविता चौबदार (35) ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया, मृतका का पति मुकेश शर्मा ग्रामीण पुलिस लाईन मे कांस्टेबल है, मृतका मुकेश शर्मा की दूसरी पत्नी थी। मुकेश ने 2 साल पहले ही कविता चौबदार से विवाह किया था, दोनों पत्नियां अलग-अलग रहती हैं। एएसआई ने बताया कि गुरूवार देर रात्रि को कांस्टेबल के घर पहुंचने पर दरवाजा नही खोलने पर दरवाजा तोड़ा गया तो घटना का पता चला, मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

आठ साल बाद कोटा से पाकिस्तान जाएंगे सिख श्रद्धालु

- लोकसभा अध्यक्ष के प्रयासों से मिला वीजा

कोटा, (निसं)। करीब आठ साल बाद कोटा से सिख श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित गुरूद्वारों के दर्शन के लिए जाएंगे। कोटा सिख वेलफेयर सोसायटी के आग्रह पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों के बाद कोटा से 12 श्रद्धालुओं को गुरूनानक जयंती के अवसर पर पाकिस्तान जाने का वीजा मिला है। श्रद्धालुओं का जत्था शनिवार सुबह 7 बजे स्वर्ण मंदिर मेल से अमृतसर के लिए रवाना होगा। कोटा सिख वेलफेयर सोसायटी के प्रधान मनिन्दर सिंह ने बताया कि अंतिम बार 2019 में कोटा से जत्था पाकिस्तान गया था। परन्तु कोरोना के कारण तत्कालीन प्रधान जगजीत सिंह जग्गी की मृत्यु होने के बाद प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने के कारण जत्था पाकिस्तान नहीं जा पा रहा था। सोसायटी के महासचिव जितेन्द्र सिंह बग्गा हर वर्ष प्रयास करते लेकिन दस्तावेजी प्रक्रियाओं के कारण बाधा आ जाती। लेकिन उन्होंने इस वर्ष आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व ही पाकिस्तान जाने के इच्छुक श्रद्धालुओं की सूचनाएं एकत्रित कर लीं। आवेदन

प्रारंभ होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पूर्व में आई कठिनाइयों से आवगत करवा दिया। लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश पर ओएसडी राजीव दत्ता ने सभी विभागों से श्रद्धालुओं के नामों को क्लियरेंस दिलवाई। जिस कारण सभी के पासपोर्ट समय पर पाकिस्तान दूतावास पहुंच सके। पाकिस्तान दूतावास ने शुक्रवार को सुबह करीब 11.30 बजे कोटा के सभी 12 श्रद्धालुओं को वीजा जारी कर दिया। सोसायटी के महासचिव जितेन्द्र सिंह बग्गा ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं के पासपोर्ट तीन दिन पूर्व पाकिस्तान दूतावास पहुंच गए थे। वहां से गुरूवार को सम्पर्क करने को कहा गया था। गुरूवार को दूतावास पहुंचने पर पहले 11 बजे फिर दोपहर 3 बजे, फिर शाम 5 बजे और अंत में शाम 7 बजे आने को कहा गया। चार बार चक्कर काटने के बाद अंत में शुक्रवार सुबह 11 बजे आने को कहा गया। तब तक सभी 12 श्रद्धालुओं बेचैन होकर गुरूनानक देवजी से वीजा मिलने की अरदास करते रहे। शुक्रवार सुबह 11.30 बजे सभी श्रद्धालुओं को वीजा मिलने की जानकारी मिली, सभी के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। सोसायटी ने अटवाल नगर निवासी प्रभजोत सिंह को जत्थे का प्रमुख बनाया है। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली पहुंचकर पाकिस्तान दूतावास से सभी 12 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट प्राप्त कर लिए हैं। जत्थे के शेष 10 सदस्य शनिवार को सुबह 7 बजे गोल्डन टेम्पल मेल से अमृतसर के लिए रवाना होंगे।

सोसयटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपिन्दर सिंह आनंद ने बताया कि जत्था 22 नवम्बर को अमृतसर से रवाना होकर सुबह 7 बजे पाकिस्तान की ओर वाघा बॉर्डर पहुंचेगा। वहां कागजी कार्यवाही के बाद जत्था उसी दिन ननकाना साहिब जाएगा जहां 24 दिसम्बर तक गुरूनानक देवजी के प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलत होगा।

कार-बाइक की टक्कर में युवक की मौत

डूंगरपुर। जिले के सागवाडा अन्तर्गत सरोदा मोड के पास कार और बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। बाइक सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से

- बाइक सवार दूसरा युवक गंभीर रुप से बीमार

घायल हुआ। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर एक ऑटो से भी जा टकराई। हादसे में घायल दोनों युवकों को अस्पताल ले जाया गया। मृतक की पहचान बरबोदनिया निवासी विकास के रूप में हुई है। घायल दिलीप को प्राथमिक इलाज के बाद उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर किया गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई थी। एंबुलेंस देर से पहुंची,इसलिए घायलों को निजी वाहन से सागवाडा अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर सागवाडा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

नकली डीएपी से भरा ट्रक जब्त

- सांवतसर में बेच दी संदिग्ध खाद

बीकानेर। रबी की बुवाई के पीक सीजन में बीकानेर के ग्रामीण इलाकों में किसानों की मेहनत और फसल पर नकली खाद का बड़ा संकट मंडरा रहा है। एक ओर जहां कृषि विभाग ने गुरुवार को जसरासर में कार्रवाई करते हुए गुजरात से लाए गए नकली डीएपी खाद के 470 बैग से भरा ट्रक पकड़ा है, वहीं दूसरी ओर पास के ही सांवतसर गांव में भी बड़े पैमाने पर संदिग्ध डीएपी बेचे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि सांवतसर में नियमों को ताक पर रखकर बिना पीओएस मशीन के ही किसानों को खाद थमा दी गई, जिसकी गुणवत्ता की जांच तक नहीं हुई। किसान कृषि विभाग के चक्कर लगा रहे हैं।

कृषि विभाग के सहायक निदेशक सुरेंद्र मारू ने बताया कि तलाशी के दौरान ट्रक चालक के पास डीएपी रतनगढ़ से बीकानेर लाने का बिल मिला है, जो फर्जी है। रतनगढ़ की जिस फर्म का बिल है उससे इसकी तस्दीक कर ली गई है। इसी प्रकार बीकानेर में खाद किसी दीपक सीड्स के यहां सप्लाई होनी थी, जबकि इस नाम से कोई लाइसेंस विभाग ने जारी नहीं कर रखा। खाद सीधे ही ट्रक से बेचना गैर कानूनी है। कृषि विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जसरासर क्षेत्र में नकली उर्वरक खपाने की तैयारी है। सूचना पर विभागीय टीम ने नाकाबंदी कर एक ट्रक को रुकवाया। तलाशी लेने पर ट्रक में इफको कंपनी के नाम से पैक किए गए 470 बैग डीएपी खाद भरे मिले। प्रारंभिक जांच में यह खाद प्रथम दृष्टया पूरी तरह नकली प्रतीत हुई। पूछताछ में ट्रक चालक जेगला गोगलियां निवासी शिवराज भादू ने खुलासा किया कि वह यह उर्वरक गुजरात से भरकर लाया है और भोजेरा निवासी सीताराम ज्याणी ने यह खेप यहां भिजवाई थी। विभाग ने खाद के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जब्त किए गए 470 कट्टों को स्थानीय ग्राम सेवा सहकारी समिति के सुपुर्द किया गया है, जबकि ट्रक पुलिस के हवाले कर दिया गया है। सहायक निदेशक (मुख्यालय) सुरेंद्र मारू ने बताया कि चालक के खिलाफ पुलिस थाना जामसर में उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 7, 8 व 19, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3, 7, 10 तथा बीएनएस की धारा 318 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई जा रही है। इस कार्रवाई में सहायक निदेशक (नोखा) राजूराम डोगीवाल, कृषि अधिकारी मामराज, गिरिराज, सहायक कृषि अधिकारी राजेश कुमार और कृषि अन्वेषक विनोद कुमार शामिल रहे।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

संशोधन सूचना

विभाग द्वारा दिनांक 17.11.2026 को प्रकाशित निविदा सूचना में त्रुटिवश ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 59/2026-27 के स्थान पर ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 57/2026-27 अंकित हो गया था। अतः उक्त निविदा को ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 59/2026-27 पढ़ा जावें।

UBN No.: WAQ2627SLRC00138

राज.संवाद/सी/26/13515 सचिव

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ (चूरू)

क्रमांक :- न.पा.रा./2026-27/5033 दिनांक :- 18/11/2026

निविदा सूचना 2026-27

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका राजगढ (चूरू) द्वारा वर्ष 2026-27 में करवाये जाने वाले कार्यो / सामान क्रय एवं विभिन्न कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु निविदा प्रपत्र दिनांक 25.11.2026 को दोपहर 01:00 बजे तक विक्रय किये जायेंगे व दिनांक 25.11.2026 को 03:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे एवं दिनांक 25.11.2026 को सांय 05:00 बजे सक्षम अधिकारी की उपस्थिति में खोली जायेगी। जिसका विस्तृत विवरण लोक उपापन portal https://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर पालिका कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। जिनका बिड क्रमांक निम्नानुसार है:-

UBN Code : DLB2627SSOB24696

राज.संवाद/सी/26/13523 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका राजगढ़ चूरु

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर (बीकानेर)

Email ID -eonagarpalikanapasar@gmail.com

क्रमांकः-न.पा.ना.पा / निर्माण / 2026-27 / 1462 दिनांक 16.11.2026

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 22/निर्माण/2026-27

नगर पालिका नापासर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 24.00 लाख

UBN Number :- DLB2627WSOB24693

राज.संवाद / सी / 26 / 13493 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :- MEW/2026-27/707 दिनांक :- 18/11/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 14/2026-27

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यों की कुल लागत	राशि 69.55 लाख
निविदा जारी करने की तिथि	Date 18.11.26 को 6.00 PM तक
निविदा प्रकाशन की तिथि	Date 19.11.26
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	Date 20.11.26 को 11.00 AM से 29.11.26 को 6 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 30.11.26 को 11.00 AM पर
Technical निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जाएगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

NIB Code :- ANN2627A0138

UBN No :- ANN2627SLOB00165

राज.संवाद/सी/26/13521 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

श्रीकरणपुर के कच्ची थेड़ी इलाके में संदिग्ध ड्रोन मिलने से मचा हड़कंप

अनूपगढ़। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक श्रीकरणपुर के कच्ची थेड़ी इलाके में रिहायशी क्षेत्र के पास बड़ा संदिग्ध ड्रोन मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। ड्रोन पर बैटरी और कैमरा लगे होने के कारण मामला बेहद संवेदनशील हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस, बीएसएफ सहित विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब पौने एक बजे कच्ची थेड़ी क्षेत्र में यह ड्रोन मिला। घटनास्थल भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज करीब 8 किलोमीटर दूर होने के कारण सुरक्षा एजेंसियों ने विशेष सतर्कता बरती। एहतियात के तौर पर ड्रोन मिलने वाले स्थान के आसपास करीब 100 मीटर का क्षेत्र खाली करवाया गया तथा हथियारबंद जवानों की तैनाती की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और बीएसएफ सहित सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से आसपास के क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाया। ड्रोन की बारीकी से जांच की गई तथा किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी गई।



श्रीकरणपुर के कच्ची थेड़ी इलाके में संदिग्ध ड्रोन मिलने के बाद जांच में जुटी पुलिस।

- भारत-पाक सीमा से महज 8 किलोमीटर दूर मिला ड्रोन सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सेना का निकला

इस अभियान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों की सतर्कता, जागरूकता और सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग की भावना को भी परखा गया।

जांच के बाद श्रीकरणपुर पुलिस थाने से राहतभरी जानकारी सामने आई। पुलिस के अनुसार, कच्ची थेड़ी क्षेत्र में मिला ड्रोन भारतीय सेना का था, जो सैन्य अभ्यास के दौरान अनियंत्रित होकर यहां पहुंच गया था। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। इस पूरे घटनाक्रम में वार्ड नंबर 11 के पार्षद मोहनलाल कल्याणा ने भी जागरूक नागरिक और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाई। उनकी सतर्कता एवं सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग का सराहना करत हुए उन्ह सम्मानत किया गया। यह घटनाक्रम सीमावर्ती क्षेत्रों में आमजन की सजगता और सुरक्षा एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना समय पर संबंधित विभागों तक पहुंचाना देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद जरूरी है। आमजन की जागरूकता ही सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

पूर्व सरपंच लक्ष्मीनारायण सैनी हत्याकांड में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी (निसं)। बबाई क्षेत्र में पंचायत राज चुनाव के मतदान के दौरान पूर्व सरपंच लक्ष्मीनारायण सैनी की हत्या के मामले में खेतडी पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में सुरेन्द्र सिंह और जयपाल सिंह को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी पुलिस थाना खेतडी में मारपीट के दो-दो प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर अनुसंधान कर रही है। पुलिस के अनुसार 16 नवंबर 2026 को चुनाव मतदान के दौरान पूर्व सरपंच लक्ष्मीनारायण सैनी पोलिंग बूथ के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान सुरेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह, दौलत सिंह, रणवीर सिंह सहित 5 से 7 अन्य व्यक्ति वहां पहुंचे और एकराय होकर लक्ष्मीनारायण सैनी पर जान से मारने की नीयत से कुर्सियों से हमला कर दिया। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। परिजन उन्हें उपचार के लिए पहले बबाई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में 17 नवंबर को मृतक के पुत्र राजेश कुमार सैनी ने खेतडी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

रिपोर्ट में सुरेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह, दौलत सिंह, रणवीर सिंह सहित अन्य लोगों पर एकराय होकर हमला करने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। मामले की गंभीरता को देखते हुए झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा खेतडी वृत्ताधिकारी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में थानाधिकारी बुद्धिप्रसाद के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेन्द्र सिंह और जयपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी खेतडी थाने में मारपीट के दो-दो प्रकरण दर्ज हैं। मामले में अनुसंधान जारी है तथा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में जयपाल सिंह (41) पुत्र पूर्ण सिंह निवासी ढ ाणी आशाकाला, तन विजयनगर, थाना खेतडी तथा सुरेन्द्र सिंह (50) पुत्र स्व. श्योबक्स सिंह निवासी ढाणी मीनावाली, तन विजयनगर, थाना खेतडी, जिला झुंझुनूं शामिल हैं। वहीं कार्रवाई करने वाली टीम में खेतडी थानाधिकारी बुद्धिप्रसाद, हेड कांस्टेबल महेश कुमार आदि शामिल थे।

जयपुर में पंचायतीराज चुनाव में कांग्रेस ने ग्रामीण सत्ता पर पकड़ साबित की

22 पंचायत समितियों में कांग्रेस को 42.81 प्रतिशत, भाजपा को 34.84 प्रतिशत और आरएलपी को 14.09 प्रतिशत वोट मिले

जयपुर। प्रदेश की सत्ता में काबिज भाजपा को ग्रामीण राजनीति में जयपुर जिले के भीतर बड़ा झटका लगा है। पंचायती राज चुनाव के नतीजों ने राजधानी के सियासी समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। जयपुर जिला परिषद में बहुमत हासिल करने के साथ कांग्रेस ने जिले की 22 पंचायत समितियों में से 14 में बोर्ड बनाने की स्थिति हासिल की है। चुनाव परिणामों ने न केवल भाजपा की ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ को लेकर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि कांग्रेस के लिए राजधानी की राजनीति में वापसी का नया रास्ता भी खोला है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने बहुमत हासिल कर भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है। इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात सीटों के साथ वोटों का अंतर भी है। जयपुर जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से करीब 1.14 लाख वोट अधिक मिले हैं। वहीं 22 पंचायत समितियों के कुल मतों को जोड़ने पर कांग्रेस की भाजपा से बढ़त करीब 1.05 लाख वोट की है। यह अंतर बताता है कि कांग्रेस को केवल कुछ सीटों पर सफलता नहीं मिली, बल्कि जिले के व्यापक ग्रामीण क्षेत्र में उसका जनसमर्थन बढ़ा है।

- 42.81 प्रतिशत वोट के साथ कांग्रेस सबसे आगे, 14.09 प्रतिशत वोट लेकर आरएलपी बनी तीसरी ताकत; अब जिला प्रमुख के चेहरे और पंचायत समितियों में प्रधान बनाने को लेकर सियासी मंथन
- मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में आरएलपी ने बहुमत हासिल कर भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया
- सांगानेर पंचायत समिति के लगभग सभी वार्ड बगरू विधानसभा क्षेत्र में आते है। पार्टी ने जिले में 14.09 प्रतिशत वोट लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है

वोटों के गणित ने खोली भाजपा की कमजोरी

जयपुर जिले की 22 पंचायत समितियों में कांग्रेस को 42.81 प्रतिशत, भाजपा को 34.84 प्रतिशत और आरएलपी को 14.09 प्रतिशत वोट मिले हैं।

कांग्रेस ने भाजपा से करीब आठ प्रतिशत की बढ़त बनाई है। कुल मतों के लिहाज से कांग्रेस को 5.67 लाख, भाजपा को 4.61 लाख और आरएलपी को 1.86 लाख वोट मिले। चुनाव परिणामों का यह गणित भाजपा के लिए राजनीतिक समीक्षा का विषय है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पार्टी के पक्ष में रहे ग्रामीण क्षेत्रों में इस बार मतदाताओं का रुख अलग दिखाई दिया। वहीं कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों, प्रत्याशियों और ग्रामीण स्तर के राजनीतिक समीकरणों के जरिए अपना आधार मजबूत किया।

सांगानेर में आरएलपी की एंट्री ने बदला मुकाबला

इस चुनाव का सबसे दिलचस्प पहलू हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी का प्रदर्शन रहा। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में आरएलपी ने पंचायत समिति में बहुमत हासिल किया। हालांकि सांगानेर पंचायत समिति के लगभग सभी वार्ड बगरू विधानसभा क्षेत्र में आते है। पार्टी ने जिले में 14.09 प्रतिशत वोट लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।आरएलपी का प्रदर्शन केवल सांगानेर तक सीमित नहीं रहा। पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में पार्टी ने कई क्षेत्रों में प्रभाव दिखाया। इससे जयपुर ग्रामीण की राजनीति में अब कांग्रेस और भाजपा के अलावा तीसरी राजनीतिक ताकत की मौजूदगी भी स्पष्ट हुई है।

राजनीतिक दृष्टि से आरएलपी का यह प्रदर्शन महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी ने ऐसे क्षेत्रों में भी अपनी जमीन बनाई है, जहां परंपरागत रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जाता रहा है।

जिला प्रमुख की कुर्सी पर युवा चेहरे की तलाश

जयपुर जिला परिषद में बहुमत मिलने के बाद अब कांग्रेस के सामने जिला प्रमुख के चयन की चुनौती है। पार्टी में इस पद के लिए नए और युवा चेहरे को आगे लाने पर मंथन चल रहा है।

माना जा रहा है कि जयपुर ग्रामीण के विधायकों और पार्टी के प्रमुख नेताओं से राय-मशविरा करने के बाद नाम तय किया जाएगा।जिला प्रमुख का चुनाव कांग्रेस के लिए केवल पद पर नियुक्ति का मामला नहीं होगा, बल्कि जिले में पार्टी के आगामी राजनीतिक नेतृत्व की दिशा भी तय करेगा। ऐसे में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन, संगठन में सक्रियता तथा निर्वाचित सदस्यों के बीच स्वीकार्यता जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जा सकता है।

चार पंचायत समितियों में जोड़तोड़ का गणित

जिले की सभी पंचायत समितियों में तस्वीर एक जैसी नहीं है। चौमूं और सांभर लेक में भाजपा को बहुमत मिला है, जबकि सांगानेर में आरएलपी ने बहुमत हासिल किया है। अमरसर, जालसू, मौजमाबाद, रामपुरा डाबरी और दूदू सहित जिन समितियों में स्पष्ट बहुमत का गणित नहीं बन पाया है, वहां प्रधान के चुनाव में राजनीतिक समीकरण महत्वपूर्ण होंगे।

कांग्रेस के सामने इस जनसमर्थन को स्थायी राजनीतिक आधार में बदलने की चुनौती होगी। जिला परिषद और पंचायत समितियों में मिली सफलता के बाद पार्टी को अब स्थानीय निकायों में बेहतर तालमेल, विकास कार्यों और संगठनात्मक मजबूती के जरिए अपनी स्थिति बनाए रखनी होगी।

कुल मिलाकर जयपुर के पंचायत चुनावों ने तीन राजनीतिक संकेत दिए हैं। कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्र में अपनी वापसी दर्ज कराई, भाजपा को अपने मजबूत माने जाने वाले क्षेत्रों में नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत महसूस होगी और आरएलपी ने तीसरी ताकत के रूप में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। अब जिला प्रमुख और प्रधानों के चुनाव इस बदले हुए राजनीतिक समीकरण की अगली परीक्षा होंगे।

पन्ने बेचने के नाम पर बिजनेसमैन भाइयों से 3.74 करोड़ की ठगी

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में बिजनेसमैन भाइयों से 3 करोड़ 74 लाख 40 हजार रुपए के पन्ने हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने करीब डेढ़ साल तक दोस्ती कर उनका विश्वास जीता और फिर विदेश में बड़े ग्राहकों को पन्ने बेचकर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद 1460 कैरेट पन्ने का फिनिश माल लेकर फरार हो गया। पीड़ित भाइयों ने नामजद आरोपी के खिलाफ माणक चौक थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।

हेड कांस्टेबल अशोक कुमार ने बताया कि रामगंज के मेहरों का रास्ता निवासी साजिद अहमद (48) और मोहम्मद जाकिर (44) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दोनों का चांदी की टकसाल पर पन्नों की फिनिशिंग का कारखाना है।

- आरोप है कि एक व्यक्ति ने करीब डेढ़ साल तक दोस्ती कर उनका विश्वास जीता और फिर विदेश में बड़े ग्राहकों को पन्ने बेचकर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया

उनकी मुलाकात जोधपुर निवासी मोहम्मद यासिन से हुई थी। यासिन जयपुर के घाटगेट में रहकर मेडिकल की पढ़ाई करने की बात कहता था। पढ़ा-लिखा होने के कारण दोनों भाइयों से उसकी दोस्ती हो गई और वह कारखाने पर आने-जाने लगा। आरोप है कि यासिन ने करीब डेढ़ साल तक उनका विश्वास जीता। अप्रैल 2026 में यासिन ने बैंकॉक और लंदन में बड़े ग्राहकों से परिचय होने की बात कहकर विदेश में पन्ने बेचने पर मोटा मुनाफा दिलाने का लालच दिया। उसकी बातों में आकर भाइयों ने 1460 कैरेट पन्ने का फिनिश माल 26 हजार रुपए प्रति कैरेट की दर से दे दिया। इसकी कुल कीमत 3 करोड़ 74 लाख 40 हजार रुपए थी। आरोपी ने माल लेने के बदले लिखित पर्ची भी दी। आरोप है कि अप्रैल से सितम्बर तक आरोपी विदेश भेजे गए पन्नों की बिक्री का भुगतान आने में समय लगने की बात कहकर टालता रहा। सितम्बर 2026 में जब वह कई दिनों तक कारखाने पर नहीं आया तो भाइयों ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला।

श्याम प्राचीन मंदिर में बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर। रामगंज बाजार स्थित श्याम प्राचीन मंदिर में कृष्ण श्याम सखा ग्रुप की ओर से देवउठनी एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया। बाबा श्याम के दर्शन करने और जन्मोत्सव की खुशियों में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

मंदिर महंत पं. लोकेश मिश्र ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह बाबा श्याम का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद बाबा को नवीन पोशाक धारण कराकर विशेष श्रृंगार किया गया और मनमोहक झांकी सजाई गई। कृष्ण श्याम सखा ग्रुप की अध्यक्ष शालू मिश्रा ने बताया कि बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इसके बाद 251 दीपकों से महाआरती कर श्रद्धालुओं ने बाबा की आराधना की।

महाआरती के पश्चात भजनामृत सत्संग का आयोजन हुआ। इसमें जयपुर के स्थानीय भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां देकर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। इस दौरान "माता महलवती के अंगने में श्याम लियो अवतार" और "यो पांडव कुल अवतार बड़ो अलबेलो है" जैसे भजनों की प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भजनों की स्वर लहरियों पर झूमते नजर आए।

शिक्षिका से दुष्कर्म करने वाला स्कूल ड्राइवर गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने निजी स्कूल की शिक्षिका के साथ दुष्कर्म के मामले में उसी स्कूल के ड्राइवर को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने स्कूल में बच्चों को लाने-ले जाने के दौरान हुई जान-पहचान का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान राघवेन्द्र शर्मा उर्फ राघव (40) निवासी मूल रूप से जिला मुरैना, मध्यप्रदेश, हाल प्रताप एंक्लेव, कल्लावाला, सांगानेर के रूप में हुई है।

थानाधिकारी के अनुसार 11 नवंबर को पीड़िता ने सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीड़िता निजी स्कूल में शिक्षिका है, जबकि आरोपी उसी स्कूल में बच्चों को घर से स्कूल और वापस छोड़ने के लिए गाड़ी चलाता था। आरोप है कि आरोपी उसे अपनी गाड़ी में सुनसान स्थान पर ले गया और डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया।

अवैध रूप से रह रहे 14 विदेशी नागरिक डिपोर्ट

जयपुर। राजधानी में बिना वैध दस्तावेजों और वीजा नियमों का उल्लंघन कर रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) की निगरानी में चलाए गए विशेष अभियान के तहत 14 विदेशी नागरिकों को पकड़कर उनके मूल देशों में वापस भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही इस वर्ष अब तक जयपुर से 75 अवैध विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया जा चुका है।

- इस साल जयपुर से 75 को भेजा देश से बाहर
- फर्जी पासपोर्ट और नेपाल सीमा से घुसपैठ का खुलासा

डिपोर्ट किए गए 14 नागरिकों में थाईलैंड की 11 युवतियां शामिल हैं। इनके अलावा लाओस, नाइजीरिया और केन्या का एक-एक नागरिक भी कार्रवाई की जद में आया है। ये सभी शहर के अलग-अलग इलाकों में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे थे।

दस्तावेजों की जांच के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि थाईलैंड की दो युवतियों ने अपने पासपोर्ट पर फर्जी आव्रजन मुहर लगवा रखी थी। वे हवाई मार्ग के बजाय नेपाल सीमा के रास्ते चोरी-छिपे भारत में दाखिल हुई थीं। वहीं, नाइजीरिया की एक महिला ने अपनी वास्तविक नागरिकता छिपाने के लिए लाइबेरिया के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर भारत में प्रवेश किया था।

डिपोर्ट की प्रक्रिया पूरी करने से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने सभी विदेशी नागरिकों से पूछताछ की। इस दौरान कुछ अन्य विदेशी संदिग्धों के नाम भी सामने आए हैं। इनके अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह से जुड़े होने की आशंका है। खुफिया एजेंसियां और पुलिस अब संदिग्धों के ठिकानों तथा पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए जयपुर सिटी के एफआरओ अधिकारी धर्मेंद्र सागर ने होटल, गेस्ट हाउस, होमस्टे और स्पा संचालकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

खोया पाया

प्लाट नम्बर-50 करीम नगर माडल कॉलोनी-।।, खो-नागोरियान जयपुर का असल आवंटन पत्र, रसीद एवं नक्शा मेरे ऑफिस से दिनांक 25.10.2026 से नही मिल रहा है जो कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। मोहम्मद साबिर, 9829131314

मैं मनोज धीर निवासी- 130 Ashok Chowk Adersh Nagar Jaipur से मेरा पर्स रास्ते में किसी सार्वजनिक स्थान पर खो गया है जिसमें मेरा ड्राइविंग लाइसेंस,पहचान पत्र,कुछ नगद राशि भी रखी हुई थी। मिलने पर सूचित करें 9413966198

मेरे प्लाट संख्या ए-125 यूनिक सिटी द्वितीय, ग्राम बगरू खुर्द, तहसील सांगानेर, जयपुर के समस्त मूल JDA पट्टा व अन्य दस्तावेज कही गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें- सूरज प्रकाश चौधरी, शैलेन्द्र गुप्ता (Partner's)-9829404567, SS Contractors & Designers

मेरे प्लॉट संख्या 246, फ्रंटियर कॉलोनी, आदर्श नगर जयपुर का असल पट्टा, साईड प्लान, अलॉटमेंट लेटर, एवं अन्य दस्तावेज कहीं गिर गए हैं। मिलने सूचित करें। मनीष अथैया-9414061000

NAME CHANGE

I have changed my name from Narendra Kumar Dewanito Narendra Dewani S/o Kanhaiyan Lal Dewani for all purpose. Resi.:- 201, Frontier Colony, Adarsh Nagar, Jaipur.

उद्घोषणा इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक)
वाद सं. 21/26 (उत्तराधिकार)
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी- नाम रेणु देवी पत्नि स्व. श्री सत्यवीर सिंह
विवाद स्थान ई-47, कृष्णा द्वारिका तृतीय, ग्राम-खातीपुरा-तहतील सांगानेर, जयपुर
मृतक सत्यवीर सिंह पुत्र श्री महेन्द्र सिंह की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक: 04.12.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सत्यवीर सिंह पुत्र श्री महेन्द्र सिंह निवासी-41, बड़ोदिया बस्ती, धर्मशाला के पीछे, स्टेशन रोड, जयपुर ई-47, कृष्णा द्वारिका तृतीय, ग्राम-खातीपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर का का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 12 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 7.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम, मुख्यायल, सांगानेर

अधिवक्ता शहनाज़ मिर्ज़ा मो.: 9351801118 अधिवक्ता रजत शर्मा मो.: 8947903748
कार्यालय : चैम्बर नं. E-334, E, ब्लॉक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
सार्वजनिक सूचना दिनांक:18.11.2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नवेद मिर्ज़ा उर्फ नवेद बेग अपनी स्वर्गीय माता नसरीन बेगम उर्फ नसरीन जावेद के बैंक खाते की मृत्यु दावा राशि प्राप्त करना चाहते है। उनके दस्तावेज़ों में नाम की वर्तनी में अंतर/त्रुटि है, जिसे बैंक के माध्यम से सुधरवाकर वे दावा राशि प्राप्त करना चाहते हैं।
इस संबंध में किसी को आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर संबंधित बैंक शाखा में उपस्थित होकर आपत्ति एवं साक्ष्य प्रस्तुत करे। अन्यथा कोई आपत्ति न होने पर बैंक नियमानुसार आगे कार्यवाही कर सकता है।
अधिवक्ता शहनाज़ मिर्ज़ा अधिवक्ता रजत शर्मा

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'विजन 2047' पोस्टर का विमोचन



स्पीकर देवनानी ने विजन 2047 पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि बच्चों को संस्कारवान और ज्ञानवान बनाने के लिए उन्हें कर्तव्यों की जानकारी देना आवश्यक है। देवनानी ने बच्चों से कहा कि वे भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व की अनुभूति करें। गहराई से प्रत्येक बात को समझें। पुरातन भारतीय संस्कृति को आधुनिकता से जोडे। गीता से कर्म की भावना और रामायण से संस्कार सीखे। विकसित भारत 2047 में योगदान देने के लिए बच्चों को नौकरी देने वाला बनना होगा। इस मौके पर स्पीकर देवनानी ने विजन 2047 पोस्टर का अवलोकन किया।

देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधान सभा में फ्यूचर सोसायटी और यूनिसेफ के तत्वावधान में विधान सभा सदन, भवन और संग्रहालय को देखने आए जयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने राजस्थान विधान सभा परिसर का भ्रमण किया और विधानसभा के संग्रहालय का अवलोकन किया। संग्रहालय में प्रदर्शित ऐतिहासिक सामग्री, तस्वीरों और विधानसभा से जुडी महत्वपूर्ण जानकारियों के माध्यम से बच्चों को प्रदेश की संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक इतिहास को करीब से जानने का अवसर मिला।

- फ्यूचर सोसायटी और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में विधान सभा पहुंचे बच्चों ने संग्रहालय का अवलोकन किया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बच्चों को विधानसभा की कार्यप्रणाली के बारे में बताया कि विधानसभा में जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि प्रदेश के विकास, जनहित और जनसमस्याओं से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हैं। कानून निर्माण, जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में विधानसभा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

41 किलो डोडा छिलका सहित एक तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की दूदू थाना पुलिस ने डीएसटी टीम की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 41 किलो 100 ग्राम डोडा छिलका जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की स्विफ्ट कार भी जब्त की है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि पड़ासोली में डीएसटी टीम से सूचना मिली कि अजमेर से जयपुर की ओर आ रही सफेद स्विफ्ट कार में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने एनएच-48 पर दांतरी कट के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध कार को रुकवा कर तलाशी ली गई। कार की डिग्गी में रखे काले रंग के दो कट्टों से 41 किलो 100 ग्राम डोडा छिलका बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से कार चालक मुकेश कुमार मीणा (20) निवासी इंदिरा कॉलोनी जोबनेर को गिरफ्तार किया । वहीं तस्करी में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह डोडा छिलका निंबाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) निवासी सुनील चौधरी से खरीदकर लाया था। इसे जोबनेर निवासी संजयको देना था। पुलिस मामले में मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

ऋण वितरण में राजस्थान देशभर के तीन श्रेष्ठ राज्यों में शामिल

जयपुर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल एवं पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत आयोजित विशेष अभियान में ऋण वितरण के लिए राजस्थान ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हो देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने राजस्थान को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। राज्य की ओर से राज्य मिशन निदेशक प्रतीक जुईकर ने पुरस्कार ग्रहण किया।

प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 2.48 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को 3.30 लाख ऋणों के माध्यम से कुल 482.92 करोड़ का बिना गारंटी ऋण वितरित किया जा चुका है।

- पीएम स्वनिधि योजना के विशेष अभियान में प्रदेश को मिला श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का पुरस्कार

योजना के माध्यम से शहरी पथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता पूरी करने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, विशेष अभियान के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों तथा शहरी पथ विक्रेताओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए किए गए प्रयासों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें संस्थागत ऋण सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

चुनाव में कांग्रेस पार्टी को सफलता मिलने के बाद कार्यालय में जश्न

जयपुर। चुनाव परिणाम में कांग्रेस पार्टी को शानदार सफलता मिलने के बाद शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जश्न का माहौल देखने को मिला प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के नेताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई तथा पार्टी कार्यालय के बाहर पटाखे और आतिशबाजी करके पार्टी की जीत को सेलिब्रेट किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली, पार्टी के महासचिव स्वर्णिमचतुर्वेदी, विधायक रफीक खान सहित पार्टी के संगठन से जुड़े सभी बड़े नेता चुनाव परिणाम के नतीजे आने के बाद काफी खुश दिखाई दिए।अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश में नगर निकाय के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पुलिस और जिला प्रशासन के सहयोग से तथा गलत तरीके से परिसीमन करके प्रदेश में अनर्गल तरीके से कई जगहों पर नगर निकाय के अध्यक्ष अपनी पार्टी के बिठा दिए, जबकि नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस को उतने ही वोट मिले थे, जितने भाजपा को लेकिन इसके बावजूद भी केंद्र में बैठे भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं और राजस्थान भाजपा के नेताओं ने नगर निकाय में अपनी पार्टी की जीत को प्रचंड बताया।

कांग्रेस ने तीनों सह प्रभारी हटाए

प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की भी आ सकती है बारी

जयपुर। कांग्रेस पार्टी के दिल्ली दरबार में प्रदेश में पार्टी के तीनों सह प्रभारी हटाकर यह साफ संदेश दिया है कि पार्टी के संगठन में अब वही व्यक्ति पद पर रह सकेगा, जो हाईकमान की उम्मीद पर खरा उतरेगा पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस पार्टी का दिल्ली दरबार प्रदेश में पार्टी के तीनों सह प्रभारी के कामकाज से संतुष्ट नहीं थे, कहीं ना कहीं पार्टी के प्रदेश प्रभारी, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ भी पार्टी के इन तीनों सह प्रभारी का तालमेल, नियमित संवाद और प्रदेश कांग्रेस के फीडबैक से जुड़ी जानकारी का ठीक तरह से आदान-प्रदान नहीं हो पा रहा था, इसलिए इन तीनों सह प्रभारी ऋतिक मकवाना, चिरंजीव राव और पूनम पासवान से जिम्मेदारी वापस लेना ही पार्टी हाई कमान ने बेहतर समझा अब इन तीनों सह प्रभारी की जगह कांग्रेस हाईकमान ने चार नए पार्टी के सह प्रभारी बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविजय सिंह पलक वर्मा, मनोज बागड़ी, और पौरलक खारते को राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दिनों में पार्टी के प्रदेश संगठन में भी बड़े स्तर पर बदलाव हो सकता है, जिसमें पार्टी के प्रदेश प्रभारी को भी बदलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि पार्टी हाई कमान पिछले कुछ महीनो से लगातार राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में बदलाव कर रहा है, और विभिन्न राज्यों के पार्टी के संगठन में भी बदलाव करता हुआ नजर आ रहा है, इसलिए राजस्थान कांग्रेस में भी संगठन में आने वाले दिनों में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं जानकार लोगों का कहना है कि जिस तरह से राजस्थान में पार्टी के तीनों सह प्रभारी एक साथ हटाए गए हैं, उसके बाद कांग्रेसजनों में ही चर्चा होने लगी है कि या तो कांग्रेस हाई कमान ने अपने विवेक और फीडबैक के आधार पर तीनों सह प्रभारी को हटाया है या फिर हो सकता है पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा इन सह प्रभारी के कामकाज से संतुष्ट नहीं थे, लेकिन कहा यही जा रहा है कि पार्टी हाईकमान भी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन से जुड़े नेताओं के कामकाज पर कड़ी नजर रखता है, और अपने स्तर पर संगठन में बड़े नेताओं की गतिविधियों और उनके कामकाज के बारे में फीडबैक भी लेता रहा है, इसलिए कहीं ना कहीं पार्टी हाई कमान प्रदेश के तीनों सह प्रभारी के कामकाज से संतुष्ट नहीं हो पाए थे, इसीलिए उन्हें जिम्मेदारी से मुक्त किया गया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 238/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव पुत्र श्री सुलतान मल यादव निवासी ढाणी मेहतावाली, तहसील कोटपूतली जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत संतोष सोशियल वेलफेयर सोसाइटी ग्राम भूरीभडाज तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड राज के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.11.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.01.27
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के पास, जयपुर-302015, Tele Fax : 0141-2711075
EPABX :0141-2713666-69, ई-मेल: jaipurdairy@jaipurdairy.com वेबसाइट : www.jaipurdairy.com
ई-निविदा सूचना
1. NIB Code : CDF2627A0939 जयपुर दुग्ध संघ में Purchase of RT-PCR Machine (Web Based Cow and Buffalo Milk Testing Pacage System) हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। 2. NIB Code : CDF2627A0940 जयपुर दुग्ध संघ द्वारा जयपुर डेयरी संयंत्र मे पीने के शुद्ध पानी के टैंकरो की सप्लाई के कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र की शर्तों के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की दिनांक एवं अन्य विस्तृत विवरण वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rasthan.gov.in एवं www.jaipurdairy.com पर उपलब्ध है।
प्रबन्ध संचालक
जीवन में भरे रस, हमारा प्यारा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
बाबा गंगनाथ मार्ग, मनिरका, नई दिल्ली-110067
एफ.नं.: ए-12037/6/2026-एडमिन 1
रिक्ति अधिसूचना
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, एक ऑटोनॉमस इंस्टीट्यूट है जिसे म



जब वह टेस्ट टीम के साथ जल्दी नहीं जुड़े थे तभी इसके संकेत मिल गए थे। जब उन्होंने आखिरी वनडे खेला तो मुझे लगा था कि वे उन्हें टेस्ट में खिलाने जा रहे हैं। लेकिन यह एक हैरानी की बात है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है। **- सुनील गावस्कर**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, मोहम्मद सिराज के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



महेला जयवर्धने

श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को जीएमआर स्पोर्ट्स ने क्रिकेट डायरेक्टर बनाया है। जयवर्धने इस भूमिका में विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएल टी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के क्रिकेट कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स क्रिकेट टीम के पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, प्लेयर डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट पर स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन देंगे और हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में कई स्वर्ण पदक जीते, जिनमें 1948 से 1956 के बीच लगातार तीन स्वर्ण और 1964 व 1980 के ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं।

वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन भारत का स्कोर 159/1

राहुल और यशस्वी ने फिफ्टी लगाई, न्यूजीलैंड 368 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, 20 नवंबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने तगड़ा पलटवार किया। भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड ने पहले दिन 70 रन पर 5 विकेट खोने के बाद इतने ही विकेट पर 243 रन बनाए। इसके बाद भारत ने दूसरे दिन न्यूजीलैंड को 368 रन पर रोका और फिर दमदार अंदाज में पलटवार किया।

भारत के लिए न्यूजीलैंड की धरती पर अपने करियर का पहला टेस्ट मैच खेलने उतरे यशस्वी जायसवाल ने दूसरे दिन को यादगार बनाया। वहीं, दूसरे सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने भी उनका साथ निभाया। इससे दोनों के बीच ओपनिंग में 100 से अधिक रन की साझेदारी हुई और न्यूजीलैंड की धरती पर 32 साल बाद एक बड़ा इतिहास भी बना। हालांकि, जायसवाल शतक नहीं जड़ सके और 85 रन पर आउट हो गए, तो टीम इंडिया ने दूसरे दिन के अंत तक 39 ओवर में एक विकेट पर 159 रन का टोटल बना लिया था।

दूसरे दिन भारत के लिए आकाश दीप ने बरपाया कहर

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट मैच के पहले दिन बेअसर नजरआने वाले आकाश दीप सिर्फ एक विकेट ही ले सके थे। इसके बाद दूसरे दिन जब वह गेंद लेकर मैदान में उतरे तो उन्होंने सबसे पहले छठे विकेट की मैराथन साझेदारी को तोड़ दिया। आकाश दीप की घातक गेंद को ग्लेन फिलिप्स भांप नहीं सके और शतक जड़ने के बाद वह क्लीन बोल्ड होकर चलते बने। फिलिप्स ने 216 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 118 रन की पारी खेली और भारत के खिलाफ टेस्ट करियर का पहला शतक



जमाया। इतना ही नहीं, एक ही कैलेंडर ईयर में वह भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने, जबकि रोहित शर्मा के बाद ऐसा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

इसके बाद न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका और उसकी पहली पारी 368 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए हालांकि हेनरी निकल्स नाबाद रहे और उन्होंने 335 गेंदों में 21 चौकों की मदद से 175 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, भारत के लिए आकाश दीप ने दूसरे दिन न्यूजीलैंड के बाकी पांच विकेटों में से दो विकेट चटकाए तो उनके नाम कुल तीन विकेट रहे। इसके अलावा बुमराह ने पहली पारी में 29 ओवर के लंबे स्पेल में 92 रन देकर 4 विकेट चटकाए। बुमराह और आकाश दीप के अलावा दो विकेट अंशुल कंबोज और एक विकेट प्रसिद्ध कृष्णा के नाम रहा।

क्या 368 का टोटल न्यूजीलैंड की जीत के लिए काफी है?

न्यूजीलैंड की टीम ने वेलिंगटन के मैदान पर पहली पारी में 368 रन का मजबूत स्कोर बनाया तो एक दिलचस्प आंकड़ा भी सामने आया। वेलिंगटन के मैदान पर जब भी किसी टीम ने टेस्ट मैच की पहली पारी में 358 से 378 के बीच का स्कोर बनाया है तो उसे जरूरी नहीं कि जीत ही मिली हो। वेलिंगटन में अभी तक 18 बार पहले बल्लेबाजी करते हुए किसी टीम ने 358 से लेकर 378 के बीच का स्कोर बनाया है। इसमें पांच बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है तो पांच बार उसे हार मिली है, जबकि आठ मैच पहली पारी में इतना बड़ा स्कोर बनने के बाद ड्रॉ भी रहे हैं।

हांगकांग ओपन में लक्ष्य सेन का जलवा, लोह कीन यू को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे



नई दिल्ली, 20 नवंबर। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को तीन गेम में हराकर हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में अपनी जगह पहले ही पक्की कर चुके अल्मोड़ा के 25 वर्षीय खिलाड़ी लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त लोह को 21-17, 10-21, 21-13 से हराया। हाल में हाइलो ओपन और कुमामोतो मास्टर्स जापान का खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेमीफाइनल में एंडर्स एंटोनसेन और चीन के तीसरी वरीयता प्राप्त झू जुआन चेन के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे गेम में वे अपनी लय खो बैठे। उन्होंने हालांकि बाद में वापसी करते हुए 59 मिनट में 21-12, 13-21, 21-16 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग फाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड या मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन में से किसी एक का सामना करेंगे। महिला एकल में रक्षिता रामराज का शानदार सफर क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड की पांचवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 19-21, 16-21 से हार के साथ समाप्त हो गया। रक्षिता ने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त चेन यू फी को 21-18, 24-22 से हराकर उलटफेर किया था।

कोटा कप पोलो : टीम जयपुर और रामबाग के बीच होगा फाइनल

महाराजा पद्मनाभ सिंह ने दागे 9 गोल, टीम जयपुर ने आरपीसी को हराया



जयपुर, 20 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत खेले जा रहे कोटा कप (4 गोल्स) टूर्नामेंट के फाइनल में टीम जयपुर और टीम रामबाग आमने-सामने होंगी। शुक्रवार को पीपीसी ग्राउंड पर खेले गए दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में टीम जयपुर और रामबाग ने जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

पहले सेमीफाइनल में टीम जयपुर ने टीम आरपीसी को 11-4.5 गोल से हराया। विजेता टीम की ओर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 9 गोल किए। दिव्यमान सिंह दुजोद और कुलदीप सिंह राठौड़ ने एक-एक गोल किया। आरपीसी की ओर से मुकेश सिंह ने 2 और एलन शॉन माइकल ने एक गोल किया।

दूसरे सेमीफाइनल में टीम रामबाग ने कड़े मुकाबले में टीम जगत पोलो को 7.5-7 गोल से पराजित किया। रामबाग की ओर से जुआन जोस अल्बर्डी ने 5 गोल, जबकि सिद्धांत सिंह और प्रताप सिंह कानोता ने एक-एक गोल किया। जगत पोलो की ओर से फेडे बौउडू ने 5 तथा वीरम देव सिंह कृष्णावत और विशाल सिंह राठौड़ ने एक-एक गोल किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार, 22 नवंबर को आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : भुवनेश्वर के 3 विकेट से यूपी जीता

पंजाब ने तमिलनाडु को 5 रन से हराया, महाराष्ट्र, झारखंड भी जीते

नई दिल्ली, 20 नवंबर। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शुक्रवार को यूपी ने चंडीगढ़ को 30 रन से हरा दिया। यूपी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 19 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि आर्यन जुयाल ने 28 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली। दिन के दूसरे मुकाबले में पंजाब ने तमिलनाडु को 5 रन से हराया। वहीं महाराष्ट्र, झारखंड और सौराष्ट्र ने भी अपने मुकाबले जीते।

जुयाल की पारी से यूपी ने 191 रन का टारगेट दिया

मुंबई में खेले गए मुकाबले में यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 190 रन बनाए। जुयाल ने 64 रन की पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। जवाब में चंडीगढ़ की टीम 20 ओवर में टारगेट से 30 रन पीछे रह गई। भुवनेश्वर कुमार ने 3 और प्रशांत वीर ने 2 विकेट हासिल किए।

सचिन की फिफ्टी के बावजूद हारा तमिलनाडु

पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 165 रन बनाए। रमदीप सिंह ने 23 गेंद पर 36, जबकि



सुखदीप सिंह ने 7 गेंद पर नाबाद 20 रन बनाए। जवाब में तमिलनाडु की ओर से बालासुब्रमण्यम सचिन ने 42 गेंद पर 70 रन की पारी खेली। उन्होंने आंद्रे सिद्धार्थ (28 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही तमिलनाडु की पारी लड़खड़ा गई। टीम 9 विकेट पर 160 रन ही बना सकी।

महाराष्ट्र ने आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की

मोहाली में महाराष्ट्र ने रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। असम के कप्तान डेनिश दास ने 33 गेंद पर 62 रन बनाए। हालांकि, उनकी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए महाराष्ट्र के विकेटकीपर ऋषिकेश सोनवणे ने 32 गेंद पर 54 रन बनाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 35 गेंद पर नाबाद 44 रन की पारी खेली। दोनों की पारियों की मदद से महाराष्ट्र ने आखिरी गेंद पर मुकाबला जीत लिया।

आंध्र ने मध्य प्रदेश को 116 रन पर समेटा

आंध्र प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 186 रन बनाए। शेख रशीद और रिकी भुई ने अर्धशतक लगाए, जबकि एम हेमंत रेड्डी ने 17 गेंदों पर 34 रन बनाए। 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम 116 रन पर ऑलआउट हो गई। आंध्र के सत्यनारायण राजू ने 3.1 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट लिए। झारखंड ने कर्नाटक को 7 विकेट से हराया: कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 174 रन बनाए। जवाब में झारखंड ने 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान अनुकूल रॉय ने 54 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि विराट सिंह ने 34 गेंदों पर 60 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 110 रन की नाबाद साझेदारी की।

पाकिस्तान ने दो साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली, 20 नवंबर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए शुक्रवार का दिन अच्छा रहा। टीम ने करीब दो साल बाद कोई टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाबी हासिल की है। टीम के कप्तान बाबर आजम का बल्ला तो नहीं चला, लेकिन टीम ने श्रीलंका को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से हरा दिया है। सीरीज का पहला मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। इस बीच पाकिस्तान को जीत के बाद भी कोई बहुत ज्यादा फायदा नहीं मिला है। टीम अभी भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में आखिरी पायदान पर है। हां, इस हार से श्रीलंका को जरूर हल्का सा नुकसान हुआ है। श्रीलंका को दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने आठ विकेट से हराया: श्रीलंका के खिलाफ खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच पाकिस्तान ने आठ विकेट से जीत लिया है। इसके साथ ही सीरीज अब उसके नाम हो चुकी है। मैच की पहली पारी में श्रीलंकाई टीम केवल 98 ही रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 325 रन का बड़ा स्कोर बनाया। श्रीलंका की टीम अपनी दूसरी पारी में भी कुछ खास नहीं कर सकी और केवल 316 रन पर आउट हो गई। इसके बाद आखिरी पारी में पाकिस्तान के सामने महज 90 रनों का लक्ष्य था, जिसे टीम ने अपने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया।

आरसीए अंडर-15 महिला चयन ट्रॉयल 27-28 को

जयपुर, 20 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की ओर से बीसीसीआई की आगामी अंडर-15 महिला क्रिकेट ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम के चयन हेतु 27 और 28 नवंबर को जयपुर स्थित आरसीए एकेडमी में चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों के बीच 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक जयपुर में चैलेंजर ट्रॉफी के मुकाबले खेले जाएंगे। ट्रायल में केवल जिला क्रिकेट संघों की ओर से भेजी गई पात्र खिलाड़ियों की सूची के आधार पर ही भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके लिए खिलाड़ियों की जन्मतिथि 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के बीच होनी चाहिए।

जिलावार ट्रायल कार्यक्रम: 27 नवंबर: अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चूरू, दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक। 28 नवंबर: पाली, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, जोधपुर, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सिरोही, श्रीगंगानगर और उदयपुर। सभी खिलाड़ियों को संबंधित तिथि पर सुबह 9 बजे आरसीए एकेडमी में रिपोर्ट करना होगा। खिलाड़ियों के लिए रंगीन क्रिकेट ड्रेस अनिवार्य है।

ट्रायल में शामिल होने वाली खिलाड़ियों को डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड (जिस पर फोटो छह माह से अधिक पुराना नहीं हो), चालू वर्ष का स्कूल बोनाफाइड प्रमाण पत्र तथा सत्र 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की स्कूल मार्कशीट या रिपोर्ट कार्ड मूल रूप में साथ लाने होंगे। जिला संघों को खिलाड़ियों के नाम के साथ आरसीए पंजीकरण नंबर, पिता का नाम और जन्मतिथि भी उपलब्ध करानी होगी।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी को घरेलू मैदान पर 1-4 हार, चनमारी एफसी ने दी शिकस्त

सबीर इसाह मूसा ने किया राजस्थान का एकमात्र गोल, अब 25 नवंबर को मोहम्मडन एससी से मुकाबला

जयपुर, 20 नवंबर। इंडियन फुटबॉल लीग में राजस्थान यूनाइटेड एफसी को घरेलू मैदान पर चनमारी एफसी के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को विद्याधर नगर फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड की टीम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी। टीम की ओर से सबीर इसाह मूसा ने एकमात्र गोल किया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच राजस्थान यूनाइटेड ने मुकाबले में वापसी का प्रयास किया, लेकिन चनमारी एफसी ने अपने मौकों का बेहतर फायदा उठाते हुए 4-1 से जीत दर्ज की। मैच के दौरान मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी रहे। इस अवसर पर जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला और राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन के.के. टाक भी मौजूद रहे। मैच के बाद के.के. टाक ने कहा कि टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन उन्हें खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की क्षमता पर पूरा भरोसा है। टीम अपनी कमियों पर काम कर आगामी मुकाबलों में मजबूती से वापसी करेगी। राजस्थान यूनाइटेड एफसी का अगला मुकाबला 25 नवंबर को कोलकाता के कल्याणी स्टेडियम में मोहम्मडन एससी के खिलाफ होगा। टीम इस मुकाबले में जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी।

प्रखर असावा अंतिम दौर में 69 का स्कोर बनाकर सातवें स्थान पर रहे



डिगबोई, असम, 20 नवंबर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने शुक्रवार को 26वें इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स में थ्री-अंडर-पार 69 का स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया। चार दिनों में कुल 279 (नाइन अंडर पार) के स्कोर के साथ उन्होंने 2026-27 डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया सीज़न के शुरुआती टूर्नामेंट में शीर्ष-10 (टॉप-टेन) में जगह बनाई। असम का पहला 18-होल कोर्स, डिगबोई गोल्फ लिंक्स, देहिंग वन अभयारण्य के बगल में लहरदार जमीन पर स्थित है। युद्ध के समय की एक हवाई पट्टी अब इसके पांचवें फेयरवे का हिस्सा है, और 11वें होल के पास एक तेल के कुएं के अवशेष मौजूद हैं। 6,348 गज का यह पार-72 कोर्स किसी भी खिलाड़ी को टी से शॉट लगाते समय काफी सोचने पर मजबूर करता है। यहां फेयरवे पर गिरने वाला शॉट भी उछलकर किनारे की घनी झाड़ियों (रफ) या कोर्स के बीच से गुजरने वाले प्राकृतिक जल निकासी नालों में जा सकता है।

यहां टी से शॉट की दिशा के साथ-साथ सही क्लब का चुनाव भी उतना ही मायने रखता है। 236 गज के 10वें होल पर खिलाड़ी को एक लंबे टी-शॉट के साथ ग्रीन तक पहुंचना होता है। इसके छह होल बाद, 16वां होल केवल 127 गज का है, और यहां चुनौती यह सटीक अंदाजा लगाने की होती है कि गेंद को कितनी दूर तक हवा में भेजना है। असावा के अंतिम दौर में एक ईगल के साथ-साथ एक डबल बोगी भी शामिल थी। इतने उतार-चढ़ाव वाले दिन में 69 के स्कोर के साथ वापसी करने के लिए काफी धैर्य की जरूरत थी। उनका नाइन-अंडर का यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण था कि जयपुर के इस गोल्फर ने चार चुनौतीपूर्ण दिनों तक डिगबोई के कोर्स को कितनी अच्छी तरह संभाला। असावा ने कहा, "प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना और अपनी ऊर्जा उन चीजों पर लगाना जिन्हें आप नियंत्रित कर सकते हैं, आपको वह सब कुछ हासिल करने का सबसे अच्छा मौका देता है जो आप करना चाहते हैं।"

फिडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में डी गुकेश का सामना सिंदारोव से

नई दिल्ली, 20 नवंबर। मौजूदा चैंपियन डी गुकेश को 24 नवंबर से यहां शुरू होने वाली फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में उज़्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। जहां गुकेश ने 2024 में विश्व चैम्पियनशिप मैच में चीन के डिंग लिरेन को हराकर फिर से इस प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह पक्की की, वहीं सिंदारोव विश्व कप और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन करके इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की मौजूदा रेटिंग में अंतर से भी यह मुकाबला रोमांचक बन गया है।

गुकेश फिलहाल 2710 की रेटिंग के साथ विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान जबकि सिंदारोव 2782 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। मतलब दोनों के बीच 72 अंकों का अंतर है। विश्व चैंपियन बनने के बाद गुकेश का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दूसरी तरफ सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन किया है और रेटिंग और विश्व रैंकिंग दोनों में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल किए हैं। चैम्पियनशिप मुकाबले में 14 क्लासिकल गेम होंगे और जो खिलाड़ी सबसे पहले 7.5 अंक हासिल करेगा, वह खिताब जीत जाएगा। मुकाबले के टाई होने की स्थिति में विजेता का निर्धारण करने के लिए कम अवधि के गेम खेले जाएंगे। विश्व चैंपियनशिप के मुख्य मुकाबले में पहले 40 चाल के लिए समयसीमा 120 मिनट है।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान 387 रन पीछे, तविश शर्मा का अर्धशतक

महाराष्ट्र ने पहली पारी में 521 रन बनाकर घोषित की, राजस्थान ने दूसरे दिन बनाए 134/3

जयपुर, 20 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन महाराष्ट्र ने पहली पारी में 6 विकेट पर 521 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में राजस्थान ने दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 134 रन बना लिए। राजस्थान अभी महाराष्ट्र से 387 रन पीछे है।

महाराष्ट्र के लिए अर्जुन गायकवाड़ ने 120 और विवान हंसलिया ने नाबाद 104 रन की शतकीय पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से आंजनेय शर्मा ने 133 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में राजस्थान के तविष शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंदों पर 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए। वहीं सलामी बल्लेबाज निश्छल शर्मा 40 रन बनाकर नाबाद हैं। महाराष्ट्र की ओर से अर्जुन, कृश्वा और अवनीश ने एक-एक विकेट लिया। अंडर-23 प्रैक्टिस मैच में पंजाब ने राजस्थान को हराया: राजस्थान और पंजाब के बीच खेले गए अंडर-23 टी-20 प्रैक्टिस मैच में पंजाब ने 93 रन से जीत दर्ज की। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 290 रन बनाए। देव अमृतपाल ने नाबाद 116 और आर्यन यादव ने 111 रन की शतकीय पारियां खेलीं। राहुल कुमार ने नाबाद 48 रन बनाए। राजस्थान की ओर से राहुल सहारन ने 2 और देवांश सिंह जस्वाल ने एक विकेट लिया। जवाब में राजस्थान की टीम 6 विकेट पर 197 रन ही बना सकी। राजस्थान के लिए मोहम्मद शोएब ने 59, नावेद ने 45, अमन ने 34 और देवांश ने 28 रन बनाए। पंजाब की ओर से दमनप्रीत सिंह और सैयाम सिंह ने 2-2 विकेट लिए।

टीम ए ने टीम बी को हराया: टीम ए और टीम बी के बीच खेले गए प्रैक्टिस मैच में टीम ए ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। टीम बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 170 रन बनाए। करण लांबा ने 58 और गौरव चंदर ने 41 रन बनाए। टीम ए की ओर से चेतन शर्मा ने 3 विकेट लिए। जवाब में टीम ए ने 4 विकेट पर 171 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी : दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम



नई दिल्ली, 20 नवंबर। भारतीय टीम की निगाहें शनिवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के अपने दूसरे राउंड रॉबिन मुकाबले में जीत की लय जारी रखते हुए महाद्वीप में अपना दबदबा बरकरार रखने पर लगी होंगी। गत चैंपियन और तीन बार खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने बृहस्पतिवार को छह टीमों के इस टूर्नामेंट में मलेशिया को 4-1 से हराकर शानदार शुरुआत की।

भारत ने 2016, 2023 और 2024 में इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। भारत और तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे सफल टीमें हैं। कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई और मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद इस टूर्नामेंट में उतरी है जिससे उसने लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए भी अपनी जगह पक्की की थी। मारिन और उनकी टीम इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल टीम में नए खिलाड़ियों को मौका देने और 'बेंच स्ट्रेंथ' मजबूत करने के लिए कर रहे हैं।

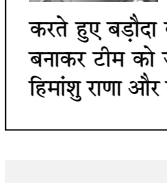
इसी रणनीति के तहत अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और डिफेंडर इशिका चौधरी को आराम दिया गया है जबकि गोलकीपर बीचू देवी और बंसारी सोलंकी को रोटेट किया जा रहा है। भारतीय टीम ने मलेशिया के खिलाफ पहले मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। जूनियर स्तर से आगे बढ़कर सीनियर टीम में जगह बनाने वाली डिफेंडर पूजा साहू ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 राजस्थान

राजस्थान को बड़ौदा ने 5 विकेट से हराया, लोमरोर का नाबाद अर्धशतक बेकार







जयपुर, 20 नवंबर। बीसीसीआई सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में गुरुवार को मुंबई में खेले गए मुकाबले में राजस्थान को बड़ौदा के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में बड़ौदा ने पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान की ओर से महिपाल लोमरोर ने 33 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। मुकुल चौधरी ने 25 गेंदों पर 39, रोहन राजभर ने 21 गेंदों पर 38 और कार्तिक शर्मा ने 16 गेंदों पर 24 रन की तेज पारियां खेलीं। बड़ौदा के कुणाल पंड्या ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा की ओर से रसिख दर ने नाबाद 57 और जितेश शर्मा ने 47 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। राजस्थान के राहुल चाहर ने दो विकेट लिए, जबकि हिमांशु राणा और दीपक चाहर को एक-एक विकेट मिला।

भारत से फाइनल खेले बिना पाकिस्तान को ट्रॉफी दी

नई दिल्ली, 20 नवंबर। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट में एक और विवाद शुरू हो गया है। बांग्लादेश के ढाका में शुक्रवार को खेले जाने वाले मेंस एशिया कप फॉर द ब्लाइंड का फाइनल बारिश के कारण नहीं हो सका। पाकिस्तान और भारत को टूर्नामेंट का संयुक्त विजेता घोषित कर दिया गया। इसके बाद वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट के अध्यक्ष और पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख सुल्तान शाह ने पाकिस्तान को विजेता घोषित किया। मैच रेफरी को भी यही फैसला सुनाना पड़ा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के महासचिव शैलेंद्र ने कहा कि जब तक यह विवाद नहीं सुलझता, भारतीय टीम आगे पाकिस्तान के साथ कोई मैच नहीं खेलेगी। भारतीय टीम ने इस फैसले को खेल भावना के खिलाफ बताया है। टीम का विरोध सिर्फ ट्रॉफी को लेकर नहीं, बल्कि फाइनल खेले बिना एक टीम को विजेता घोषित करने के तरीके को लेकर भी है। भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को फाइनल खेला जाना था। लेकिन बारिश ने मैच शुरू ही नहीं होने दिया।

राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा

हनुमान बेनीवाल की आरएलपी व राजकुमार रोत की बीएपी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया

- मेवाड़ और मारवाड़ में कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार रहा। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर व भीलवाड़ा में जिला परिषदों में कांग्रेस ने ''कमबैक'' किया। चित्तौड़गढ़, सिरोही, राजसमंद और जालौर जैसे भाजपा के मजबूत गढ़ों में भी कांग्रेस ने जीत हासिल की।

जयपुर, 20 नवम्बर। राजस्थान के ग्रामीण संग्राम, यानी पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस ने बंपर जीत दर्ज करते हुए जोरदार वापसी की है, जबकि सत्ताधारी भाजपा को करारा झटका लगा। जिला परिषद और पंचायत समिति, दोनों ही चुनावों में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल की है।

पंचायत चुनावों में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी जैसे छोटे दलों ने भी दमदार प्रदर्शन कर सियासी समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है. खास बात यह है कि मुख्यमंत्री समेत केन्द्र और राज्य सरकार के कई दिग्गज मंत्रियों के इलाकों में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों के करीब दो करोड़ 48 लाख मतदाताओं ने अपने जनादेश से भाजपा को बड़ा झटका दिया है. मेवाड़ और मारवाड़ दोनों ही इलाकों में कांग्रेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा जैसे बड़े जिलों में कांग्रेस ने जिला प्रमुख की सीट पर शानदार कमबैक किया है।

अजमेर की सीट भाजपा के खाते में गई है, जबकि उदयपुर में पार्टी किसी तरह बाल-बाल बची है। इसके अलावा, चित्तौड़गढ़, सिरोही, राजसमंद और जालौर जैसे भाजपा मजबूत गढ़ माने जाने वाले इलाकों में भी कांग्रेस ने बंपर जीत हासिल की है।

राजस्थान के 37 जिलों के 475 जिला परिषद सदस्यों और 419 पंचायत समितियों के 7543 वार्डों के परिणाम घोषित किए गए हैं। वहीं, चार जिलों के परिणाम फिलहाल होल्ड पर रखे गए हैं, जिन्हें दिसंबर में होने वाले पंचायत चुनावों के नतीजों के साथ जारी किया जाएगा।

जिला परिषद की 37 सीटों में से कांग्रेस ने 25, भाजपा ने 8 और निर्दलीय/अन्य ने 3 सीटों पर बढ़त हासिल की है। पिछली बार राजस्थान में 29 जिला परिषदों के चुनाव हुए थे, जिनमें भाजपा ने 16 और कांग्रेस ने 10 पर कब्जा जमाया था।

पंचायत समिति की कुल 419 सीटों में कांग्रेस ने 213, भाजपा ने 85 और निर्दलीयों ने 56 पंचायत समितियों में जीत का परचम लहराया है।

सियासी जानकारों के मुताबिक, पंचायत चुनावों में कांग्रेस ने अपने कोर वोट बैंक एससी, जाट, गुर्जर और मीणा समुदाय के साथ-साथ, भाजपा के परंपरागत माने जाने वाले राजपूत वोट बैंक में भी बड़ी सेंध लगाई है।

पंजाब के मुख्य सचिव और वित्त विभाग के प्रधान सचिव को ईडी का समन

नई दिल्ली, 20 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित संरक्षण, भ्रष्टाचार और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाने से जुड़े मामले में पंजाब के मुख्य सचिव और वित्त विभाग के प्रधान सचिव को समन जारी किया है। पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा को 26 नवंबर 2026 को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है।

ईडी की ओर से जारी समन में दोनों अधिकारियों को मामले से संबंधित जानकारी और तथ्यों के सिलसिले में तलब किया गया है। एजेंसी इस मामले में कथित संरक्षण और भ्रष्टाचार के साथ सरकारी खजाने को हुए नुकसान से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

सांस्कृतिक संबंध वैश्विक शांति की सबसे बड़ी गारंटी है - मोदी

प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि साझा सभ्यतागत अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विविधता को स्वीकार करने की प्रेरणा हमें वेदों से मिलती है।

नई दिल्ली, 20 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा ऐसे समय में जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चाएं हावी हैं, हम भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद और कनेक्टिविटी (संपर्क) पर चर्चा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया, यह पहला एससीओ सभ्यता संवाद मंच है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सांस्कृतिक संबंध वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी हैं। इससे इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ जाता है।

पीएम मोदी ने विश्वास जताते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि यह मंच नए विचारों को प्रोत्साहित करेगा और सांस्कृतिक सहयोग के लिए नए अवसर पैदा करेगा। हमारे साझा सभ्यतागत अनुभव दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

पीएम मोदी ने वेदों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हुए कहा, भारत में, हम विविधता को स्वीकार करते हैं और उसका जश्न मनाते हैं। यह प्रेरणा हमें अपने वेदों से मिलती है। हमारे वेद कहते हैं... आइए हम सब मिलकर चलें, एक-दूसरे से संवाद करें, और हमारे विचार एक-दूसरे के साथ तालमेल में हों।

पीएम ने आगे कहा, हजारों वर्षों की अमूल्य विरासत हमारे देशों के संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागारों में सुरक्षित है। प्राचीन पांडुलिपियां, दुर्लभ पुस्तकें, ऐतिहासिक दस्तावेज और कलाकृतियां हमारे आपसी संबंधों के कई पहलुओं को उजागर करती हैं।

भारत की पहली स्वदेशी बर्ड फ्लू वैक्सीन देश को समर्पित

- केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मात्र 1 से 2 रुपये की बेहद किफायती कीमत वाली यह वैक्सीन बर्ड फ्लू के इस वेरिएंट की दुनिया की पहली वैक्सीन है जो पशुपालन क्षेत्र को सालाना होने वाले हजारों करोड़ रुपये के नुकसान से बचाएगी।

भोपाल, 20 नवंबर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बढ़ाते हुए, शुक्रवार को भोपाल में बर्ड फ्लू (एच5एन1) की देश की पहली स्वदेशी चिकन वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने भोपाल में 300 करोड़ रुपये की लागत से एक नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला (लैब) स्थापित करने की भी घोषणा की। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मात्र 1 से 2 रुपये की बेहद किफायती कीमत वाली यह वैक्सीन बर्ड फ्लू के इस वेरिएंट की दुनिया की पहली वैक्सीन है, जो देश के लाखों पोल्ट्री किसानों की आजीविका को सुरक्षित करने के साथ-साथ, पशुपालन क्षेत्र को सालाना होने वाले हजारों करोड़ रुपये के नुकसान से बचाएगी। भोपाल स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी-निषाद) की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि भोपाल का यह संस्थान आज भारत का कीर्ति स्तंभ बन गया है। पहले इस वैक्सीन का लोकार्पण दिल्ली से करने की योजना बन रही थी, लेकिन उन्होंने तय किया कि जिन वैज्ञानिकों ने भोपाल में दिन-रात एक करके इसे बनाया है, उन्हीं के बीच और भोपाल की जनता के सामने इसे राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।

तेलंगाना के पूर्व विधायक से 30 लाख रुपये बरामद

नई दिल्ली, 20 नवंबर। तेलंगाना में 40.96 करोड़ रुपये के सरकारी धान के गबन से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खानापुर की पूर्व विधायक अजमेरा रेखा नाइक से जुड़ी फर्म एआरएस इंडस्ट्रीज और आवासीय परिसरों पर छापेमारी की है। शुक्रवार को शुरू हुई इस कार्रवाई में अब तक 30 लाख रुपये की बेहिसाबी नकदी और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। निर्मल जिले में तलाशी अभियान जारी है। ईडी के अनुसार, तेलंगाना पुलिस की ओर से 19 अगस्त को खानापुर थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें अजमेरा रेखा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(2), 316(5) और 318(4) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रात भर हुए हमलों में 8 की मौत

पुतिन ने, इस सप्ताह क्रीमिया को रुस से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण पुल पर यूक्रेन के तीन हवाई हमलों के बाद हमलों का जवाब देने की चेतावनी दी थी

- रुस के इन हमलों में अपार्टमैंट बिल्डिंग चिकित्सा केन्द्रों, गोदामों और तीन पुलों को नुकसान पहुँचा है।

कीव, 20 नवंबर। रूस ने बृहस्पतिवार को रातभर कीव में मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए, जिनमें आठ लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये हमले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस चेतावनी के कुछ घंटे बाद हुए, जिसमें उन्होंने इस सप्ताह क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण केर्च पुल पर यूक्रेन के तीन हवाई हमलों का जवाब देने की बात कही थी।

यूक्रेन ने कहा कि इन हमलों में राजधानी कीव में छह लोगों समेत कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हमलों में अपार्टमेंट इमारतों, चिकित्सा केन्द्रों, गोदामों और तीन पुलों को नुकसान पहुंचा। कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने बताया कि हमले में राजधानी के चार जिले प्रभावित हुए। इसके कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। ऊर्जा प्रदाता कंपनी डीटीईके ने कहा कि हमलों के बाद जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने 400 से अधिक ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, जबकि कुछ में क्लस्टर वारहेड लगे थे, जो बड़े इलाके में दर्जनों छोटे बम फैलाते हैं।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने रात में यह हमला चीन में हुई कमजोर बैठकों और (पुतिन की) दुनिया का नक्शा किसी तरह नए सिरे से खींचने की कोशिश की वास्तविक विफलता के बाद किया।

मणिपुर में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 15 हुई

इंफाल, 20 नवंबर। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़ कर 15 हो गई है। करीब 150 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। सभी का इलाज चल रहा है। मामला स्थानीय स्तर पर बनी शराब पीने से जुड़ा है। शक है कि शराब में जहरीला मेथनॉल मिला हुआ था। यह घटना चंदेल जिले के चकपी करोंग इलाके में हुई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज इंफाल के शिजा अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, प्रभावित लोगों में ज्यादातर चंदेल जिले के चकपी करोंग और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। इनमें वयस्क से लेकर अधेड़ उम्र के लोग शामिल हैं। अस्पताल लाए गए कई लोगों में मेथनॉल के जहर से जुड़े लक्षण मिले हैं। आशंका है कि उन्होंने ऐसी स्थानीय शराब पी थी, जिसमें जहरीला पदार्थ मिला हुआ था।

'मोटर दुर्घटना मुआवज़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोशी ने बताया कि मोटर दुर्घटना से जुड़े एक मामले में एमएसीटी अधिकरण ने क्लेम याचिका तय करते हुए क्षतिपूर्ति राशि पर याचिका पेश करने की तिथि से ब्याज भी देने को कहा था। बीमा कंपनी ने इस ब्याज राशि पर टीडीएस काट लिया। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सामने आया कि हाईकोर्ट की अलग-अलग पीठ ने इस बिंदु पर अलग-अलग निर्णय दे रखे हैं। ऐसे में इस बिंदु को तय करने के लिए मामला फुल बेंच में भेजा गया था।

'दो से कम केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुराने नोटिस को वापस ले लिया, जिसमें मतदाताओं को अदालत में पेश होने के साक्ष्य, जैसे 2 वकालतनामे या ऑर्डरशीट, पेश करने की बात की गई थी।

सुनवाई के दौरान चुनाव समिति के सदस्य, 'इलेक्शन ट्रिब्यूनल' के सदस्य, याचिकाकर्ता व हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं की ओर से कहा गया कि बार एसोसिएशन के हित में यही होगा कि वही अधिवक्ता मतदाता सूची में जोड़े जायें जो अदालत में नियमित तौर पर कार्यरत हैं। हालांकि अधिवक्ता दिनेश पाठक की ओर से कहा गया कि बार एसोसिएशन के नियम सदस्यों को चुनावों में भाग लेने का हक देते हैं और उन पर अतिरिक्त ऐसी कोई शर्त नहीं लगाई जा सकती, जिससे उनका यह हक छीना जाये।

अदालत ने मामलों को सुनने के बाद कहा कि चुनाव समिति के पुराने नोटिस, जो दो वकालतनामे पेश करने की शर्त लगाते हैं, न्यायसंगत व विवेकपूर्ण हैं।

इसलिए इस शर्त को आगामी चुनाव में लागू किया जायेगा। अदालत ने कहा कि चुनाव समिति ने अधिवक्तओं को शपथ पत्र समेत, दो वकालतनामे पेश करने के लिए 23 नवंबर शाम 5 बजे तक का अतिरिक्त समय दिया है। अदालत ने कहा कि मतदाता सूची 24 नवंबर को जारी की जायेगी।

दिल्ली के ''मृत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रक्रिया निर्धारित है और पूरे देश में इसका पालन किया जाता रहा है। लेकिन अब अचानक चुनाव आयोग कह रहा है कि एएसडीडी सूची में ''शिफ्टेड'' श्रेणी में रखे गए मतदाता केवल एक ''एन्यूमरेशन फॉर्म'' (गणना फॉर्म) और उसके साथ एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र (एनैक्सचर) भरकर अपना पुराना और नया पता बता सकते हैं। लेकिन समस्या यह है कि मौजूदा नियमों में इस तरह के एनैक्स्चर का कोई प्रावधान ही नहीं है। यहाँ तक कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने भी चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बताया है कि यह प्रक्रिया नियमों से अलग है। दिल्ली के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव आयोग मुख्यालय में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर इन निर्देशों को लागू करने के लिए ईसीआईनेट, ईआरओनेट और बीएलओ ऐप में बदलाव करने की मांग की है।

देश में चीतों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने लिखा कि बोत्सवाना से आई ढ ाई साल की मादा चीता केओएमजी-3 ने आज जंगल में चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। खास बात यह है कि वह बोत्सवाना से आई पहली मादा चीता है जिसने बच्चों को जन्म दिया है।

चार राफेल विमान गायब होने का दावा गलत- पूर्व वायु सेना उप प्रमुख

- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेवा में रहे एयर मार्शल तिवारी ने रिपोर्ट के स्रोतों पर सवाल उठाया।
- उन्होंने कहा कि इन्हीं सूचना देने वालों ने पहले पाकिस्तान के साथ संघर्ष में नष्ट हुए राफेल विमानों के खास नंबर बताए थे। बाद में उन्हीं नंबर वाले विमान अंतर्राष्ट्रीय सन्य अभ्यास में थे।

नई दिल्ली, 20 नवंबर। भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वायुसेना के 36 में से सिर्फ 32 राफेल ही इस्तेमाल के लिए उपलब्ध हैं। यानी चार विमान कम हो गए हैं। लेकिन भारतीय वायुसेना के पूर्व उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी (सेवानिवृत्त) ने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने रिपोर्ट में इस्तेमाल की गई जानकारी के स्रोतों पर भी सवाल उठाए। तिवारी पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेवा में थे।

वर्ल्ड एयर फोर्सेज की ताजा सूची में भारतीय वायुसेना के पास 32 राफेल विमान सक्रिय बताए गए हैं। हालांकि, इसमें संख्या घटाने की कोई वजह नहीं बताई गई है। इसके समर्थन में कोई सबूत भी नहीं दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीने बाद जारी पिछले संस्करण में 35 राफेल विमान सक्रिय बताए गए थे।

भारत ने फ्रांस से कुल 36 राफेल विमान खरीदे थे। इनमें 28 एक सीट वाले ईएच विमान हैं। बाकी आठ दो सीट वाले डीएच विमान हैं। नई सूची में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की संख्या वाली तालिका में राफेल की संख्या घटाई गई है।

पूर्व वायुसेना उप प्रमुख तिवारी ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने वाले प्रकाशन से अपने सूचना स्रोतों की दोबारा जांच करने को कहा। उन्होंने बताया कि इन्हीं सूचना देने वालों ने पहले पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान नष्ट हुए राफेल विमानों के खास नंबर बताए थे। लेकिन बाद में उन्हीं नंबरों वाले विमान कई सैन्य अभ्यासों में शामिल हुए। इनमें अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास भी शामिल थे।

तिवारी ने स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह से जुड़ी गलत रिपोर्ट्स का भी जिक्र किया। वह भारतीय वायुसेना की पहली महिला राफेल पायलट हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शैक्षिणक योग्यता को 20 प्रतिशत और साक्षात्कार को 40 फीसदी वेटेज दिया गया था। याचिकाकर्ताओं ने इस फार्मूले को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि राजस्थान मेडिकल सर्विस रूल्स, 1962 के नियम 19 में बाद में किए गए संशोधन को इस भर्ती पर भी लागू किया जाना चाहिए।

इस संशोधन में साक्षात्कार के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत वेटेज निर्धारित किया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने गत 27 अक्टूबर को दिए फैसले में आरपीएससी की चयन प्रक्रिया को वैध ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया गया कि 43 विशेषज्ञताओं में 337 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की आवश्यकता है। कई चयनित असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं तथा शेष अभ्यर्थियों के कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी कर ली जाएगी।

फंड नहीं मिला तो स्पाइसजेट एक सप्ताह में बंद हो जायेगा

- दुबई की उड़ान बंद, भारत में चार में से तीन फ्लाइट कैंसिल।

नई दिल्ली, 20 नवंबर। आर्थिक संकट में घिरी स्पाइसजेट एयरलाइंस के लिए आने वाला एक सप्ताह बेहद अहम रहेगा। इसमें अगर एयरलाइंस को कहीं से फंड के रूप में ऑक्सीजन मिल गई तो उड़ानें बरकरार रहेंगी, वरना एयरलाइंस को शटडाउन करना पड़ सकता है। मामले में डीजीसीए ने भी 17 नवंबर को एयरलाइंस को नोटिस थमाकर एक हफ्ते में अपनी परफॉरमेंस सुधारने की चेतावनी दी है, नहीं तो उड़ानों को रोका जा सकता है। फिलहाल, डीजीसीए ने एयरलाइंस पर टिकट बुकिंग पर रोक नहीं लगाई है। लेकिन, हालात खराब होने से इंटरनेशनल रूट पर दुबई के रूप में बचे एकमात्र डेस्टिनेशन पर भी फ्लाइटों की आवाजाही पूरी तरह से बंद करनी पड़ गई है। जबकि डोमेस्टिक रूटों पर हर चार में से तीन फ्लाइट कैंसल और डिले हो रही हैं। सूत्रों ने बताया कि हालात सुधारने के लिए स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह ने सिविल एविएशन सेक्रेटरी समीर सिन्हा से भी मुलाकात की। मंत्रालय को बताया गया कि बैंक कर्ज नहीं दे रहे। अगर कहीं से भी पैसों का इंतजाम नहीं हुआ तो एक सप्ताह में एयरलाइंस को शटडाउन करना पड़ सकता है। फिलहाल, डीजीसीए ने टिकट बुकिंग पर रोक नहीं लगाई है। लेकिन, फ्लाइटों का कोई भरोसा नहीं, उड़ेंगी भी या नहीं।

बांग्लादेश के विदेश राज्यमंत्री के घर के बाहर आग लगाई

ढ ाका, 20 नवंबर। बांग्लादेश में हालात तनावपूर्ण हैं। आगजनी और बमबारी की घटनाएं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। आगजनी की ताजा घटना विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर के घर के बाहर हुई है। वहीं, एक नेता के घर को बम से निशाना बनाया गया। छात्र विद्रोह और शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद सरकार अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा चुकी है।

प्रोथोम अलो, ढ ाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, आज तड़के सिलहट शहर के दरियापारा इलाके में विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर के घर की ओर जाने वाली गली के मुख्य गेट पर कुछ लोगों ने आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3:30 बजे हुई। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

पुलिस आंकड़ों के अनुसार बांग्लादेश में 7 से 18 नवंबर के बीच 78 जगहों पर देसी बम धमाके हुए, जबकि इन 12 दिनों में 74 गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया।

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रश्नों की जांच स्वतंत्र विषय विशेषज्ञ समिति से कराई जाए और इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। याचिका में कहा गया कि यदि किसी प्रश्न के दो विकल्प सही पाए जाते हैं तो अभ्यर्थियों को बोनस अंक देकर संशोधित परिणाम और मेरिट सूची जारी की जाए। इसके अलावा, पेपर सेटर को ब्लैकलिस्ट करने, भर्ती का परिणाम जारी करने पर रोक लगाने और याचिकाकर्ता के लिए पद रिक्त रखने की भी गुहार की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'योगी आदित्यनाथ की माता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन 89 वर्ष की आयु में 20 अप्रैल 2020 को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के दौरान हो गया था।

उस समय पूरे देश में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगा हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों और उस समय लागू पाबंदियों के कारण, वे अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएंगे।

अपने पिता के निधन के बाद जारी एक बयान में उन्होंने परिवार के साथ मौजूद न रह पाने पर दुख जताया था और रिश्तेदारों से अपील की थी कि अंतिम संस्कार के दौरान कोविड-19 से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करें।

21 अप्रैल 2020 को उत्तराखंड में आदित्यनाथ के पिता का अंतिम संस्कार किया गया था। परिवार के सबसे छोटे बेटे महेन्द्र मोहन ने अंतिम संस्कार की रस्में निभाई थीं।

योगी आदित्यनाथ के तीन भाई और तीन बहनें हैं। इनमें से अधिकतर राजनीति और सार्वजनिक चर्चाओं से दूर रहे हैं।

उनके छोटे भाई शैलेन्द्र मोहन भारतीय सेना में कार्यरत हैं। मीडिया की खबरों में उन्हें सूबेदार बताया गया है। वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी गोपनीयता बनाए रखते हैं और राजनीति में उनकी कोई भागीदारी नहीं है।

उनके एक और छोटे भाई महेन्द्र मोहन के बारे में बताया जाता है कि वे उत्तराखंड के एक स्कूल में काम करते हैं।

उन्होंने ही सावित्री देवी के निधन की पुष्टि की थी। वर्ष 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, जब योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड नहीं जा सके थे, तब उन्होंने ही अपने पिता का अंतिम संस्कार भी किया था।

भारतीय राजनीति में योगी आदित्यनाथ की प्रमुख भूमिका होने के बावजूद, उनका परिवार काफी हद तक चुनावी राजनीति और सरकारी पदों से दूर रहा है।

उत्तराखंड में उनके भाई-बहनों का पेशेवर जीवन समय-समय पर लोगों का ध्यान खींचता रहा है, क्योंकि वे सब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की हाई प्रोफाइल राजनैतिक भूमिका से बिल्कुल भिन्न हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कई मौकों पर कहा है कि उत्तर प्रदेश और भारत के लोग ही उनका परिवार हैं। जहाँ उन्होंने धार्मिक और राजनीतिक रास्ता चुना, वहीं उनके परिवार के अधिकतर सदस्य उत्तराखंड में ही रहते और काम करते रहे। सावित्री देवी के निधन के बाद एक बार फिर, पंचूर गांव और देश के सबसे प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल योगी आदित्यनाथ की पारिवारिक पृष्ठभूमि की ओर लोगों का ध्यान गया है।

जनकपुर-अयोध्या ट्रेन से भारत-नेपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- केवल नेपाल के साथ जयनगर-कांठमांडू रेल लाइन आंशिक रूप से चालू है। पाकिस्तान के साथ समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस काफी समय से निलंबित है।

इन दोनों तीर्थस्थलों को जोड़ने वाली 18 डिब्बों की ट्रेन भारत की ओर विद्युतीकृत रेल मार्गों पर पारंपरिक एलएचबी डिब्बों के साथ चलेगी, जबकि नेपाल की ओर इसमें डीजल इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा।

भारतीय रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ''यह (रेल) सेवा रामायण सर्किट पर तीर्थयात्रियों की यात्रा को आसान बनाएगी और सीमा पार शिक्षा, व्यापार तथा पारिवारिक यात्राओं को बढ़ावा देगी।''

जहां चीन ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एल.ए.सी.) के पास तिब्बत ऑटोनॉमस रीजन (टीएआर) में रेलवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया है, जबकि भारत की ओर से इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की योजनाओं को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा है। भारत और बांग्लादेश के बीच अगरतला-अखौरा रेल मार्ग पर मालगाड़ियों की सेवाएं और सीमा पार रेल परिचालन जारी है, लेकिन पहले संचालित रहीं तीनों यात्री रेल सेवाएं-मैत्री एक्सप्रेस, बंधन एक्सप्रेस और मिताली एक्सप्रेस-ढाका में 2024 में हुई राजनीतिक अशांति के बाद से बंद हैं। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार के सत्ता संभालने के बाद नई दिल्ली और ढाका के संबंधों में आई तल्खी के कारण, बांग्लादेश में भारत की मदद से चल रही कई रेल परियोजनाओं में देरी हो रही है।

भारतीय रेलवे ने इस वर्ष अपनी सीमाओं के पास रेल पटरियां बिछाने और रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 45,000 करोड़ रुपये की एक बड़ी और दोहरे उपयोग वाली बुनियादी ढांचा निर्माण योजना शुरू की थी, लेकिन इस दिशा में प्रगति धीमी रही है। भूटान सीमा पर कोकराझार-गेलेफू-बनारहाट-समत्से रेल लाइन का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है। म्यांमार सीमा पर स्थित जिरीबाम-इंफाल-मोरेह-आइजोल-जोरिनपुई रेल लाइन को अभी योजना और निर्माण के चरण में बताया जा रहा है। नेपाल के साथ जयनगर-बर्दीबास-जोगबनी-बिराटनगर-रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन का केवल कुछ हिस्सा ही चालू है। भारत और पाकिस्तान के बीच चलने वाली दोनों यात्री रेल सेवाएं-अटारी-वाघा सीमा से होकर जाने वाली समझौता एक्सप्रेस और मुनाबाव से होकर जाने वाली थार एक्सप्रेस-अभी भी बंद हैं।

दूसरी ओर, चीन ने इस दिशा में तेजी से प्रगति की है। ल्हासा-न्यिंगची रेल लाइन 2021 में शुरू हुई थी, जिससे अरुणाचल प्रदेश के नजदीक तक हाई-स्पीड रेल संपर्क पहुंच गया है। चीन की अन्य परियोजनाओं में, निर्माणाधीन सिचुआन-तिब्बत रेलवे और 2,000 किलोमीटर लंबा शिनजियांग-तिब्बत रेल गलियारा शामिल है, जो लद्दाख और अक्साई चिन के नजदीक है। इस रेल लाइन को 2030 के दशक के मध्य तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

जनकपुर से अयोध्या के बीच चलने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन भारत की ओर मौजूदा भारतीय रेलवे पटरियों का इस्तेमाल करेगी, जबकि नेपाल की ओर हाल ही में अपग्रेड की गई रेल लाइन पर चलेगी। इस रेल लाइन का निर्माण भारत द्वारा दिए गए 784 करोड़ रुपये के अनुदान से किया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908